{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
रविवार 12 अप्रैल 2026
वैशाख कृष्ण 10 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 197
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

आशा भोसले को आया हार्ट अटैक

मुंबई । बॉलीवुड की मशहूर गायिका आशा भोसले को शनिवार रात हार्ट अटैक आया। उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल के ड्ढष्ट में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। फिलहाल डॉक्टरों की टीम उनकी निगरानी कर रही है, लेकिन उनकी हालत को लेकर अस्पताल या परिवार की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। आशा भोसले ने 8 सितंबर 2025 को अपना 92वां जन्मदिन मनाया था। हालांकि परिवार की ओर कोई भी ऑफिशियल बयान नहीं आया है। उनकी की बहन उषा मंगेशकर ने कहा कि अभी उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। दिग्गज सिंगर आशा भोसले ने हर शैली के गीतों में अपनी मधुर आवाज का जादू बिखेरा। उनकी आवाज की मिठास ऐसी है कि आज भी लोगों के दिलों पर राज करती है। अपने करियर में 12,000 से ज्यादा गीत गा चुकीं आशा भोसले के लिए संगीत का सफर इतना भी आसान नहीं था। 9 साल की उम्र में ही पिता का साया उठ गया था।

मंत्री छगन भुजबल का हेलीकॉप्टर बाल-बाल बचा

मुंबई। एनसीपी के वरिष्ठ नेता और मंत्री छगन भुजबल का हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त होने से बच गया। वे पुणे में एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मुंबई से पुणे जा रहे थे। हालांकि, तय हेलिपैड पर उतरने के बजाय, हेलीकॉप्टर एक कार पार्किंग क्षेत्र में उतर गया। पायलट की इस बड़ी गलती से एक बड़ी दुर्घटना टल गई। इस घटना में छगन भुजबल या कोई दूसरा शख्स घायल नहीं हुआ। मंत्री भुजबल इस दुर्घटना में बाल-बाल बच गए। छगन भुजबल का हेलीकॉप्टर मुंबई से पुणे जा रहा था। पुणे में तय लैंडिंग स्पॉट (हेलीपैड) पर उतरने के बजाय पास की एक कार पार्किंग में उतर गया। इस बात का डर था कि हेलीकॉप्टर के रोटर घूमते समय पार्किंग में खड़ी कारों से टकरा सकते हैं। पायलट की इस गंभीर गलती के बावजूद, हेलीकॉप्टर सुरक्षित रूप से उतर गया, लेकिन यह पूरी घटना खतरनाक साबित हुई। मंत्री भुजबल ने अभी तक इस घटना पर कोई टिप्पणी नहीं की है। हालांकि, यह समझा जा रहा है कि सुरक्षा एजेंसियों ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

लखनऊ में विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

लखनऊ। लखनऊ एयरपोर्ट पर शनिवार सुबह दुबई से काठमांडू जा रहे विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। काठमांडू में मौसम खराब होने पर वहां लैंडिंग की परमिशन नहीं मिली। उसके बाद पायलट ने लखनऊ एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को कॉल किया और लैंडिंग की अनुमति मांगी।अनुमति मिलने के बाद विमान को सुबह 8:22 बजे अमौसी एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतारा गया।

9 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों की एसआईआर में 6.08 करोड़ नाम कटे

यूपी में 2.04 करोड़ तो पश्चिम बंगाल में 91 लाख लोग फाइनल सूची से बाहर

नई दिल्ली। चुनाव आयोग के एसआईआर के दूसरे फेज के तहत शुक्रवार को यूपी में फाइनल वोटर सूची जारी की। इसके पूरा होने के बाद 9 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों की वोटरों की सूची में कुल 6.08 करोड़ नाम कट गए हैं। पिछले साल 27 अक्टूबर को एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने से पहले 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कुल मतदाताओं की संख्या करीब 51 करोड़ थी। फाइनल सूची जारी होने के बाद यह संख्या 44.92 करोड़ रह गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एसआईआर के दूसरे फेज में यूपी, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, राजस्थान, छत्तीसगढ़, केरल, गुजरात, मध्य प्रदेश, गोवा समेत पुडुचेरी, अंडमान-निकोबार, लक्षद्वीप की फाइनल वोटर सूची जारी की गई है। यूपी में शुक्रवार को जारी हुई एसआईआर की फाइनल सूची में वोटर्स की संख्या 13फीसदी घटकर 13.39 करोड़ रह गई यानी 2.04 करोड़ लोगों के नाम कट गए हैं। वहीं पश्चिम बंगाल में करीब 91 लाख वोटर्स के नाम फाइनल सूची से बाहर हो गए हैं।

चुनाव आयोग ने 24 जून 2025 को पूरे देश में एसआईआर कराने का आदेश दिया था। अब तक 10 राज्य और 3 केंद्र शासित प्रदेश कवर हो चुके हैं। एसआईआर के पहले फेज में बिहार, दूसरे फेज में 9 राज्य और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर कराया गया था। वहीं असम में एसआईआर के बजाय 10 फरवरी को स्पेशल रिवीजन पूरा किया गया था। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान कई राज्यों में शेड्यूल में कई बार बदलाव हुए। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में राजनीतिक दलों ने इस प्रक्रिया को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

बता दें देश के करीब 99 करोड़ मतदाताओं में से 60 करोड़ को इस अभियान में शामिल किया जा चुका है। अब बाकी 39 करोड़ मतदाताओं को एसआईआर के तीसरे फेज 17 राज्यों और 5 केंद्र शासित प्रदेशों में कवर किया जाएगा। इन 22 राज्यों-यूटी में एसआईआर प्रक्रिया इस महीने पांच विधानसभा चुनावों के बाद शुरू की जाएगी। पश्चिम बंगाल में एसआईआर के दौरान करीब 91 लाख नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक यह कार्रवाई नवंबर से चल रही प्रक्रिया के तहत की गई है, आयोग के 28 फरवरी तक के आंकड़ों के मुताबिक एसआईआर शुरू होने के बाद 63.66 लाख नाम हटाए गए थे, जिससे मतदाताओं की संख्या करीब 7.66 करोड़ से घटकर 7.04 करोड़ रह गई। बाद में जांच और प्रक्रिया पूरी होने के साथ कुल हटाए गए नामों की संख्या बढ़कर करीब 90.83 लाख हो गई है।

संसद परिसर में पीएम मोदी और राहुल गांधी की मुलाकात, वीडियो हुआ वायरल

नई दिल्ली। संसद भवन परिसर में राजनीतिक मतभेदों के बीच एक अलग ही तस्वीर देखने को मिली, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की मुलाकात का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। आमतौर पर संसद और चुनावी मंचों पर एक-दूसरे पर तीखे प्रहार करने वाले दोनों नेता इस बार सहज बातचीत करते नजर आए।

वायरल वीडियो के बाद पीएम मोदी और राहुल गांधी की मुलाकात को लेकर संशय के साथ सवाल भी उठे, लेकिन हकीकत यही है कि यह घटना आज शनिवार यानी 11 अप्रैल की है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती पर संसद परिसर स्थित प्रेरणा स्थल पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने जा रहे थे। इसी दौरान वहां कई प्रमुख नेता पहले से मौजूद थे। वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, विपक्ष के नेता राहुल गांधी, केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और राज्यसभा के पूर्व उपसभापति हरिवंश खड़े थे। प्रधानमंत्री मोदी एक-एक कर सभी से मिले और फिर राहुल गांधी के सामने कुछ क्षणों के लिए रुक गए।

दोनों नेताओं के बीच संक्षिप्त बातचीत भी हुई, हालांकि चर्चा का विषय सार्वजनिक नहीं हो सका। वीडियो में यह जरूर स्पष्ट है कि दोनों कुछ सेकंड तक आमने-सामने खड़े होकर बातचीत करते रहे, जिसने राजनीतिक हलकों में उत्सुकता बढ़ा दी है।

10 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लिए मजबूत कानून जरूरी- सीजेआई सूर्यकांत

नई दिल्ली। भारत को 10 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए केवल पूंजी और नीतियां पर्याप्त नहीं होंगी, बल्कि एक मजबूत, स्थिर और भरोसेमंद कानूनी व्यवस्था भी उतनी ही जरूरी होगी। यह बात भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने शनिवार को कही।

वे बार एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 'रूल ऑफ लॉ कन्वेंशन 2026' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 10 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना सिर्फ एक आर्थिक लक्ष्य नहीं, बल्कि देश के भविष्य से जुड़ा महत्वपूर्ण प्रश्न है, जिसे गंभीरता से लेना होगा। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि निवेशकों का भरोसा मुख्य रूप से इस बात पर निर्भर करता है कि किसी देश की कानूनी प्रणाली कितनी पारदर्शी, स्थिर और निष्पक्ष है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि आर्थिक वादों और निवेश की नींव मजबूत कानून व्यवस्था पर ही टिकी होती है।

उन्होंने बताया कि भारत को ऐसे निवेश की आवश्यकता है जो दीर्घकालिक और भरोसे पर आधारित हों। उदाहरण के तौर पर इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में पेंशन फंड का निवेश, तकनीकी कंपनियों द्वारा ज्ञान साझा करना और वैश्विक कंपनियों द्वारा सप्लाई चेन विकसित करना, ये सभी लंबे समय की प्रतिबद्धताएं होती हैं।

सीजेआई ने कहा कि निवेशक केवल अनुबंधों के पालन तक सीमित नहीं रहते, बल्कि वे पूरे कारोबारी माहौल में निरंतर भरोसा और स्थिरता की अपेक्षा करते हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि पिछले दो दशकों में व्यापारिक विवादों का स्वरूप काफी बदल गया है। जहां पहले विवाद भुगतान या सप्लाई जैसे सरल मुद्दों पर होते थे, वहीं अब ये जटिल व्यावसायिक संबंधों और बड़े आर्थिक ढांचे से जुड़े होते हैं।

उन्होंने कहा कि अब कानून की भूमिका केवल समझौते के समय तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि पूरे व्यावसायिक संबंध के दौरान न्याय और संतुलन बनाए रखना भी आवश्यक है।

कानूनी सुधारों पर बात करते हुए सीजेआई ने तीन प्रमुख आवश्यकताओं का उल्लेख किया—कानून में स्थिरता, विवादों को पहले ही रोकने की संस्कृति, और विशेषज्ञता का विकास। उन्होंने 'गुड फेथ' यानी ईमानदारी से अनुबंध निभाने की भावना को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई और कहा कि मध्यस्थता को प्रोत्साहित कर विवादों को शुरुआती स्तर पर ही सुलझाया जा सकता है। अंत में उन्होंने कहा कि आज के जटिल आर्थिक माहौल में इंफ्रास्ट्रक्चर, वित्त और डिजिटल क्षेत्र से जुड़े मामलों के लिए विशेष कानूनी ज्ञान जरूरी हो गया है।

कैश कांड में जस्टिस वर्मा का इस्तीफा : न्यायपालिका की साख पर उठते सवाल

नई दिल्ली। सरकारी आवास से जले हुए नोटों की बरामदगी के विवादित मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा ने आखिरकार अपना इस्तीफा दे दिया है। यह मामला बीते एक वर्ष से लगातार चर्चा में रहा और मामले ने भारतीय न्यायपालिका की विश्वसनीयता, पारदर्शिता और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े किए।

करीब एक साल पहले, 14 मार्च 2025 को दिल्ली स्थित उनके सरकारी आवास से बड़ी मात्रा में जले हुए नोट मिलने की खबर सामने आई थी। उस समय वे दिल्ली हाई कोर्ट में कार्यरत थे। घटना के बाद दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की रिपोर्ट, सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित तीन सदस्यीय जांच समिति और संसद में प्रस्तावित महाभियोग जैसी कई प्रक्रियाएं शुरू हुईं। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, मामला और अधिक गंभीर होता गया और जनता के बीच न्यायपालिका की निष्पक्षता को लेकर संदेह भी गहराता गया।

सुप्रीम कोर्ट ने पूरे मामले में इन-हाउस प्रक्रिया के तहत जांच कराई और दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की रिपोर्ट को सार्वजनिक करने का कदम उठाया, इस पारदर्शिता की दिशा में महत्वपूर्ण माना गया। इसके बाद जस्टिस वर्मा को दिल्ली से इलाहाबाद हाई कोर्ट स्थानांतरित किया गया और उन्हें न्यायिक कार्यों से अलग रखा गया। हालांकि, इसके बावजूद उनके पद पर बने रहने को लेकर लगातार आलोचना होती रही, जिससे न्यायपालिका की गरिमा पर सवाल उठते रहे। इस प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट के रवैये और जांच प्रक्रिया को लेकर भी व्यापक चर्चा हुई। बाद में न्यायाधीशों द्वारा अपनी संपत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक करने पर सहमति जताना भी इसी घटनाक्रम से जोड़कर देखा गया, जिससे पारदर्शिता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत मिला।

यह मामला इस बात को उजागर करता है कि भारत में अब तक किसी भी हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश को महाभियोग के माध्यम से पद से नहीं हटाया गया है।

ममता को लोगों की चिंता नहीं, भतीजे को सीएम बनाने में है दिलचस्पी- शाह

कोलकाता। गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के देबरा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि ममता बनर्जी बंगाल के लोगों की चिंता नहीं करती हैं। उन्हें बस भतीजे अभिषेक बनर्जी को अगला सीएम बनाने में दिलचस्पी है। उधर बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने नॉर्थ 24 परगना के टेंटुलिया में चुनावी रैली की। उन्होंने कहा कि सांप पर भरोसा किया जा सकता है, लेकिन बीजेपी पर नहीं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के लिए पार्टी का घोषणा पत्र यानी भरोसे का पत्र जारी किया।

इसमें महिलाओं को मीन हजार महीना, युवा बेरोजगारों को मीन हजार रुपए महीना की मदद, पहले 6 महीने में यूसीसी लागू करना और सरकारी कर्मचारियों को 45 दिन में सातवां वेतनमान देने की घोषणा की गई। पहले 6 महीने में कॉमन सिविल कोड लागू करेंगे। सभी नागरिकों के लिए एक ही कानून हो, यह सुनिश्चित करेंगे। बंगाल की सीमा गो-तस्करी का जरिया बनी है। हम घुसपैठ को रोकेंगे और गो-तस्करी पर रोक लगाएंगे। टीएमसी के भ्रष्टाचार के लिए श्वेत पत्र जारी करेंगे। जिन लोगों ने सरकार की पाई-पाई खाई है, उन्हें जेल की सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। कानून और व्यवस्था के लिए जारी श्वेत पत्र में दो हिस्से होंगे। पहले हिस्से में बताएंगे कि कानून व्यवस्था को किस तरह पाताल तक पहुंचाया गया, दूसरे हिस्से में बताएंगे कि इसे कैसे सुधारा जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी, वोट देना और चुनाव लड़ना, मौलिक अधिकार नहीं.....ये वैधानिक अधिकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने फिर स्पष्ट किया है कि वोट देने और चुनाव लड़ने का अधिकार मौलिक अधिकार नहीं हैं, बल्कि ये वैधानिक अधिकार हैं। यह अहम टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने की जिसमें जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर महादेवन शामिल थे। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह स्थापित कानूनी सिद्धांत है कि न मताधिकार और न ही चुनाव लड़ने का अधिकार संविधान के मौलिक अधिकारों में शामिल हैं। हालांकि, ये दोनों अधिकार लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, लेकिन इनका स्रोत संविधान के बजाय कानूनों में निहित है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वोट देने और चुनाव लड़ने के अधिकार में मूलभूत अंतर है। मतदान का अधिकार नागरिकों को चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने का मौका देता है, जबकि चुनाव लड़ने का अधिकार अधिक कड़े नियमों और शर्तों के अधीन होता है। इसमें उम्मीदवार की योग्यता, अयोग्यता, प्रशासनिक आवश्यकताएं और संस्थागत नियम शामिल होते हैं। इसलिए चुनाव लड़ना एक नियंत्रित प्रक्रिया है, जिसमें विभिन्न कानूनी मानदंड लागू होते हैं।

दरअसल मामला राजस्थान के जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ के चुनावी नियमों से संबंधित था। इन संघों का संचालन तीन-स्तरीय ढांचे के अनुसार होता है और इनके लिए राज्य कानूनों तथा बायलॉज के माध्यम से उम्मीदवारों की पात्रता तय की जाती है। इन नियमों में दूध की आपूर्ति, गुणवत्ता, संघ की वित्तीय स्थिति और ऑडिट जैसे मानदंड शामिल थे। कुछ सहकारी समितियों ने इन नियमों को चुनौती देकर राजस्थान हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। 2015 में हाई कोर्ट की एकल पीठ ने इन बायलॉज को अवैध बताकर रद्द कर दिया, जबकि पहले हुए चुनावों को वैध बनाए रखा। बाद में 2022 में डिविजन बेंच ने भी फैसले को बरकरार रखा।

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के तर्कों से असहमति जताकर कहा कि इस प्रकार की रिट याचिकाओं की स्वीकार्यता पर सवाल उठते हैं। शीर्ष अदालत ने संकेत दिया कि इसतरह के मामलों में न्यायिक हस्तक्षेप सीमित होना चाहिए, जब तक कि कोई स्पष्ट संवैधानिक उल्लंघन न हो।

कुछ ना कहना

बॉम्बे हाईकोर्ट ने साइबर ठगी के शिकार ग्राहक को 38 लाख रूपये लौटाने का दिया आदेश

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में एचडीएफसी बैंक को निर्देश दिया है कि वह साइबर ठगी का शिकार हुए एक ग्राहक को 38 लाख रूपये की राशि उसके खाते में वापस जमा करे। अदालत ने यह आदेश रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के 6 जुलाई 2017 के सर्कुलर के आधार पर दिया। न्यायमूर्ति भारती डांगरे और न्यायमूर्ति मंजूषा देशपांडे की पीठ ने सुनाए अपने फैसले में कहा कि आरबीआई का यह सर्कुलर ऐसे ग्राहकों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए है, जो सतर्क रहते हैं और जिनकी कोई लापरवाही नहीं होती। दरअसल पुणे के कंसल्टेंट सुभोध कोर्डे ने याचिका में बताया कि 14 जुलाई 2021 को मात्र 41 मिनट के भीतर उनके एचडीएफसी बैंक के दो खातों से 38 लाख रूपये की अवैध निकासी कर ली गई। यह निकासी ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के जरिए की गई थी।

कोर्डे के अनुसार उन्हें किसी भी ओटीपी की जानकारी नहीं मिली और उनके खाते में तीन नए अनजान लाभार्थी जोड़ दिए गए। उनके बैंकिंग ट्रांजैक्शन की सीमा 4 लाख रूपये से बढ़ाकर 40 लाख रूपये तक कर दी गई। अदालत ने पाया कि यह मामला 'सिम स्वैपिंग' यानी सिम क्लोनिंग के जरिए की गई ठगी का है। याचिकाकर्ता ने बताया कि

उन्होंने नेटवर्क समस्या के कारण एक बार नया सिम लिया था, लेकिन टेलीकॉम कंपनी के अनुसार दो दिनों में चार बार सिम बदले गए। हाईकोर्ट ने माना कि ओटीपी संभवत: क्लोन किए गए सिम पर चला गया, जिससे ठगों ने लेनदेन को अंजाम दिया।

बैंक की लापरवाही पर सवाल

हाई कोर्ट ने कहा कि ग्राहक ने समय रहते बैंक को सूचित किया और ग्राहक की कोई लापरवाही साबित नहीं हुई। बैंक ने केवल ओटीपी भेजने को ही अपनी जिम्मेदारी मान लिया। कोर्ट ने टिप्पणी की, 卐हैरानी की बात है कि बैंक ने इस मामले में कोई गंभीर कदम नहीं उठाया।卐 हाईकोर्ट ने कहा कि आरबीआई के नियमों के अनुसार, अगर ग्राहक की कोई गलती नहीं है तो उसे 'जीरो लायबिलिटी' का लाभ मिलना चाहिए। इसके बावजूद एचडीएफसी बैंक ने ग्राहक को यह लाभ नहीं दिया, जिसे अदालत ने गलत ठहराया।

बैंक की दलील खारिज

बैंक ने तर्क दिया कि वह एक निजी संस्था है और इस मामले में रिट याचिका नहीं बनती।

इस पर कोर्ट ने कहा कि बैंक एक ह्यष्द्धद्गस्रह्वद्यद्गस्र बैंक है, यह आरबीआई के नियंत्रण में काम करता है। इसकी सेवाओं में सार्वजनिक हित जुड़ा है। इसलिए इसे 'पब्लिक अथॉरिटी' के दायरे में माना जा सकता है। हाईकोर्ट ने एचडीएफसी बैंक को निर्देश दिया कि 38 लाख रूपये की पूरी राशि ग्राहक के खाते में वापस जमा की जाए साथ ही ब्याज भी दिया जाए। यह भुगतान 8 सप्ताह के भीतर किया जाए।

कर्नाटक से कांग्रेस के 35 विधायक आज पहुंच रहे दिल्ली...

सीएम की कुर्सी या कुछ और कारण

बेंगलुरु, । दक्षिण में कांग्रेस शासित राज्य कर्नाटक में सत्ता का संघर्ष अब फिर जोर पकड़ता दिख रहा है। सीएम की कुर्सी को लेकर सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच शीतयुद्ध जारी है। इस बीच अब प्रदेश के 35 विधायक दिल्ली कूच को तैयार हो चुके है। हालांकि, विधायकों के दिल्ली कूच के पीछे कैबिनेट बर्थ पाने की लड़ाई वजह बताई गई है। जानकारी के मुताबिक ये 35 विधायक दिल्ली में हाईकमान से मुलाकात कर अपनी मांगों पर बात करने वाले है। कर्नाटक में सीएम कुर्सी को लेकर खींचतान जारी है, लेकिन विधायकों के दिल्ली दौरे का एजेंडा सीएम पद को लेकर खींचतान नहीं, बल्कि कैबिनेट में बदलाव को बताया जा रहा है। कई विधायक मंत्री बनने के लिए दावेदारी ठोक रहे हैं। इन विधायकों की मांग है कि उन्हें मंत्री बनाया जाना चाहिए। इस मांग को लेकर विधायकों ने दिल्ली कूच का प्लान तैयार किया है। बताया जाता है कि इन विधायकों ने मार्च में डिनर पर मुलाकात कर दिल्ली कूच की रणनीति को अंतिम रूप दिया था। कर्नाटक कांग्रेस के चीफ व्हिप अशोक पट्टन की अगुवाई में विधायकों के एक दल ने मार्च महीने में सीएम सिद्धारमैया से भी मुलाकात की थी।

परीक्षा पास करके ही पाई है नौकरी, अब इस उम्र में पुनः परीक्षा क्यों ?

पात्रता परीक्षा रद्द किए जाने की मांग को लेकर शिक्षकों का चरणबद्ध आंदोलन जारी

ई-अटेंडेंस का भी किया विरोध, कहा सरकार परीक्षा रद्द करने दायर करें,पुनर्विचार याचिका, बैठक कर, 18 अप्रैल को भोपाल में बड़ा आंदोलन करने की दी चेतावनी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अनिवार्य बाल शिक्षा अधिनियम 2009 के नियमों का हवाला देते हुए, कुछ माह पूर्व न्यायालय द्वारा शिक्षा विभाग के अध्यापक शिक्षक वर्ग के लिए पात्रता परीक्षा आयोजित करने के निर्देश जारी किए गए है।न्यायालय से जारी इस निर्देश के बाद से ही जिले में शिक्षक वर्ग में असंतोष का माहौल बना हुआ है। न्यायालय के आदेश में पात्रता परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने वाले शिक्षकों को सेवा से हटाए जाने की संभावना जताई गई थी, जिससे शिक्षकों में चिंता और नाराजगी बढ़ गई है। इसके विरोध में अध्यापक शिक्षक वर्ग द्वारा चरणबद्ध आंदोलन शुरू कर दिया गया है ,इसके पहले चरण में अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के बैनर शिक्षकों ने 8 अप्रैल को सड़कों पर उतरकर कलेक्ट का घेराव कर ज्ञापन सौपा तो वही आंदोलन के दूसरे चरण में शनिवार 11 अप्रैल को नगर के मोती गार्डन में एक बैठक का आयोजन कर आगामी रणनीति बनाई है। जिसमें उन्होंने आगामी 18 अप्रैल को प्रदेश के समस्त अध्यापक शिक्षक वर्ग के साथ भोपाल पहुंचकर पात्रता परीक्षा के विरोध में आक्रोश स्वरूप आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

हमारे पढ़ाए हुए लोग बन गए अधिकारी अब योग्यता साबित करने ली जा रही परीक्षा

न्यायालय द्वारा जारी आदेश पर अपनी नाराजगी जताते हुए अध्यापकों ने स्पष्ट किया कि उन्होंने परीक्षा देकर ही नौकरी पाई है, नौकरी करते-करते 25 से 26 वर्ष बीत चुके हैं, उनके पढ़ाए हुई कई विद्यार्थी बड़े-बड़े पदों पर नौकरी कर रहे हैं, तो कई विद्यार्थी अपना खुद का व्यवसाय कर रहे हैं,शिक्षको की उम्र अब 55-56 वर्ष हो चुकी है,ऐसे में अब शिक्षकों से पात्रता परीक्षा देने कहा जा रहा है।यहां हमारे साथ अमानवीय व्यवहार है,ऐसी कोई भी परीक्षा नहीं ली जानी चाहिए। हमारी सरकार से मांग है, की सरकार न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर कर पात्रता परीक्षा को रद्द किए जाने की मांग करें। जहां उन्होंने मांग पूरी न होने पर आंदोलन के तीसरे चरण में भोपाल पहुंचकर बड़ा आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

अन्य राज्यो की तरह सरकार भी न्यायालय में लगाए पुनर्विचार याचिका

शिक्षक संगठनों का कहना है कि अन्य राज्यों की तरह मध्य प्रदेश सरकार को इस मामले में न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर करनी चाहिए थी, लेकिन सरकार ने सीधे आदेश को विभाग को भेजते हुए परीक्षा की प्रक्रिया आगे बढ़ाने की बात कही। इसी के विरोध में शिक्षक वर्ग लगातार धरना-प्रदर्शन और ज्ञापन के माध्यम से अपनी आवाज बुलंद कर रहे है।शिक्षक संगठनों ने कहा कि पात्रता परीक्षा का निर्णय वापस लिया जाना चाहिए और सरकार को जल्द से जल्द न्यायालय में अपनी बात रखनी चाहिए।

18 को भोपाल में करेंगे बड़ा आंदोलन- राहंगडाले

अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा ब्लॉक समन्वयक श्री रहांगडाले ने बताया कि शिक्षक समुदाय पर विकट स्थिति आ गई है, सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आया है कि शिक्षकों को पात्रता परीक्षा देना है, अनिवार्य बाल शिक्षा अधिनियम 2009 के तहत परीक्षा लेने की बात कह रहे हैं, यह हमारे साथ अमानवीय व्यवहार किया जा रहा है।इसके अलावा हमारे द्वारा यहां ई अटेंडेंस का भी विरोध किया जा रहा है, पात्रता परीक्षा और ई-अटेंडेंस जैसे नियम हम पर ही लागू किया जा रहे हैं जबकि अन्य विभागों में ऐसा कोई नियम लागू नहीं है।हमारी मांग है कि सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक पुनर्विचार याचिका दायर करनी चाहिए,अपनी इसी मांग को लेकर आंदोलन के तीसरे चरण के तहत 18 अप्रैल को भोपाल में बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

हर्षोल्लास के साथ मनाई गई महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसीलों व ग्रामीण अंचलों में शनिवार को राष्ट्रपिता महात्मा ज्योतिबा फुले की 199 वी जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई।जहां जयंती विशेष पर जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कर महात्मा ज्योतिबा फुले को याद किया गया। इसी कड़ी में नगर में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी मरार माली समाज समिति बालाघाट द्वारा

राष्ट्रपिता महात्मा ज्योतिबाफुले जी की जयंती उत्साह पूर्वक मनाई गई। जहां जयंती विशेष के अवसर पर सामाजिक बंधु माता सावित्रीबाई फुले कन्या छात्रावास में एकत्र हुए। जहां से सामुहिक रूप से एक बाइक रैली निकालकर जयंती की शुरुवात की गई। यह बाइक रैली सरेखा महात्मा ज्योतिबा राव फुले चौक पहुंची।जहा समाज संगठन के पदाधिकारी सहित अन्य सामाजिक बंधुओ ने राष्ट्रपिता ज्योतिबा राव फुले और राष्ट्रमाता सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तो वही प्रतिमा के समीप कैंडल जलाकर नमन वंदन कर, आयोजन को लेकर अपने विचार रखें।इसके तुरंत बाद यह रैली सरेखा चौक से हनुमान चौक, वहां से राम मनोहर लोहिया चौक वहां से सिंधु भवन होते हुए सीधे आंबेडकर चौक पहुंची। जहां डॉ भीमराव आंबेडकर साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर जयकारे लगाए गए। इसके उपरांत यह बाइक रैली आंबेडकर चौक से जय स्तंभ चौक वहां से काली पुतली चौक होते हुए सीधे बस स्टैंड स्थित रानी अवंती बाई चौक पहुंची जहां रानी अवंती बाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर जयकारे लगाए गए, तो वही यहां रैली रानी अवंती बाई चौक से काली पुतली चौक मेन रोड़ होते हुए हनुमान चौक से वापस सरेखा फुले चौक पहुंची। जहां मंचीय कार्यक्रम संपन्न कराए गए।

फुले के सपनों को पूरा करने का लिया संकल्प

आयोजित मंचीय कार्यक्रम में समाज संगठन के जुड़े विभिन्न वक्ताओं और पदाधिकारियो ने अपने विचार रखे ,तो वहीं उन्होंने अपने संबोधन में महात्मा ज्योतिबा फुले की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनकी जीवनी से प्रेरणा लेने ,उनके बताए हुए मार्ग पर चलने, और उनकी दिनचर्या सहित समाज सुधार को लेकर किए गए कार्यों का वर्णन करते हुए उनके दिए हुए उपदेशों पर चलने का संकल्प लिया।वही सभी वक्ताओं ने समाज के सभी लोगो को साथ लेकर चलने, समाज संगठन को मजबूत बनाने और महात्मा ज्योतिबा राव फुले के सपनों को पूरा करने की बात कही।आयोजित कार्यक्रम की प्रस्तावना सुशीला पंचे सभापति व्यापारी प्रकोष्ठ द्वारा प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता मरारमाली समाज के नगर अध्यक्ष छबिराम नागेश्वर ने की। जबकि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त नगर निरीक्षक दिलीप पंचेश्वर,प्रमुख अतिथि के रूप में कर्मचारी प्रकोष्ठ के सभापति लोकराम पांचे, जिला प्रतिनिधि करूणा कावरे एवं सेवानिवृत्त प्राचार्य दीपक मात्रे रहे। वही विशेष अतिथि के रूप में मदरटेरेसा सेवा समिति के अध्यक्ष राजेश मरार एवं युंवा प्रकोष्ठ के सभापति गजेन्द्र देशमुख प्रमुख वक्ता के रूप में जिला सहसचिव सुनील पांचे, महिला प्रकोष्ठ की सदस्य सुमित्रा मानेश्वर, युवा प्रकोष्ठ के सदस्य भूमित गाडेश्वर, महिला प्रकोष्ठ की सदस्य पार्वती नागफांसे, स्वाती बाहेश्वर एवं संगीता कावरे, जिला मरारमाली समाज के जिलाध्यक्ष रमेश पंचे, नगर अध्यक्ष छबिराम नागेश्वर सहित समस्त पदाधिकारी सदस्य व सामाजिक बंधु प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

उपभोक्ता संरक्षण समिति का 35 वां स्थापना दिवस कार्यक्रम सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। गत दिवस उपभोक्ता संरक्षण समिति बालाघाट का 35 वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।जिसके तहत विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।यह कार्यक्रम जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग के न्यायिक सदस्य डॉ0 महेश चांडक के मुख्य आतिथ्य एंव संतोष असाटी की अध्यक्षता में समिति कार्यालय बालाघाट में सम्पन्न हुआ ।कार्यक्रम में सर्वप्रथम समिति अध्यक्ष संतोष असाटी सहित समस्त पदाधिकारियों द्वारा मुख्य अतिथि डॉ0 महेश चांडक का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया । इसके साथ ही चांडक द्वारा अपने कार्यकाल के दौरान बालाघाट जिले में उपभोक्ता न्याय के क्षेत्र में दी गई सराहनीय सेवाओं के साथ ही निष्पक्षता, विधिक कुशलता एवं संवेदनशीलता के साथ उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुये काम करने व न्याय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की बात कही। उधर सरल कार्यशैली के लिये समिति की ओर से श्री चांडक को सम्मान पत्र भेंट किया गया । तत्पश्चात महामंत्री भीवाजी उके द्वारा कार्यक्रम के संबंध में अपने विचार रखने गए।जिसके उपरांत सभी उपस्थित साथियों को समिति की संशोधित नियमावली 2022 की एक एक प्रति प्रदान की गई तथा आगे की कार्यवाही प्रारंभ की गई ।

विभिन्न निर्णय सर्व सहमति से किए पारित

समिति के आजीवन सदस्य जगन्नाथ गोंदुडे,जो कि विगत काफी सालों से रायपुर में निवास कर रहे हैं, के द्वारा पारिवारिक व व्यवसायिक कारणों से समिति की आजीवन सदस्यता से स्वेच्छा से अपना त्याग पत्र भेजा गया था जिसे सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया।साथ ही समिति की अधिकृत अधिवक्ता एड. श्रीमति वीणा डोंगरे का कार्यकाल 31 मार्च 2027 तक बढाये जाने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया।समिति कोषाध्यक्ष शिवशंकर तिवारी द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 का आय व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया एवं पढकर सुनाया गया।जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया।कार्यक्रम के दौरान ही समिति के सभी उपस्थित साथियों को 35 वें स्थापना दिवस के अवसर पर एक प्रतीक चिन्ह भी भेंट किया गया । इस अवसर पर सुभाष गुप्ता द्वारा सुझाव दिया गया कि समिति के संस्थापक सदस्यों के छायाचित्र समिति कार्यालय में रखें जाये।इसके पश्चात उपभोक्ता संरक्षण समिति के कुछ दिनों पूर्व ही दिवंगत संस्थापक सदस्य जीडी.दीवान, समिति के सदस्य सुभाष गुप्ता के दिवंगत चाचा कमला प्रसाद गुप्ता एवं समिति के सदस्य डॉ.गोपाल प्रसाद श्रीवास्तव के दिवंगत बडे भाई के निधन पर शोक संवेदना प्रगट करते हुये दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी गई एवं कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गई।

समिति की स्थापना,व उद्देश्यों पर डाला गया विस्तृत प्रकाश

इस अवसर पर अध्यक्ष द्वारा सभी उपस्थित साथियों का स्वागत अभिनंदन करते हुये उपभोक्ता संरक्षण समिति बालाघाट के 35 वें स्थापना दिवस की बधाईयां व शुभकामनायें दी गई।उन्होंने समिति की स्थापना, उद्देश्यों पर विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करते हुये बताया कि इस समिति के वरिष्ठ साथियों द्वारा लगभग 35 वर्ष पूर्व उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने व उन्हें न्याय दिलाये जाने की दिशा में एक समिति का निर्माण किये जाने का निश्चय किया गया था और इसी के अनुरूप जनकल्याणकारी भावना से उपभोक्ताओं के हितों एवं अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए उपभोक्ता शिक्षण व्यवस्था बनाये जाने, उनके बौद्धिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, शैक्षणिक, सामाजिक, स्वास्थ्य संबंधी तथा गुणात्मक विकास एवं सुविधाओं के लिये प्रयास करने और गतिविधियां संचालित करने के उद्देश्य से हमारे वरिष्ठ साथी स्व. त्रिलोकचंद कोचर की अध्यक्षता में इस संस्था का गठन किया जाकर दिनांक 10 अप्रेल 1991 को विधिवत पंजीयन किया गया था।तब से यह समिति अपने सम्माननीय सदस्यों के द्वारा दिये जाने वाले बहुमूल्य समय व आर्थिक सहयोग से 35 वर्षों से निरंतर चलते हुये पीडित उपभोक्ताओं की समस्याओं का निराकरण की दिशा में निशुल्क सहायता करते आ रही है । जबकि इस समिति को शासन की ओर से या अन्य किसी भी स्त्रोत से किसी भी प्रकार का वित्तीय सहयोग प्राप्त नहीं होता है।इसके पश्चात समिति के संरक्षक सुरजीतसिंह छाबडा द्वारा उपभोक्ताहित में कार्य कर रही इस समिति की कार्यप्रणाली व व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी दी गई साथ ही उनके द्वारा समिति के 35 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष में 1100 रु की सहयोग राशि भी समिति को प्रदान की गई ।

अन्य पदाधिकारियो ने रखे विचार

समिति के संस्थापक सदस्य एवं संरक्षक लोचनसिंह देशमुख द्वारा समिति की स्थापना से लेकर वर्तमान स्थिति तक की गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया गया।उन्होंने बताया कि उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने वाली व उपभोक्ताओं को उचित न्याय प्रदान करवाने वाली इस समिति का गठन किये जाने के समय के अधिकांश साथी स्व. त्रिलोकचंद कोचर, स्व. मोहनसिंह परिहार, स्व. जीडी.शर्मा, स्व.प्रतापसिंह ठाकुर, स्व. कृष्णा मिश्रा, स्व. शील आनंद, स्व. रावेल सिंह गांधी, स्व. छेदीलाल जायसवाल, स्व. माधव पंडोरिया, स्व. जीडी.दीवान आदि अब हमारे बीच नहीं हैं जबकि संस्थापक सदस्य प्रो. शोभारानी पिल्लई आज के इस कार्यक्रम में उपस्थित है। हमारे पूर्व साथियों द्वारा गठित संस्था आज भी 35 वर्षों से निरंतर रूप से उपभोक्ताओं के हितार्थ निशुल्क रूप से कार्य कर रही है ।न्यायिक सदस्य डॉ. महेश चांडक द्वारा अपने उद्बोधन में इस समिति द्वारा उपभोक्ता हित में किये जा रहे कार्यों एवं समिति की कार्यप्रणाली की प्रशंसा करते हुये बताया कि संभवत: उपभोक्ताओं के हितार्थ कार्य करने वाली प्रदेश में शायद ही ऐसी कोई संस्था होगी जो निरंतर उपभोक्ताहित में 35 वर्षों से कार्य करते आ रही है।उन्होंने संस्था की कार्य प्रणाली से प्रेरित होकर आगामी माह में इस संस्था की सदस्यता ग्रहण करने की इच्छा जाहिर की,जिसपर उपस्थित साथियों द्वारा अपनी सहमति भी प्रदान की गई।

दो दिवसीय राज्यस्तरीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिता 23-24 को

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर मुख्यालय में 23 एवं 24 अप्रैल को राज्यस्तरीय सब-जूनियर, जूनियर एवं सीनियर महिला/पुरुष इक्विप्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता नगर के नूतन कला निकेतन में आयोजित होगी, जिसमें मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से खिलाड़ी अपनी ताकत और तकनीकी कौशल का प्रदर्शन करेंगे।आयोजन समिति द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार प्रतियोगिता में अलग-अलग आयु वर्ग के पुरुष एवं महिला खिलाड़ी भाग लेंगे। इस दौरान पावरलिफ्टिंग के तीनों प्रमुख इवेंट स्क्वाट, बेंच प्रेस और डेडलिफ्ट में प्रतिभागी अपनी क्षमता का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता का उद्देश्य प्रदेश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना और उभरते खिलाड़ियों को एक बड़ा मंच प्रदान करना है।कार्यक्रम में खेल जगत से जुड़े कई गणमान्य अतिथि, पदाधिकारी एवं अनुभवी प्रशिक्षक शामिल होंगे जो खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करेंगे। आयोजन को सफल बनाने के लिए जिला पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन एवं संबंधित खेल संगठनों द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं।आयोजन में विभिन्न पदाधिकारियों और खेल प्रतिनिधियों की सक्रिय भूमिका रहेगी, जिनके मार्गदर्शन में प्रतियोगिता को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया जाएगा। आयोजन से जुड़े पदाधिकारियों ने बताया कि यह प्रतियोगिता खिलाड़ियों के लिए राज्य स्तर पर अपनी पहचान बनाने का सुनहरा अवसर साबित होगी।आयोजकों ने जिले एवं प्रदेश के खेल प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है।

पर्णिका (पावनी) के प्रथम जन्मदिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं

- शुभेच्छु -

दादी-महेश्वरी लिल्हारे

पापा- राकेश लिल्हारे, मम्मी-सपना लिल्हारे

समस्त लिल्हारे परिवार

ग्राम उड़दना(चंदना) परसवाड़ा

कार्यालय ग्राम पंचायत मोहगाँव

जनपद पंचायत बालाघाट,जिला बालाघाट

क्रमांक / क्यू / ग्रा. प. दिनांक 12/04/2026

निविदा

विषयाकिंत लेख है कि ग्राम पंचायत मोहगाँव में वित्तीय वर्ष 2026-27 में मनरेगा योजना, बी.वी. जी. रामजी योजना, खनिज गौण, पंच परमेश्वर, 15 वां पित् 16 वॉ वित्त आयोग 5 वॉ 6 वित्त आयोग मुख्य मंत्री विशिष्ठ निधि, स्वकराधान मद, स्वच्छ भारत अभियान, विधायक, सांसद निधि, जिला पंचायत, जनपद पंचायत निधि, परफार्मेंस ग्रांट फंड स्टेशनरी क्रय, एवं अन्य मरम्मत, योजनाओ के तहत विभिन्न निर्माण कार्यो हेतु सामग्री क्रय की जानी है। इन कार्यो के लिये दिनांक 14-04-26 से 18-04-26 तक नीचे लिखित वर्णित सामग्री हेतु मुहरबंद निविदाये कार्यालयीन समय पर आमंत्रित है।

निविदा संबंधित विस्तृत जानकारी ग्राम पंचायत कार्यालयीन समय पर प्राप्त कर सकते हैं। डाक द्वारा भेजे गये लिफाफे अतिम तारीख के 2 बजे तक ही मान्य होगे।

सामग्री- सिमेंट,लोहा,**गिट्टी**,पाईप,लोहा पाईप, टीन, मिट्टी मुरुम,रेत,ईट, मिक्सर मशीन, वायब्रेटर मशीन, पालीथीन, थर्माकोल वासबेसीन नल सहित नल जल योजना हेतु पाईप, पेन्टीग कार्य, गट्ठ (पेवर ब्लाक, नल जल उपयोगी नल अन्य उपयोगी सामग्री, सार्वजनिक स्थल हेतु सीमेंट कुर्सीया टेबल कुर्सीया, स्ट्रीट लाईट संबंधी सामग्री, वाटर हारवेस्टिंग से संबधीत सामग्री, पी. वी. सी पाईप, एंगल, नट, बोल्ट, खीला, तार, स्टेशनरी सामग्री, नल-जल उपयोगी सामग्री, इत्यादि उपयोगी आवश्यक सामग्री क्रय की जानी है।

ईच्छुक विक्रेता नियत तारीख तक निविदा जमा करा सकता है। निविदा के संबंध में अन्तिम निर्णय ग्राम पंचायत का होगा।

सरदारसिह परते सरपंच | **श्री सुनील कुमार गेवरीकर** उपसरपंच | **धर्मेन्द्र कुमार बिसेन** सचिव

बलराम गेवरीकर - रोजगार सहायक

एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत मोहगांव जिला बालाघाट

नाम सुधार सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं प्रदीपकुमार बाबूलाल पिता स्व बाबूलाल (PRADEEPKUMAR BABULAL S/O LATE BABULAL) जाति डूमार निवासी हूं वार्ड नं 03 बैहर रोड जामा मस्जिद के नीचे शितला मंदिर के पास पनघरे निवास बालाघाट तह. बालाघाट जिला बालाघाट पिन 481001 मध्य प्रदेश मो. 9179705010 उपरोक्त वर्णित स्थान का निवासी हूं ।

मैं दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे सेक्शन इंजीनियर (कार्य) नैनपुर SSE/W/NIR में टेक्नीशियन (फिटर) के पद पर नैनपुर के अधिनस्थ बालाघाट में कार्यरत हूं और मेरा पी. एफ. न. 39500850302 है मेरा वर्तमान सेवारत अभिलेखों में मेरा नाम प्रदीपकुमार बाबूलाल पिता स्व- बाबूलाल (PRADEEPKUMAR BABULAL S/O LATE BABULAL) दर्ज चला आ रहा है तथा मेरे परिवार के सदस्यों में क्रमशः माता - तारा बाई पनघरे , पत्नी - ममता पनघरे , पुत्र - नमन पनघरे , पुत्री - कु. मोनाल पनघरे , नाम दर्ज परिवार सदस्य है ।

मेरे परिवार तथा जाति समाज की वंशावली के अनुसार जाति डूमार वंशानुगत उपनाम पनघरे (PANGHARE) से जाना पहचाना जाता हूं और परिवार सदस्यों के नाम के अंतिम नाम पनघरे (PANGHARE) है मैं अपने सेवा अभिलेखों में अंतिम नाम पनघरे (PANGHARE) इस प्रकार जुड़वाना चाहता हूं वर्तमान में सेवा अभिलेखों में प्रदीपकुमार बाबूलाल पिता स्व- बाबूलाल (PRADEEPKUMAR BABULAL S/O LATE BABULAL) है

सही नाम प्रदीप कुमार पनघरे पिता स्व- बाबूलाल पनघरे (PRADEEP KUMAR PANGHARE S/O LATE BABULAL PANGHARE)

प्रेषक- **P.K.Panghare**

आवश्यकता है

बालाघाट ऑफिस हेतु कम्प्यूटर में मेल, चैटजीपीटी आदि की जानकारी वाले ही जिनकी उम्र 28 से 35 वर्ष तक हो ।

मो. 9479309233

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

-निर्माता-

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
रविवार 12 अप्रैल 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

जमीन विवाद में हत्या- पति-पत्नी, बेटे और बेटी को उम्रकैद की सजा- 2लाख 28 हजार रुपयेअर्थदंड

अपर सत्र न्यायाधीश सुरेंद्र सिंह गुर्जर की अदालत का फैसला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के गढ़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जोड़ा हर्रा अमरई में वर्ष 2022 में हुए हत्या के सनसनीखेज मामले में अदालत ने चार आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अपर सत्र न्यायालय बैहर के विद्वान अपर सत्र न्यायाधीश सुरेंद्र सिंह गुर्जर ने आरोपी सुधराम यादव (48), उसकी पत्नी तिहारो बाई यादव (40), बेटे विजेंद्र यादव (26) ग्राम जामटोला गढ़ी तथा बेटी अन्नू उर्फ अनुपा (23) आमगांव भाटी, थाना बैहर निवासी को दोषी ठहराते हुए उम्रकैद और प्रत्येक पर 57-57 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है। इस मामले में शासन की ओर से अपर लोक अभियोजक अशोक कुमार वाट द्वारा पैरवी की गई थी।

जमीन विवाद बना हत्या की वजह

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक सोमलाल करायत की पुश्तैनी जमीन ग्राम जोड़ा हर्रा अमरई में स्थित थी। जिसकी सीमाएं सुधराम यादव और खेमराज मरावी की जमीन से लगी हुई थीं। जमीन की नपाई को लेकर दोनों पक्षों में लंबे समय से विवाद चल रहा था। 24 मार्च 2022 को राजस्व अमला (आरआई एवं पटवारी) द्वारा जमीन की नपाई की जा रही थी। इसी दौरान सोमलाल भी मौके पर मौजूद थे। सुधराम यादव को यह भ्रम हुआ कि सोमलाल की जमीन के कारण उसका विवाद समाप्त नहीं हो पा रहा है।

सुधराम ने परिवार के साथ किया था हमला

इसी बात को लेकर सुधराम यादव ने अपनी पत्नी, बेटे और अन्य परिजनों के साथ मिलकर सोमलाल पर हमला कर दिया। आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए लाठी और कुल्हाड़ी से वार किया, जिससे सोमलाल जमीन पर गिर पड़े। इसके बाद तिहारो बाई ने चाकू से उनका गला रेत दिया।घटना के दौरान बीच-बचाव करने पहुंचे मृतक के बेटे प्रताप सिंह और बेटी मनौता बाई के साथ भी मारपीट की गई और उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई। वारदात के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल सोमलाल को तत्काल बैहर अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

कानूनी कार्रवाई और फैसला

मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 302, 148, 149, 323, 294, 506 तथा आयुध अधिनियम की धारा 25 के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच की। विवेचना के दौरान सुधराम यादव, विजेंद्र यादव, तिहारो बाई और अनुपा को गिरफ्तार कर न्यायालय में चालान पेश किया गया। वहीं, घटना में शामिल दो नाबालिग उषा और सरिताके खिलाफ मामला किशोर न्याय बोर्ड बालाघाट में प्रस्तुत किया गया था। अदालत ने साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर चारों आरोपियों को दोषी पाते हुए उम्र कैद की कठोर सजा सुनाई। यह फैसला क्षेत्र में चर्चित इस हत्याकांड में न्याय की महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

भटेरा रेलवे ओवरब्रिज निर्माण को लेकर मुआवजे पर विवाद

कम मुआवजा मिलने से नाराज वार्डवासी, विधायक अनुभा मुंजारे ने दिया न्याय दिलाने का आश्वासन

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

शहर के भटेरा क्षेत्र में रेलवे क्रॉसिंग पर बन रहे ओवरब्रिज के लिए भूमि अधिग्रहण के मुआवजे को लेकर वार्डवासियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। प्रभावित लोगों का आरोप है कि उनकी जमीनों का सही मूल्यांकन नहीं किया गया है और मुआवजा राशि भी एक समान नहीं दी जा रही है, जिससे लोगों में असंतोष का माहौल है। इन्हीं समस्याओं को लेकर 11 अप्रैल को बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे भटेरा पहुंचीं और वार्डवासियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे, जिन्होंने मुआवजे में हो रही असमानता और कम मूल्यांकन को लेकर अपनी नाराजगी व्यक्त की। वार्डवासियों का कहना है कि विभाग द्वारा तय की गई मुआवजा राशि बाजार मूल्य के अनुरूप नहीं है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने मांग की है कि जमीन का पुनर्मूल्यांकन कर उचित मुआवजा दिया जाए। विधायक अनुभा मुंजारे ने वार्डवासियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि वे इस मुद्दे पर कलेक्टर एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों से चर्चा करेंगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्रभावित लोगों को न्यायोचित मुआवजा दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। भटेरा रेलवे क्रॉसिंग पर प्रस्तावित ओवरब्रिज निर्माण को लेकर

विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। पहले जहां भू-अधिग्रहण प्रक्रिया को लेकर वार्डवासियों ने आपत्ति जताई थी, वहीं अब मुआवजा वितरण में असमानता को लेकर स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। वार्डवासियों का आरोप है कि एक ही क्षेत्र में स्थित मकानों और दुकानों के लिए अलग-अलग मुआवजा राशि तय की जा रही है, जो पूरी तरह अनुचित है। उनका कहना है कि जब दोनों वार्ड नगर पालिका क्षेत्र में आते हैं और सभी लोग एक समान कर (टैक्स) का भुगतान करते हैं, तो फिर मुआवजा निर्धारण में इस तरह का भेदभाव क्यों किया जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार वार्ड क्रमांक 11 को ग्रामीण क्षेत्र मानते हुए लगभग 1100 रुपए प्रति वर्गफीट की दर से मुआवजा तय किया गया है, जबकि उससे सटे वार्ड क्रमांक 10 को शहरी क्षेत्र मानकर 2200 रुपए प्रति वर्गफीट के हिसाब से मुआवजा दिया जा रहा है। इस अंतर को लेकर लोगों ने सवाल उठाते हुए इसे सीधा अन्याय करार दिया है। इसी मुद्दे को लेकर वार्डवासियों ने बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे से शिकायत की। शनिवार 11 अप्रैल की शाम विधायक स्वयं भटेरा क्षेत्र पहुंचीं और स्थानीय निवासियों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं। विधायक अनुभा मुंजारे ने मीडिया से चर्चा में कहा कि उन्हें लगातार मुआवजे में भेदभाव की शिकायतें मिल रही थीं, जिसके बाद वे मौके पर पहुंची हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि प्रथम दृष्टया मुआवजा वितरण में असमानता नजर आ रही है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में पहले जिला कलेक्टर से और संबंधित विभाग के अधिकारियों से चर्चा की जाएगी, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि अलग-अलग दरों से मुआवजा क्यों दिया जा रहा है। विधायक ने यह भी आश्वासन दिया कि किसी भी वार्डवासी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा और सभी को समान व उचित मुआवजा दिलाने के लिए वे पूरी तरह उनके साथ खड़ी हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि एक ही क्षेत्र में स्थित दो मकानों के लिए अलग-अलग श्रेणी के आधार पर मुआवजा तय करना कैसे संभव है। इस पूरे मामले में पारदर्शिता लाने और उचित समाधान निकालने के लिए विभागीय स्तर पर जल्द कार्रवाई की बात कही गई है।

महिला अत्याचारों पर लगाई जाए रोक, हो जल्द वैधानिक कार्यवाही

जिला कांग्रेस महिला उत्पीड़न निवारण प्रकोष्ठ ने सौपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले सहित सम्पूर्ण प्रदेश में महिलाओं के विरुद्ध बढ़ते अत्याचार, अन्याय एवं असुरक्षा की घटनाओं पर संज्ञान लेते हुए इन घटनाओं पर त्वरित व कठोर कार्यवाही किए जाने की मांग जिला कांग्रेस महिला उत्पीड़न निवारण प्रकोष्ठ द्वारा की गई है।जिन्होंने अपनी इन्ही मांग को लेकर एसपी आदित्य मिश्रा से मुलाकात कर उन्हें एक ज्ञापन सौपते हुए,महिलाओ को इंसाफ दिलाने की गुहार लगाई है।ज्ञापन को लेकर जिला कांग्रेस महिला उत्पीड़न निवारण प्रकोष्ठ अध्यक्ष मधु गजबीए ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी,प्रदेश कांग्रेस प्रकोष्ठ प्रभारी महेंद्र सिंह चौहान,एंव महिला उत्पीड़न निवारण प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष प्रियंका किरार के निर्देशन पर आज सम्पूर्ण प्रदेश के जिला मुख्यालयो में यह ज्ञापन सौपा गया है।उन्होंने बताया कि विगत समय से प्रदेश एवं जिले में महिलाओं के विरुद्ध घरेलू हिंसा, छेड़छाड़, दुष्कर्म, दहेज उत्पीड़न एवं साइबर अपराध की घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि हुई है। इन घटनाओं के कारण महिलाओं में भय और असुरक्षा का वातावरण बन रहा है।जिसके चलते प्रकोष्ठ द्वारा 5 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौपा गया है जिंसमे महिलाओं से संबंधित सभी लंबित मामलों का फास्ट ट्रैक कोर्ट में निपटारा करने, पीड़िता को शीघ्र न्याय दिलाने, संवेदनशील इलाकों, स्कूल-कॉलेज, बस स्टैंड व बाजारों में पुलिस गश्त बढाकर इन जगहों में महिला पुलिस की तैनाती करने, महिला हेल्पलाइन 1091, 181 एवं 112 को 24×7 को पूरी तरह सक्रिय व जवाबदेह बनाने,गाँव-गाँव में आत्मरक्षा प्रशिक्षण, कानूनी अधिकारों की जानकारी देने, गुड टच बैड टच पर नियमित कार्यशाला आयोजित करने, और आरोप सिद्ध होने पर दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाना सुनिश्चित कराने सहित अन्य मांगो को लेकर ज्ञापन सौपा गया है। ताकि समाज में एक कड़ा संदेश जाए।हमें पूर्ण विश्वास है कि इस गंभीर विषय पर तत्काल संज्ञान लेकर प्रभावी कदम उठाए जाएगे और महिलाओं को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने में सहयोग करेंगे।ज्ञापन सौपने के दौरान जिला कांग्रेस महिला उत्पीड़न निवारण प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष ,ब्लाक अध्यक्ष पूजा गोस्वामी,दीक्षा बुरडे, रीतू बुरडे,अनपुम, महक,लक्ष्मी वघाड़े,रीना गुरुण, निशा चौहान, सहित महिला प्रकोष्ठ की अन्य पदाधिकारी सदस्य व अन्य महिलाए प्रमुख रूप से उपस्थित रही।

सामूहिक विवाह समारोह में 100 जोड़े बंधे वैवाहिक बंधन में, निकाली गयी बारात

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर पालिका बालाघाट द्वारा 11 अप्रैल को मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना के अंतर्गत विवाह समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शहर के तुरकर भवन में संपन्न हुआ, जहां लगभग 100 वर-वधु जोड़ों का सामूहिक रूप से विवाह कराया गया। कार्यक्रम में विवाह की सभी पारंपरिक रस्में विधि-विधान से संपन्न कराई गईं। नवविवाहित जोड़ों ने सात फेरे लेकर अपने नए जीवन की शुरुआत की। इस दौरान पूरे परिसर में उत्सव जैसा माहौल बना रहा। समारोह में नगर पालिका के जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी तथा वर-वधुओं के परिजन बड़ी संख्या में मौजूद रहे। सभी ने नवदंपत्तियों को आशीर्वाद देकर उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की। नगर पालिका के अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के परिवारों को सहयोग प्रदान करना है, ताकि बेटियों का विवाह सम्मानपूर्वक संपन्न कराया जा सके। यह आयोजन सामाजिक समरसता और सहयोग की भावना का भी प्रतीक बना, जिसमें एक ही मंच पर कई जोड़ों का विवाह संपन्न कर समाज को एक सकारात्मक संदेश दिया गया। प्रदेश शासन की जनकल्याणकारी योजना के अंतर्गत 11 अप्रैल को नगर में मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। स्थानीय भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में नगर पालिका के प्रयासों से करीब 100 जोड़ों का विवाह पूरे विधि-विधान और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न कराया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दूल्हों की पारंपरिक बारात से हुई, जिसने पूरे आयोजन को उत्सवमय बना दिया। दोपहर करीब 2 बजे मरारमाली भवन (पानी टंकी, बूढ़ी क्षेत्र) से नगर पालिका द्वारा बारात निकाली गई, जिसमें दूल्हे सजे-धजे परिधानों में डीजे और धुमाल की धुन पर थिरकते हुए शामिल हुए। यह बारात जय स्तंभ चौक, अंबेडकर चौक सहित शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई विवाह स्थल तक पहुंची। रास्ते भर नागरिकों ने बारात का स्वागत किया और इस अनोखे आयोजन को देखने के लिए उत्साह का माहौल बना रहा। विवाह स्थल पहुंचने के बाद वैवाहिक कार्यक्रम विधिवत रूप से प्रारंभ हुआ। पंडितों के मंत्रोच्चार के बीच सभी जोड़ों ने सात फेरे लेकर जीवनभर साथ निभाने का संकल्प लिया। नगर पालिका द्वारा मंच, मंडप, भोजन सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित ढंग से की गई थीं, जिससे कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंच पर उपस्थित अतिथियों ने शासन की इस योजना की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए अत्यंत लाभकारी है। इससे जहां विवाह जैसे महत्वपूर्ण संस्कार को सरल बनाया जा रहा है, वहीं समाज में एकता और सामूहिकता को भी बढ़ावा मिल रहा है। कार्यक्रम के अंत में सभी नवविवाहित जोड़ों को शासन की ओर से 49 हजार रुपये की आर्थिक सहायता के चेक प्रदान किए गए, जिससे वे अपने नए जीवन की शुरुआत सशक्त रूप से कर सकें। आयोजन में विभिन्न समाजों की सहभागिता भी देखने को मिली, जिसमें 85 जोड़े हिंदू धर्म, 5 जोड़े बौद्ध समाज और 10 जोड़े आदिवासी समाज से शामिल हुए। समारोह में पूर्व मंत्री रामकिशोर कावरे, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा बिसेन, नगर पालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर, उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश सहित कई जनप्रतिनिधि, पार्षद और नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

मैं नहीं जी सकती ऐसे लोगों के बीच, जा रही हुँ बाय

नव विवाहिता की मौत वाले मामले में आया नया मोड़

मौत से पहले प्रशांति ने बनाया वीडियो, सास पर लगाया मारपीट का आरोप

दो वीडियो में प्रशांति ने बताई प्रताड़ना की दास्तां

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। ग्रामीण थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम नवेगांव में शुक्रवार की सुबह एक नव विवाहिता की मौत का मामला सामने आया था।उस मामले में जहां एक ओर मायके पक्ष के लोगों ने हंगामा मचाते हुए, ससुराल पक्ष पर, प्रताड़ित करके नव विवाहिता प्रशांति की हत्या किए जाने का आरोप लगाया था, तो वही ससुराल पक्ष द्वारा स्वयं फांसी के फंदे पर झूलकर प्रशांति द्वारा आत्महत्या किए जाने की बात कही गई थी। अब इसी मामले में एक नया मोड़ सामने आया है। जहां मौत से पहले प्रशांति द्वारा बनाए गए दो वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं।जिसमें प्रशांति द्वारा सास पर मारपीट करने का आरोप लगाया गया है,तो वही प्रशांति ने ऐसे लोगों के साथ ना रहने की बात भी कही है, हालांकि शोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो की पदमेश न्यूज़ या बालाघाट एक्सप्रेस पुष्टि नहीं करता है, लेकिन वायरल हो रहा है यह वीडियो प्रशांति की मौत के पहले का बताया गया है।जिसकी जांच नवेगांव पुलिस द्वारा शुरू कर दी गई है।

मैं नही जी सकती ऐसे लोगों के बीच

बताया गया कि वायरल हो रहे वीडियो में कथित तौर पर प्रशांती यह कहते हुए दिखाई दे रही है कि मेरी सास बहुत परेशान करती है, कपड़ो से लेकर हर चीज में परेशान करती है, जब मैं आठ महिने की प्रेग्नेंट थी, तब भी मारने दौड़ी थी। मैं नही जी सकती ऐसे लोगों के बीच। मैं नही जी पाउंगी। मेरी शरीर पर जो खरोंचे है, मुझे सास ने मारी है। इस बात का उल्लेख किया गया है वायरल वीडियो के बारे में कहा जा रहा है कि प्रशांति ने अपनी मौत के पहले बनाया है। जिसमें वह बहते आंसुओ के साथ सास की प्रताड़ना को बयां कर रही है।जिसके आत्महत्या से पूर्व मोबाईल में बनाए गए दो वीडियो, शनिवार को सामने आए है। जिसमें उसे प्रताड़ित किए जाने की बात सामने आ रही है।

मैं सुसाईड करने जा रही हुं, मैं नही जी सकती

उधर 56 सेकंड के मोबाईल में रिकॉर्ड दूसरे वीडियो में कथित तौर पर प्रशांति कह रही है कि मैं बहुत परेशान हुं, मेरी सास ने मारा है, मुझे बहुत प्रताड़ित करते है, मेरे पास पहले के सूट रखे थे, आने-जाने के, उसे पहनने निकाली थी। तो सास मुझे परेशान करने लगी कि मेरे बेटे के पैसे उड़ाती है, मेरे बेटे को परेशान करती है, मैं सुसाईड करने जा रही हुं, मैं नही जी सकती ,अब, चार साल होने को आया मेरी शादी को लेकिन मुझे, इन्होंने हर समय परेशान किए। जा रही हुं बाय।यह वीडियो प्रशांति ने मासुम बेटी को गोद में लेकर बनाया है। जिससे पता चलता कि प्रशांति कितनी परेशान थी।

पुलिस की मौजूदगी में कराया गया था अंतिम संस्कार

आपको बताएं कि शुक्रवार को प्रशांति की मौत पर जिला अस्पताल में मायके पक्ष के लोगों ने मामले को लेकर जमकर हंगामा मचाया था, जहां उन्होंने पति ललित राणा और सास द्वारा सोने चांदी के जेवरात पैसा गाड़ी व दहेज के लिए प्रताड़ित करने की बात कहते हुए ससुराल पक्ष द्वारा प्रशांति की हत्या किए जाने का आरोप लगाया था। इसी बात को लेकर मचे हंगामा के बीच के, प्रशांति को जिस कार में जिला अस्पताल लाया गया था, उसमें मायके पक्ष के लोगो द्वारा तोड़फोड़ की थी, तो वही पति ललित राणा को भी मारपीट कर घायल कर दिया था।उधर वरिष्ठ अधिकारियों और पुलिस ने मोर्चा संभालते हुए शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों को सौप दिया था।वही अंतिम संस्कार के समय किसी प्रकार की अप्रिय घटना ना घटे इसीलिए पुलिस की मौजूदगी में मायके और ससुराल पक्ष के लोगों की उपस्थिति में अंतिम संस्कार कराया गया था

बयान के बाद की जाएगी अग्रिम कार्यवाही- तिवारी

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान सीएसपी मयंक तिवारी ने बताया कि मामले में परिजनो के बयान दर्ज किए जा रहे है, जिसके बाद मामले में प्रकरण दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

कोहकाडीबर बलवा कांड

पूर्व सरपंच आतिश पर जानलेवा हमला करने का आरोप 9 नामजद आरोपी फरार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा थाना क्षेत्र ग्राम कोहकाडीबर में हुए बहुचर्चित बलवा कांड में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व सरपंच आतिश लिल्हारे की हत्या की कोशिश के मामले में 9 नामजद आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है। फिलहाल सभी आरोपी फरार बताए जा रहे हैं और पुलिस उनकी तलाश में जुटी हुई है।

शादी समारोह के बाद हुआ खूनी हमला

घटना 17 अप्रैल की रात की है।जब गांव में एक शादी समारोह के दौरान जमुना प्रसाद बिरनवार के साथ मारपीट की खबर मिली। सूचना मिलते ही आतिश लिल्हारे अपने साथियों शिवचरण नगपुरे और विक्की पिछोड़े के साथ मौके पर पहुंचे। जमुना प्रसाद को सुरक्षित घर छोड़ने के बाद जब वे लौट रहे थे, तभी घात लगाए हमलावरों ने उन पर अचानक हमला कर दिया।हमलावरों ने लाठी और तलवार से ताबड़तोड़ हमला किया, जिसमें आतिश लिल्हारे और जमुना प्रसाद बिरनवार गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं शिवचरण नगपुरे और विक्की पिछोड़े को मामूली चोटें आईं।

गोंदिया में चल रहा इलाज

गंभीर रूप से घायल आतिश लिल्हारेऔर जमुना प्रसाद बिरनवार को पहले बालाघाट के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।जहां से हालत गंभीर होने पर उन्हें गोंदिया के एक निजी अस्पताल में रेफर किया गया। वर्तमान में दोनों का इलाज जारी है। हट्टा पुलिस ने गोंदिया पहुंचकर आतिश लिल्हारे के बयान भी दर्ज किए हैं।

इन आरोपियों पर दर्ज हुआ मामला

हट्टा पुलिस ने इस मामले में हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं के तहत आरोपियों पर अपराध दर्ज किया है। इस आरोपीयो में चिमनलाल बिरनवार, राजू बिरनवार, गुड्डु बिरनवार, राजेंद्र मसकरे, शैलेंद्र मसकरे, महेश पिछोड़े, सीताराम मसकरे, सीताराम जामरे और योगेश बिसेन शामिल है।इन सभी पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 109, 191(2), 191(3), 190, 115(2) और 351(3) के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

राजनीतिक रंजिश की आशंका

बताया जा रहा है कि आतिश लिल्हारे पूर्व में गांव के सरपंच रह चुके हैं, जबकि वर्तमान में उनकी पत्नी लक्ष्मी लिल्हारे सरपंच हैं। गांव में कुछ लोगों के साथ उनकी राजनीतिक रंजिश भी सामने आ रही है। जिसे इस हमले की संभावित वजह माना जा रहा है।हट्टा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार किए जाने की संभावना जताई जा रही है।

जनपद उपाध्यक्ष और सैकड़ों किसानों ने थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट डालने वालों पर कार्यवाही करने की मांग की

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय स्थित थाना परिसर में शनिवार को उस समय गहमागहमी का माहौल निर्मित हो गया जब जनपद पंचायत उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल बड़ी संख्या में क्षेत्रीय किसानों के साथ थाना पहुंचे। वहीं किसानों के साथ थाना प्रभारी को एक लिखित ज्ञापन सौंपकर सोशल मीडिया पर उनके विरूध्द सोशल मीडिया में भ्रामक पोस्ट करने वालों पर कार्यवाही करने की मांग की है।

ज्ञापन के माध्यम से शिकायकर्ताओं ने बताया गया कि पिछले कुछ दिनों से व्हाट्सएप और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल की छवि धूमिल करने के उद्देश्य से भ्रामक संदेश प्रसारित किये जा रहे हैं। इन पोस्टों में आरोप लगाया गया था कि उपाध्यक्ष सिंचाई विभाग से मिलीभगत कर चांवरपानी जलाशय का पानी अवैध रूप से केवल अपने खेतों में ले जा रहे हैं। वहीं किसानों ने पुलिस को बताया कि यह सूचना पूरी तरह गलत और राजनीति से प्रेरित है। हकीकत में उपाध्यक्ष ने उन किसानों की मदद की थी जिनकी रबी धान की फसल पानी के अभाव में सूख रही थी और श्री पालीवाल पर लगाये गये आरोप निराधार हैं। वहीं किसान मदन गोपाल राणा और ओमेश्वर बिसेन ने संयुक्त रूप से बताया कि फसलें अंतिम चरण में हैं और उन्हें पानी की आवश्यकता है, उपाध्यक्ष के प्रयास से ही प्रशासन ने जलाशय से पानी छोड़ने की अनुमति दी थी। जिससे दर्जनों किसानों को लाभ हुआ है, न कि केवल किसी एक व्यक्ति को इसलिए हमारी मांग है कि फसल में सिंचाई के लिए चांवरपानी जलाशय का पानी नहर में छोड़ा जाये ताकि फसल में सिंचाई कर सके। इस दौरान जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल, सुनीलकुमार कटरे, अशोक बिसेन, निरंजन बावने, राजेंद्र भोयर, गोरेलाल पटले, रविशंकर पटले, प्रकाश पंचेश्वर, घनश्याम रहांगडाले, मोतीलाल हनवत, हेमराज ठाकरे सहित मौसमी, धारावासी और देवगांव के बडी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

मेरे पास सिंचाई के पर्याप्त निजी साधन हैं - पालीवाल

जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल ने बताया कि माँ गंगा के आशीर्वाद से मेरे पास खेतों में सिंचाई के लिए पर्याप्त निजी साधन है और कुछ लोगों के द्वारा मुझे बदनाम करने के लिए यह एक राजनीतिक षड्यंत्र रचा जा रहा है। मैंने हमेशा किसान हित में काम किया है। मार्च-अप्रैल के पहले किसी भी प्रकार की नमी वहां की ख़त्म नहीं होती, ऐसी परिस्थिति में वहां के जो किसान रबी फ़सल में धान लगाता है किसानों ने मुझसे मदद मांगी थी, जिसके बाद सार्वजनिक हित में प्रशासन से चर्चा कर चांवरपानी जलाशय का पानी नहर में छुड़वाया गया था। श्री पालीवाल ने बताया कि जलाशय में वर्तमान में 11 से 12 फीट पानी उपलब्ध है, यदि किसानों को एक-दो बार पानी दिया भी जाता है, तब भी जलाशय में पर्याप्त जल संचय बना रहेगा। उच्च अधिकारियों से मांग है कि वे नियमों के साथ-साथ किसानों की मानवीय संवेदनाओं और उनकी मेहनत को भी प्राथमिकता दें।

कलेक्टर और पूर्व मंत्रियों के हस्तक्षेप से शुरू हुआ काम - नीरज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। क्षेत्रीय विकास कार्यों को लेकर श्रेय लेने की राजनीति अब गरमाने लगी है। नाली और बॉक्स कल्वर्ट निर्माण की समस्या को लेकर लंबे समय से संघर्ष कर रहे स्थानीय निवासी नीरज पसीने एवं अन्य लोगों ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान में हो रहा नाली निर्माण

किसी विधायक या सरपंच के प्रयास का परिणाम नहीं, बल्कि जिला प्रशासन और पूर्व केबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन, रामकिशोर कावरे के कड़े निर्देशों का परिणाम है। जिसकी जानकारी विश्राम गृह में शनिवार को प्रेसवर्ता आयोजित कर दी गई। चर्चा में नीरज पशीने ने बताया कि नाली की समस्या को लेकर गत दिवस जिला कलेक्टर को लिखित शिकायत की गई थी। जिसके साथ ही पूर्व केबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन, भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे को वस्तुस्थिति से अवगत करवाया गया था और इन वरिष्ठ नेताओं ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल संबंधित विभाग के उ%चाधिकारियों से चर्चा की। जिसके बाद ही निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ है। साथ ही यह भी बताया कि विधायक व सरपंच दोनों को भली-भांति जानकारी है कि मैं बॉक्स कल्वर्ट और नाली की समस्या के लिए लगातार आवाज उठा रहा हूँ। यदि वे वास्तव में जनहित चाहते, तो यह समस्या पहले ही हल हो जाती और विवाद की स्थिति निर्मित ही नहीं होती। अब काम शुरू होने पर इसका श्रेय लेना पूरी तरह से गलत है। आगे बताया कि नाली निर्माण के लिए अलग से कोई राशि आबंटित नही की गई है। मुख्य सड़क निर्माण के बजट और कार्ययोजना में ही इस कार्य को जोड़ा जा रहा है और प्रशासन से मांग है कि निर्माण कार्य की जांच कर गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य करवाये।

कामथी पूर्व सरपंच प्रति. भागचंद पटले ने पंचायत को भेंट किया बॉडी फ्रिजर

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। समाज सेवा और पूर्वजों के प्रति स%ची श्रध्दा का एक अनुपम उदाहरण ग्राम पंचायत कामथी में देखने को मिला है। यहां के पूर्व सरपंच प्रति. भागचंद पटले ने अपने पूजनीय माता-पिता की स्मृति में गांव को एक बॉडी रेफ्रिजरेटर (फ्रिजर) दान कर मानवता की मिसाल पेश की है। कामथी पूर्व सरपंच भागचंद पटले ने बताया कि उनके पिता स्व. पुरनलाल जी पटले एवं माता स्व. भोलनबाई पटले ने उन्हें सदैव परोपकार और जनसेवा के संस्कार दिये है। उन्हीं की पावन स्मृति को जीवंत रखने के लिए उन्होंने यह निर्णय लिया। अक्सर देखा जाता है कि परिवार में किसी दु:खद निधन के उपरांत परिजनों के आने तक या अंतिम संस्कार की तैयारी के समय पार्थिव देह को सुरक्षित रखने में ग्रामीणों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। अब इस फ्रिजर की उपलब्धता से समूचे गाँव को बड़ी राहत मिलेगी। श्री पटले ने भावुक होते हुए बताया कि हमारा मानना है कि स%ची श्रध्दांजली वही है, जो समाज के हर व्यक्ति के काम आये, समाज की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। इसी सोच के साथ यह डेड बॉडी रेफ्रिजरेटर ग्राम पंचायत को समर्पित किया गया है, ताकि हर ग्रामवासी इसका नि:शुल्क लाभ ले सके। वहीं पटले परिवार की इस नि:स्वार्थ सेवा भावना की ग्रामीणों ने प्रशंसा की है। ग्रामवासियों का कहना है कि यह केवल एक उपकरण नहीं, बल्कि दु:ख की घड़ी में एक बड़ा संबल है। श्री पटले ने भविष्य में भी गांव के विकास और जनहित के कार्यों में सदैव तत्पर रहने का संकल्प दोहराया है। ग्राम पंचायत कामथी क़ो बॉडी फ्रिजर भेंट करने के दौरान जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे, कांग्रेस अध्यक्ष खमरिया दमनसिंह रहांगडाले, जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष लक्ष्मी वाघाड़े, सरपंच साहेबलाल देशमुख, जनपद सदस्य प्रति. वेदराम रहांगडाले, पूर्व जनपद सदस्य शर्मिला बोरकर, पूर्व सरपंच डिलेश्वरी पटले, अनुराग परिहार, ढालसिंह रहांगडाले, नारायण बिसेन, दिनेश चौहान, गुलाब चौधरी, नरेंद्र बिसेन, टेकचंद पटले, भक्तराज पटले, रामभरोष शरणागत, भागुलाल शरणागत सहित बड़ी संख्या में परिवारजन व नाते रिश्तेदार मौजूद रहे।

समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबाराव फुले की हर्षोल्लास के साथ मनाई गई जयंती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर मुख्यालय के हाई स्कूल मार्ग पर स्थित महात्मा ज्योतिबाराव फुले प्रतिमा स्थल पर फुले, बिरसा, डॉ. अंबेडकर संयुक्त जयंती समारोह लालबर्रा के द्वारा 11 अप्रैल को महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबाराव फुले की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर फुले, बिरसा डॉ अंबेडकर संयुक्त जयंती समारोह के पदाधिकारी एवं मरार माली समाज के प्रतिनिधियों और ज्योतिबाराव फुले के अनुयायियों ने बड़ी संख्या में एकत्रित होकर प्रतिमा स्थल पर पूजन-अर्चन किया और उनके द्वारा बताये गये सामाजिक समरसता के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरान सुबह से ही अनुयायी हाई स्कूल मार्ग स्थित महात्मा फुले की प्रतिमा पर एकत्रित होने लगे थे। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। उपस्थित जनसमूह ने महात्मा फुले की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रध्दांजलि दी। समाज के वरिष्ठजनों ने महात्मा फुले के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महात्मा फुले केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विचार थे जिन्होंने समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के उत्थान के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। वहीं कार्यक्रम में उपस्थित अन्य वक्ताओं ने कहा कि महापुरूषों को सच्ची श्रध्दांजली तभी अर्पित होती है जब हम उनके बताये मार्गों पर चलकर समाज को नई दिशा दें। महात्मा ज्योतिबा फुले ने शिक्षा और समानता का जो दीप जलाया था, उसे आज हर घर तक पहुंचाने की आवश्यकता है। कुरीतियों को समाप्त कर मानवता के आधार पर समाज का निर्माण करना ही हमारा मुख्य ध्येय होना चाहिए। चर्चा में सामाजिक पदाधिकारियों ने बताया कि आज क्रांतिकारी समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबाराव फुले की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई है और ज्योतिबाराव फुले एक क्रांतिकारी समाज सुधारक थे, जिन्होने शिक्षा के क्षेत्र में जो अलख जगाई, उसी का परिणाम है कि आज समाज का हर वर्ग मुख्यधारा से जुड़ पा रहा है। साथ ही आगामी 14 अप्रैल को संविधान निर्माता डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर एवं महात्मा ज्योतिबा फुले की संयुक्त जयंती भव्य रूप से मनाई जायेगी। इस दिन नगर में विशाल चल समारोह और विचार गोष्ठी का आयोजन किया जायेगा।

प्रस्तावित भवन स्थल पहुंचकर भवन की संरचना पर की गई चर्चा

महात्मा ज्योतिबाराव फुले की जयंती कार्यक्रम संपन्न होने के बाद मरार माली समाज के पदाधिकारी मानपुर स्थित सामाजिक भवन प्रस्तावित स्थल पहुंचे और भवन की संरचना हेतु आपसी चर्चा की और इंजीनियर को बुलाकर ड्राइंग नक्शा तैयार करने कहा गया है। ताकि सामाजिक भवन का निर्माण कार्य प्रारंभ जल्द कर सके। इस जयंती के अवसर पर मरार माली समाज ब्लाक अध्यक्ष कैलाश मात्ते, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष ओ. पी. बाहेश्वर, आर. एल. मानेश्वर, श्यामलाल पंचेश्वर, कोमल पंचेश्वर, पूर्व कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर, वरिष्ठ समाजसेवी शिवचरण मात्ते, उपाध्यक्ष श्रीराम नागेश्वर, सचिव डोंगरूलाल मानेश्वर, कोषाध्यक्ष देवीशंकर बिसेन, सहसचिव पवन सिंगरे, लक्ष्मीचंद पंचेश्वर, संगठन मंत्री मुकेश देशमुख, संतोष पंचेश्वर सरपंच, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष ज्ञानेश्वरी गाड़ेश्वर, प्रवक्ता टीकाराम माने, सर्किल अध्यक्ष डॉ. सुदामा बाहेश्वर, सचिन पंचेश्वर, दीपचंद कावरे, सुनील बाहेश्वर शिक्षक, सादेलाल नागेश्वर शिक्षक, आर.सी.बरले शिक्षक, श्रीमती सरोज देशमुख शिक्षिका, श्रीमती सरिता बाहेश्वर, श्रीमती सुप्रभा बरले, श्रीमती रश्मि पंचेश्वर, सर्व संगठन समाज के प्रमुखजनों में अध्यक्ष झंकारसिंह उइके, एल.आर. रंगारे प्राचार्य, बाबूराव डोंगरे शिक्षक, देवानंद बोरकर, प्रमोद चौहान, ताराचंद कावड़े, श्री डोंगरे, जितेंद्र डोंगरे सहित बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता समाप्त करने एवं नियुक्ति दिनांक से सेवा अवधि गणना की उठी मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा लालबर्रा के द्वारा गुरूवार को नगर मुख्यालय स्थित माँ सरस्वती मंच में एक र्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में बड़ी संख्या में क्षेत्र के शिक्षक और शिक्षिकाएं अपनी लंबित मांगों को लेकर एकत्रित हुए और विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा कर सभा आयोजित की गई। जिसके बाद सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं रैली निकालकर तहसील कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता को समाप्त करने एवं नियुक्ति दिनांक से सेवा अधिक गणना की मांग की एवं उक्त मांगे पूरी नही होने पर आगामी समय में आंदोलन करने की शासन-प्रशासन को चेतावनी दी है। वहीं बैठक व सभा को संबोधित करते हुए अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के महत्वपूर्ण पदाधिकारियों ने शासन द्वारा शिक्षकों पर थोपी गई शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता पर कड़ा विरोध दर्ज करवाया। वहीं शिक्षकों का कहना है कि वे लंबे समय से अपनी सेवाएं दे रहे हैं, ऐसे में उन पर पुन: पात्रता परीक्षा का नियम लागू करना उनके भविष्य और सम्मान के साथ खिलवाड़ है और सभी ने सरकार से मांग की है कि इस अव्यवहारिक नियम को तत्काल प्रभाव से समाप्त किया जाना चाहिए। वहीं शिक्षकों की मांग है कि शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा की बाध्यता को पूरी तरह खत्म किया जाये, शिक्षकों की सेवा अवधि की गणना उनकी प्रथम नियुक्ति दिनांक से की जाये ताकि उन्हें क्रमोन्नति और अन्य सेवा लाभ समय पर मिल सके। साथ ही यह भी कहा कि हम वर्षों से शिक्षा विभाग में काम कर रहे है, शासन को चाहिए कि वह हमारे अनुभव का सम्मान करे और नियुक्ति दिनांक से ही हमारी वरिष्ठता मान्य करे। चर्चा में अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा जिला सहसंयोजक लक्ष्मीचंद ठाकरे ने बताया कि सरकार के द्वारा शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा के संबंध में आदेश जारी किया है। जिसका विरोध शिक्षकों के द्वारा किया जा रहा है क्योंकि शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 में शासन ने लाया था और 2009 की पहले के शिक्षकों को इस दायरे में खड़ा किया गया है जो कानून का सीधा उल्लंघन है। उसी के विरोध में मध्यप्रदेश के 313 विकासखंडों में शिक्षकों के द्वारा शनिवार को विरोध प्रदर्शन कर दो सूत्रीय मांगों का ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को सौंपा गया है एवं मांगे पूरी नही होने पर 18 अप्रैल को भोपाल में आंदोलन किया जायेगा। सांदीपनी स्कूल लालबर्रा प्राचार्य सनत दुबे ने बताया कि शासन के द्वारा शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता जो लागू की गई है उसमें हमारे पुराने शिक्षक साथी भी आ रहे हैं, हमारी मांग है कि जो पहले से सेवारत है उनके लिए यह पात्रता परीक्षा लागू नहीं होनी चाहिए। इस अवसर पर अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

बेहरई में श्री सत्य सांई दिव्य रथ का हुआ स्वागत, भजन कीर्तन का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। बेहरई/लालबर्रा। भगवान श्री सत्य सांई बाबा के जन्म शताब्दी वर्ष के पावन अवसर पर पुट्टपर्ती से प्रारंभ हुई सत्य सांई प्रेम वाहिनी दिव्य रथ यात्रा इन दिनों मध्यप्रदेश के प्रवास पर है। इस अवसर पर बेहरई में यह रथयात्रा शनिवार को पहुंची। इस अवसर पर सत्य सांई भजन मंडली समिति एवं ग्रामवासियों के द्वारा इस रथ यात्रा का स्वागत किया गया। जिसमें भगवान सांई बाबा के चरण पादुकाएं विराजमान हैं। यह रथयात्रा ग्राम का भ्रमण करते हुए भजन कीर्तन करते हुए पूरे गांव का भ्रमण किया। जिसके

दर्शन और पूजन हेतु भक्तों में भारी उत्साह देखा गया। यह रथयात्रा जिस मार्ग से भी गुजरती हैं भक्तगण विधि-विधान से पूजा अर्चना कर धर्म लाभ अर्जित कर रहे हैं। इस दौरान भक्तों ने भगवान श्री सत्य सांई बाबा के बताये मार्ग पर चलने और उनके शांति, प्रेम के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आव्हान किया है। जिसके पश्चात यह रथ कनकी के लिए रवाना हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रध्दालुजन उपस्थित रहे।

शिक्षकों ने आक्रोश रैली निकाल कर मुख्यमंत्री के नाम विधायक को सौंपा ज्ञापन

शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा वारासिवनी द्वारा शिक्षकों की 'वलंत समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन स्थानीय विधायक विवेक पटेल को सौंपा गया। इस दौरान इंडोर स्टेडियम में शिक्षकों के द्वारा आमसभा को संबोधित किया गया तत्पश्चात आक्रोश रैली निकालकर नगर के बस स्टैंड, जय स्तंभ चौक से वापस दीनदयाल चौक होते हुए विधायक कार्यालय पहुंचे जहां रैली का समापन किया गया। इस ज्ञापन में शिक्षकों ने विशेष रूप से शिक्षक पात्रता परीक्षा टीईटी की अनिवार्यता को समाप्त करने और नियुक्ति दिनांक से सेवा अवधि की गणना करने की पुरजोर मांग की है। संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद एनसीटीई की 2010 की अधिसूचना और माननीय सर्वो'च न्यायालय के निर्णयों के अनुसार विशिष्ट वर्षों में नियुक्त शिक्षकों को टीईटी से छूट का प्रावधान है। इसके बावजूद लोक शिक्षण संचालनालय एवं जनजातीय कार्य विभाग के द्वारा गैर टीईटी शिक्षकों पर परीक्षा उत्तीर्ण करने का दबाव बनाया जा रहा है जो नियमों के विरुद्ध है। शिक्षकों ने मांग की है कि 2 मार्च 2026 को जारी किए गए विभागीय आदेशों को तत्काल निरस्त किया जाए। इस अवसर पर प्रमोद पारधी ,अरविन्द पारधी ,रतनलाल बिरनवार, विष्णु पटले, धन्नालाल बिसेन, नन्दलाल तामेश्वर और सेवकराम जैतवार सहित अनेक शिक्षक शिक्षिकाए उपस्थित रहे। शिक्षक धनलाल बिसेन ने बताया कि टीईटी में सुप्रीम कोर्ट का आदेश हुआ है सरकार पुन: विचार याचिका में जाए। शिक्षकों के 25 वर्षों के अनुभव को देखते हुए यह परीक्षा निरस्त करें। शिक्षकों की जॉइनिंग 1998 से 2013 तक की है सरकार 2018 से सभी की जॉइनिंग मान रही है। जिससे पेंशन ग्रे'युटी नहीं मिलेगी आर्थिक नुकसान होगा प्रथम नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता देना चाहिए। इसके लिए विभिन्न संगठनों के माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षण भी किया गया है सरकार ने आश्वासन दिया है। सरकार जब तक आदेश निरस्त नहीं करेगी यहां आंदोलन जारी रहेगा। वहीं शिक्षक रोशनलाल नगपुरे ने बताया कि शिक्षा मंत्री मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया था कि पुन: विचार याचिका में जाएंगे पर उन्होंने पूरा किया नहीं। जबकि बाकी रा'यों ने यह कर दिया है पर मध्य प्रदेश सरकार क्यों नहीं कर रही है पता नहीं। इसीलिए प्रदेश स्तर से कार्यक्रम आया है कि 8 अप्रैल को जिला, 11 अप्रैल को ब्लॉक और 18अप्रैल को भोपाल में आंदोलन। इसलिए आज हम विधायक को ज्ञापन देने आए हैं इसके बाद 18 अप्रैल को हम भोपाल में जमा होंगे। फिर भी कुछ नहीं हुआ तो आगे आमरण अनशन और संगठन के मार्गदर्शन में आंदोलन करेंगे। विधायक विवेक पटेल ने बताया कि शिक्षकों के द्वारा दूसरी बार यह परीक्षा निरस्त करने के लिए मुझे ज्ञापन दिया जा रहा है। पूर्व में इस संबंध में मेरे द्वारा मुख्यमंत्री शिक्षा मंत्री को पत्र भी लिखा गया था शिक्षकों के साथ यह एक अन्य है। ऐसा नहीं होना चाहिए सरकार को इन बातों को समझना चाहिए यदि मुख्यमंत्री से मुलाकात होती है तो इस विषय पर चर्चा की जाएगी। विधानसभा में सवाल भी रखे जाएंगे यह शिक्षक पात्रता परीक्षा बिल्कुल गलत है।

चार दिवसीय जयंती महोत्सव का हुआ भव्य शुभारंभ

धूमधाम से मनाई गई राष्ट्रपिता 'योतिबा फुले की 199वीं जयंती , माल्यार्पण कर दी गई श्रद्धांजलि

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के कॉलेज चौक स्थित महात्मा 'योतिबा राव फुले उद्यान में सार्वजनिक फुले आंबेडकर जयंती समारोह समिति के तत्वाधान में 11 अप्रैल को सामाजिक क्रांति के अग्रदूत राष्ट्रपिता महात्मा 'योतिबा फुले की 199 वीं जयंती बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित चार दिवसीय जयंती महोत्सव का भव्य शुभारंभ शनिवार प्रात: काल महात्मा फुले की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ। प्रात: 8.30 बजे नगर के फुले चौक पर समाज के विभिन्न वर्गों, बौद्ध उपासकों और आंबेडकर अनुयायियों की उपस्थिति में गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया। उपस्थित जनसमूह ने महात्मा फुले के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम में समाज में शिक्षा व समानता के लिए किए गए उनके अतुलनीय योगदान को याद किया। समिति के अध्यक्ष अभिराज मेश्राम ने बताया कि महात्मा 'योतिबा राव फुले के द्वारा दलित शोषित पीड़ित समाज के लिए अनेकों कार्य किए गए हैं । आज वह संघर्ष का नतीजा है कि सभी को समानता का अधिकार प्राप्त है,उन्होंने बहुजन समाज के लिए जो शिक्षा की 'योत जलाई है उसे घर घर तक पहुंचना है। 'योतिबा फुले की जयंती के इस विशेष अवसर पर शनिवार शाम 7.30 बजे से अखिल भारतीय मिशनरी कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया है। इसमें देश के विख्यात कवि जैसे लोक खैरे, स्वप्निल डोंगरे, शैलेश शैल और अन्य कलाकार अपनी रचनाओं के माध्यम से सामाजिक चेतना का संदेश देंगे। यह आयोजन केवल एक दिन तक सीमित नहीं है। महोत्सव की रूपरेखा के अनुसार 12 अप्रैल को बहुजन सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता और आम्ही रमाई ची लेक सांस्कृतिक कार्यक्रम,13 अप्रैल को एक शाम भीम के नाम ब'चों का सांस्कृतिक कार्यक्रम,14 अप्रैल को मुख्य आयोजन में डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर जयंती के अवसर पर विशाल बाइक रैली, पैदल रैली और शाम को संगीत मय प्रबोधन का आयोजन सिविल क्लब ग्राउंड पर होगा। आयोजक समिति के सचिव राहुल गजभिये ,कोषाध्यक्ष मुन्ना उके,संयोजक आर के बंसोड़ सहित पूरी टीम ने क्षेत्र की जनता से इन सभी कार्यक्रमों में सहभागी होने की अपील की है। आज के माल्यार्पण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रबुद्ध नागरिक और माताएं बहनें उपस्थित रहीं।

माता सावित्रीबाई फुले की आदमकद प्रतिमा की होगी स्थापना-प्रदीप जायसवाल

मरार माली समाज ने मनाई क्रांतिसूर्य महात्मा ज्योतिबा फुले की 199वीं जयंती

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर 1 कॉलेज चौक स्थित महात्मा 'योतिबा फुले उद्यान में मरार माली समाज के तत्वाधान में समाज सुधारक और शिक्षा के अग्रदूत क्रांतिसूर्य महात्मा 'योतिबा राव फुले की 199वीं जयंती गरिमामय ढंग से मनाई गई। इस अवसर पर समाज के गौरवशाली इतिहास और फुले दंपति के संघर्षों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। यह कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल,नपाध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ,समाज अध्यक्ष अशोक मरार के साथ ही समाज के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महात्मा ज्योतिबा राव फुले और माता सावित्रीबाई फुले के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर और माल्यार्पण के साथ हुई। तत्पश्चात अतिथियों और समाज के लोगों ने विधि विधान से पूजन अर्चन किया और उद्यान में स्थापित महात्मा फुले की आदमकद प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित किए। उपस्थित जनसमूह ने महात्मा फुले के जयघोष से वातावरण को भक्तिमय और उत्साहपूर्ण बना दिया। उपस्थित जनों ने महात्मा फुले के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाल कर बताया शिक्षा ही वह एकमात्र साधन है जिससे व्यक्ति अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो सकता है। समाज को संदेश दिया गया कि फुले दंपति ने जिस शिक्षा की अलख जगाई थी उसे हर घर तक पहुँचाना अनिवार्य है। एक शिक्षित व्यक्ति ही अन्याय के खिलाफ आवाज उठा सकता है और समाज में किसी भी उ'च पद को प्राप्त कर सकता है। समाज के पदाधिकारियों ने युवाओं

और नागरिकों से आह्वान किया कि वे महात्मा फुले के बताए सत्य और समानता के मार्ग पर चलकर देश और समाज के हित में कार्य करें। इस अवसर पर मरार माली समाज के समस्त पदाधिकारी सदस्य और भारी संख्या में सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

दलित शोषित पीढ़ीत समाज को मानवीय मूल्यों के साथ जीवन जीने का अधिकार दिया-अशोक मरार

मरार माली समाज के ब्लॉक अध्यक्ष अशोक मरार ने बताया कि प्रतिवर्ष समाज संगठन फुले दंपति की जयंती और स्मृति दिवस मानता है। महात्मा 'योतिबा राव फुले हमारे समाज के प्रेरणा स्त्रोत है इन्होंने दलित शोषित पीढ़ीत समाज को जिन्हें मानवीय मूल्यों में जीवन जीने का अधिकार नहीं था। देश की आधी आबादी शिक्षा से वंचित थी तो इन्होंने संघर्ष कर मानवीय मूल्यों से भरा जीवन व शिक्षा देने का अधिकार दिलाया उनकी प्रतिमा पर आज माल्यार्पण कार्यक्रम रखा गया था। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल के द्वारा यह उद्यान बनाकर प्रतिमा स्थापित करवाई गई थी अब वर्तमान नगर पालिका अध्यक्ष के द्वारा माता सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा लगाई जाएगी जो खुशी की बात है।

एकता में बांध कर नई पीढी को जड़ों से जोड़ने का प्रयास है- सरिता दांदरे

नपाध्यक्ष श्रीमती सरिता दांदरे ने बताया कि इस तरह के आयोजन ना केवल महापुरुषों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का माध्यम हैं। बल्कि यह समाज को एकता के सूत्र में पिरोने और नई पीढी को अपनी जड़ों से जोड़ने का भी काम करते हैं। यहां हम सभी जयंती मनाने एकत्रित हुए हैं इनका शिक्षा के क्षेत्र में बहुत बड़ा योगदान रहा है ,महात्मा 'योतिबा फुले माता सावित्री फुले ने प्रण लिया था कि समाज को हम कैसे आगे बढ़े ,उन्होंने बाल विवाह रोका समाज को शिक्षित बनाया स्वयं भले ही अपमान सहकर समाज को एकत्रित किया। हमारी परिषद के द्वारा हमारे नेता प्रदीप जायसवाल की मंशा अनुसार माता सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा स्थापित करने का कार्य जल्द प्रारंभ किया जाएगा।

200वीं जयंती अधूरेपन को समाप्त कर संपूर्णता प्रदान कर मानेंगे-प्रदीप जायसवाल

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने बताया कि वारासिवनी के इस उद्यान में जिले की आदमकद प्रतिमा महात्मा फुले की स्थापित है। यहाँ समाज के साथ यहां पर महात्मा 'योतिबा राव फुले की 199वीं जयंती हम मना रहे हैं। समाज के बंधुओं को लगता था कि यहां पर कुछ अधूरा है जिसको लेकर सामाजिक लोगों के द्वारा इस विषय पर मांग की गई थी। निश्चित हम महात्मा 'योतिबा राव फुले की 200 वीं जयंती इस अधूरेपन को समाप्त कर संपूर्णता प्रदान कर मनायेंगे। यहां पर माता सावित्रीबाई फुले नगर पालिका के माध्यम से लगवाई जाएगी गर्व के साथ हम 200 वीं जयंती मनाएंगे। इनका संघर्ष बहुत कठिन रहा है। सभी जानते हैं इन्होंने पूरे भारतवर्ष में छुआछूत को दूर करने समाज को शिक्षित करने लंबा संघर्ष किया और जिसका परिणाम है कि आज महिला शिक्षा देखने को मिलती है।

विधायक पटेल ने महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

सामाजिक सुधारक शिक्षा वादी और लेखक थे 'योतिबाराव फुले- विवेक पटेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। आधुनिक भारत में सामाजिक समानता के प्रणेता और दलित आंदोलन के अग्रदूत के नाम से पहचाने जाने वाले ऐसे ही महान समाज सुधारक महात्मा 'योतिबा फुले की जयंती शनिवार को नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े ही धूमधाम से मनाई गई। महात्मा 'योतिबा फुले जयंती के पावन अवसर पर विधायक विवेक पटेल कॉलेज के समीप महात्मा 'योतिबा फुले चौक पहुंचे। जहां उन्होंने महात्मा 'योतिबाराव फुले की प्रतिमा में माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरीता मनोज दाद्रे, संदीप मिश्रा, पवन धुर्वे, कन्हैया खैरवार,राजा अली,अनिल पिपरेवार,विवेक जुझार,मनोज दांदरे,राजकुमार चौधरी सहित सामाजिकगण मौजूद रहे। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि महात्मा 'योतिबा राव फुले का जन्म महाराष्ट्र के पुणे में 11 अप्रैल 1827 को हुआ था। उनकी पत्नी माता सावित्री बाई फुले भारत की प्रथम पहली शिक्षिका बनी। फुले दंपति ने मिलकर दलितों,पिछड़ों,

वंचितों और शोषित वर्ग के उत्थान के लिए कार्य किया। अनेकों विद्यालय खोले,लोगो को शिक्षित बनाने का काम किया। महात्मा 'योतिबा फुले बहुत बुद्धिमान थे,उन्होंने मराठी में भी अध्ययन किया था। वे महान क्रांतिकारी भारतीय विचारक समाजसेवी लेखक एवं दार्शनिक थे। उनका विवाह माता सावित्री से हुआ था ,महाराष्ट्र में जाति प्रथा बड़े ही वीभत्स रूप में फैली हुई थी। स्त्री की शिक्षा के लिए लोग उदासीन थे ऐसे में 'योतिबा फुले ने समाज को इन कुरीतियों से मुक्त करने के एक बड़े पैमाने पर आंदोलन चलाए। उन्होंने पुणे में लड़कियों के लिए भारत का पहला विद्यालय खोला। जो उस समय क्रांतिकारी कदम था सावित्री बाई इस स्कूल की पहली शिक्षिका बनी थी।

पोषण पखवाड़ा के तहत दादी, नानी संवाद कार्यक्रम आयोजित,स्वास्थ्य और खान पान पर हुई चर्चा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा आयोजित पोषण पखवाड़ा 10 अप्रैल से 23 अप्रैल के अंतर्गत शनिवार को ग्राम पंचायत झालीवाड़ा के परिक्षेत्र में एक विशेष दादी नानी संवाद कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक अनुभवों और आधुनिक पोषण पद्धतियों के बीच समन्वय स्थापित कर सामुदायिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम के दौरान सेक्टर पर्यवेक्षक अर्चना मेश्राम ने उपस्थित बुजुर्ग महिलाओं दादी ,नानी से सीधा संवाद किया। उन्होंने पुरानी खान पान की अ'छी आदतों की सराहना करते हुए वर्तमान समय की पोषण संबंधी आवश्यकताओं और नवीन आहार पद्धतियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। चर्चा में इस बात पर जोर दिया गया कि किस प्रकार पारंपरिक मोटे अनाज और संतुलित आहार के माध्यम से नई पीढ़ी को कुपोषण से बचाया जा सकता है। इस अवसर पर समस्त हितग्राहियों के लिए एक स्वास्थ्य जाँच शिविर का भी आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक चिकित्सीय परामर्श दिया गया। इस अवसर पर सरपंच श्रीमती उमेशवरी देशमुख, एएनएम भूमेश्वरी बिसेन, नेहा देशमुख, कपिल बघेल ,योगेन्द्र मेश्राम, आंगनवाडी कार्यकर्ता उर्मिला ,मोतन ,पुष्पा ,अलका और शकुंतला सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण और हितग्राही उपस्थित रहे।

सिकंद्रा के करुणा बुद्ध विहार में धम्म कक्षा सामूहकि ध्यान जारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सिकंद्रा के कॉलेज टोला स्थित करुणा बुद्ध विहार में प्रतिदिन धम्म क्लास और सामूहकि ध्यान का आयोजन किया जा रहा है। जहां ऑल इंडिया समता सैनिक दल महिला विंग तहसील शाखा वारासिवनी के द्वारा सामाजिक सरोकार की दिशा में एक सराहनीय पहल की गई है। बाबा साहेब डॉ.भीमराव आंबेडकर की जयंती के पावन अवसर पर दल की महिला सदस्यों के द्वारा कार्यक्रम में शामिल होकर लोगों का उत्साह बढ़ाया गया। तो वहीं करुणा बुद्ध विहार में कूलर दान किया गया। विदित हो कि सिकन्द्रा स्थित बुद्ध विहार में प्रत्येक रविवार को उपासक उपासिकाओं एवं ब'चों के लिए नियमित रूप से धम्म क्लास और सामूहकि ध्यान का आयोजन किया जाता है। गर्मी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए महिला विंग ने यह निर्णय लिया ताकि विहार में आने वाले श्रद्धालुओं और ब'चों को असुविधा ना हो। इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं ने बताया कि बाबा साहेब के सिद्धांतों पर चलते हुए समाज सेवा और धम्मदान करना ही उन्हें स'ची श्रद्धांजलि है। जीवन में धर्म और शांति के लिए धम्म क्लास और सामूहकि ध्यान अत्यंत महत्वपूर्ण है। जिसके माध्यम से मानव को असीम शांति का अनुभव होता है। यह कार्य विहार में आयोजित हो रहा है जिसमें बड़ी संख्या में लोग लाभ ले रहे हैं। इस अवसर पर अध्यक्ष ममता बंसोड़, सुमन्ता बंसोड़, सूर्यकांता रावड़े ,अर्चना खोब्रागढ़े ,संगीता शिन्दे ,श्यामा बोरकर , 'योति पाटिल, वन्दना दुफारे ,देविना रामटेके ,अनिता मड़के ,संगीता डोंगरे ,राधिका डोंगरे ,पुस्तकला मेश्राम, नीमा बोरकर, 'योति कोल्हे ,प्रिती वासनिक, रीना हिरकने ,शीतल मेश्राम, प्रिया मेश्राम ,रंजिता फुलमारी एवं योगिता डोंगरे उपस्थित रही।

ईरान में संचार अंधकार का दौर सत्ता, संघर्ष और समाज के बीच टूटता संवाद

मध्य पूर्व में चल रहे तनाव और टकराव के बीच ईरान में एक और गंभीर स्थिति सामने आई है, जहां संचार व्यवस्था का ठप हो जाना अब एक नए संकट के रूप में उभर रहा है। पिछले सैंतीस दिनों से देश में संचार सेवाओं पर लगा प्रतिबंध न केवल आम नागरिकों के दैनिक जीवन को प्रभावित कर रहा है, बल्कि यह शासन, सुरक्षा और स्वतंत्रता के बीच गहरे संघर्ष को भी उजागर करता है। यह स्थिति केवल तकनीकी समस्या नहीं है, बल्कि इसके पीछे राजनीतिक, सामाजिक और रणनीतिक कारणों का जटिल मिश्रण छिपा हुआ है। ईरान में यह संचार बंदी ऐसे समय में लागू की गई है, जब देश बाहरी हमलों और आंतरिक अस्थिरता दोनों का सामना कर रहा है। अमेरिका और इजराइल के साथ बढ़ते टकराव ने वहां की सरकार को सुरक्षा के नाम पर कठोर कदम उठाने के लिए प्रेरित किया है। सरकार का मानना है कि संचार माध्यमों के जरिए अफवाहें, गलत सूचनाएं और विरोध को बढ़ावा मिल सकता है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा हो सकता है। इसलिए संचार सेवाओं को सीमित या पूरी तरह बंद करना एक रणनीतिक निर्णय के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन इस निर्णय का प्रभाव केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं है। इसका सबसे बड़ा असर आम नागरिकों पर पड़ा है, जो अपने परिवार, मित्रों और बाहरी दुनिया से कट चुके हैं। व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं और अन्य आवश्यक गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। छोटे व्यापारी, छात्र और पेशेवर लोग सबसे अधिक संकट का सामना कर रहे हैं, क्योंकि उनके कामकाज का बड़ा हिस्सा संचार पर निर्भर करता है। ऐसे में यह संचार बंदी एक प्रकार से सामाजिक और आर्थिक जीवन को ठहराव की स्थिति में ले आई है। इस स्थिति का एक और पहलू अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जुड़ा है। जब संचार माध्यम बंद हो जाते हैं, तो लोगों की आवाज भी सीमित हो जाती है। वे अपनी समस्याएं, विचार और विरोध खुलकर व्यक्त नहीं कर पाते। इससे समाज में असंतोष और निराशा बढ़ने की संभावना रहती है। इतिहास गवाह है कि जब लोगों की आवाज दबाई जाती है, तो वह किसी न किसी रूप में और अधिक तीव्रता के साथ सामने आती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इस स्थिति को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। विभिन्न मानवाधिकार संगठनों का मानना है कि इस तरह की लंबी संचार बंदी नागरिक अधिकारों का उल्लंघन है। हालांकि, ईरान सरकार का तर्क है कि यह कदम अस्थायी है और देश की सुरक्षा के लिए आवश्यक है। लेकिन सैंतीस दिनों का लंबा समय इस अस्थायी उपाय को एक स्थायी संकट का रूप देता जा रहा है। इस पूरे घटनाक्रम को यदि व्यापक संदर्भ में देखा जाए, तो यह स्पष्ट होता है कि संचार आज केवल सूचना का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि यह शक्ति और नियंत्रण का एक महत्वपूर्ण साधन बन चुका है। जो इसे नियंत्रित करता है, वह समाज की दिशा और गति को भी प्रभावित कर सकता है। ईरान में हो रही यह घटना इसी बात का उदाहरण है कि कैसे तकनीक का उपयोग और दुरुपयोग दोनों संभव हैं। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में, जहां एक ओर देशों के बीच संघर्ष बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर सूचना का प्रवाह भी एक युद्ध का रूप ले चुका है। इस सूचना युद्ध में सच्चाई और भ्रम के बीच अंतर करना कठिन होता जा रहा है। ऐसे में किसी देश द्वारा संचार को पूरी तरह बंद करना एक तरह से इस युद्ध से बचने का प्रयास भी हो सकता है, लेकिन इसके परिणाम दूरगामी और जटिल होते हैं। ईरान की स्थिति यह भी दर्शाती है कि आधुनिक समाज में संचार का महत्व कितना अधिक हो गया है।

किशोर आक्रामकता एवं हिंसा पर अंकुश लगाने की पहल हो

भारतीय किशोरों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति एवं क्रूर मानसिकता चिन्ताजनक है, नये भारत एवं विकसित भारत के भाल पर यह बदनुमा दाग है। पिछले कुछ समय से किशोरों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी, मर्मांतक एवं खौफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में किशोरों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता एवं क्रूर मानसिकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। बदलते समय के साथ समाज के व्यवहार में आई यह हिंसक तीव्रता और आक्रामकता अब केवल वयस्कों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका सबसे चिंताजनक प्रभाव किशोर पीढ़ी पर स्पष्ट रूप से दिखाई देना ज्यादा परेशान करने वाला है। हाल के वर्षों में किशोरों द्वारा किए गए अपराधों की संख्या और उनकी क्रूरता ने पूरे समाज को झकझोर दिया है। यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह गया, बल्कि यह सामाजिक संरचना, पारिवारिक मूल्यों, शिक्षा व्यवस्था और सांस्कृतिक प्रभावों के गहरे संकट का संकेतक बन चुका है।

दिल्ली के दयालपुर क्षेत्र में मात्र चार सौ रुपये के विवाद में एक युवक की नृशंस हत्या, जिसमें तीन किशोरों ने बेरहमी से चाकू घोंपे और चौथा उसका वीडियो बनाता रहा, इस विकृति का भयावह उदाहरण है। यह घटना केवल एक हत्या नहीं, बल्कि संवेदनाओं के क्षरण, नैतिकता के पतन और कानून के भय के समाप्त हो जाने का प्रतीक है। यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि आखिर किशोरों में यह दुस्साहस और हिंसात्मक प्रवृत्ति कहां से जन्म ले रही है? वस्तुत:, किशोर अपराधों के बढ़ते ग्राफ के पीछे कई परस्पर जुड़े हुए कारण हैं, जिनका विश्लेषण आवश्यक है। सबसे पहला और प्रमुख कारण है पारिवारिक संरचना का विघटन। पहले संयुक्त परिवारों में बच्चों को दादा-दादी, चाचा-चाची और अन्य सदस्यों के सान्निध्य में नैतिकता, अनुशासन और सामाजिक मर्यादाओं का सहज प्रशिक्षण मिलता था। आज एकल परिवारों में माता-पिता की व्यस्तता और समयाभाव के कारण बच्चों के साथ संवाद का अभाव हो गया है। परिणामस्वरूप, किशोर अपनी समस्याओं और जिज्ञासाओं का समाधान बाहर ढूंढते हैं, जो कई बार उन्हें गलत दिशा में ले जाता है।

दूसरा महत्वपूर्ण कारण है डिजिटल और सोशल मीडिया का अनियंत्रित प्रभाव। इंटरनेट ने जहां ज्ञान के द्वार खोले हैं, वहीं अपराध, हिंसा और अश्लीलता से भरी सामग्री भी किशोरों के लिए सहज उपलब्ध कर दी है। फिल्मों, वेब सीरीज और टीवी धारावाहिकों में हिंसा को जिस प्रकार ग्लैमराइज किया जाता है, वह किशोर मन को प्रभावित करता है। वे अपराध को एक साहसिक कार्य या रोमांच के रूप में देखने लगते हैं। कई बार वे यह भूल जाते हैं कि वास्तविक जीवन में इसके गंभीर और जीवन विनाशक घातक परिणाम होते हैं। तीसरा पहलू शिक्षा व्यवस्था का है। आज शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा और रोजगार तक सीमित हो गया है। नैतिक शिक्षा, चरित्र निर्माण और जीवन मूल्यों पर आधारित शिक्षण लगभग समाप्त हो गया है। शिक्षकों की भूमिका भी अब मार्गदर्शक की बजाय केवल पाठ्यक्रम पूर्ण करने तक सीमित हो गई है। विद्यालयों में अनुशासन और संवाद का जो वातावरण होना चाहिए, वह धीरे-धीरे समाप्त होता जा रहा है।

इसके अतिरिक्त, समाज में बढ़ती असहिष्णुता और आक्रामकता भी किशोरों को प्रभावित कर रही है। जब वे अपने आसपास छोटे-छोटे विवादों में लोगों को हिंसक होते देखते हैं, तो यह उनके लिए सामान्य व्यवहार बन जाता है। राजनीति, मीडिया और सामाजिक जीवन में ब ?ती कटुता और टकराव की प्रवृत्ति किशोरों के मन में भी उसी प्रकार की प्रतिक्रियाएं उत्पन्न करती है। किशोर अपराधों के पीछे एक और गंभीर कारण है आपराधिक गिरोहों द्वारा उनका उपयोग। चूंकि कानून में किशोरों के लिए अपेक्षाकृत नरमी होती है, इसलिए अपराधी गिरोह उन्हें अपने कार्यों के लिए मोहरे के रूप में इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति भी किशोरों को अपराध की ओर धकेलती है। नशे की लत पूरी करने के लिए वे चोरी, लूट और यहां तक कि हत्या जैसे गंभीर अपराध करने से भी नहीं हिचकते।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि किशोर न्याय से जुड़े कानूनों का लचीलापन कई बार अपराधियों के लिए सुरक्षा कवच बन जाता है। गंभीर अपराधों में संलिप्त होने के बावजूद किशोरों को शीघ्र रिहा कर दिया जाता है, जिससे उनमें कानून का भय समाप्त हो जाता है। इस संदर्भ में यह बहस भी समय-समय पर उठती रही है कि गंभीर अपराधों में संलिप्त किशोरों के लिए वयस्कों जैसा दंड प्रावधान होना चाहिए या नहीं? हालांकि केवल कानून को कठोर बनाना ही समाधान नहीं है। समस्या की जड़ें कहीं अधिक गहरी हैं और इसके समाधान के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाना होगा। सबसे पहले परिवार को अपनी भूमिका को पुन: समझना होगा। बच्चों के साथ संवाद बढ़ाना, उनके मानसिक और भावनात्मक विकास पर ध्यान देना और उन्हें सही-गलत का अंतर समझाना अत्यंत आवश्यक है। माता-पिता को यह समझना होगा कि केवल भौतिक सुविधाएं प्रदान करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि समय और संस्कार देना अधिक महत्वपूर्ण है।

दूसरे, शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। विद्यालयों में नैतिक शिक्षा, जीवन कौशल और व्यवहारिक प्रशिक्षण को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाना चाहिए। शिक्षकों को केवल ज्ञान प्रदाता नहीं, बल्कि मार्गदर्शक और प्रेरक की भूमिका निभानी होगी। स्कूलों में काउंसलिंग व्यवस्था को मजबूत करना भी जरूरी है ताकि किशोर अपनी समस्याओं को साझा कर सकें। तीसरे, मीडिया और मनोरंजन उद्योग को भी अपनी सामाजिक जिम्मेदारी समझनी होगी। हिंसा और अपराध को महिमामंडित करने के बजाय सकारात्मक और प्रेरणादायक सामग्री का निर्माण किया जाना चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी कंटेंट की निगरानी और नियंत्रण को सख्ती से लागू करना होगा। चौथे, पुलिस और प्रशासन को अपनी कार्यशैली में बदलाव लाना होगा। केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करने के बजाय, अपराध की रोकथाम पर अधिक ध्यान देना होगा। समुदाय आधारित पुलिसिंग, स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम और किशोरों के साथ संवाद जैसी पहलें प्रभावी हो सकती हैं। ऑस्ट्रिया के क्लागेनफर्ट विश्वविद्यालय की ओर से किशोरों पर किए गए अध्ययन में पता चला है कि दुनिया भर में 35.8 प्रतिशत से ज्यादा किशोर मानसिक तनाव, अनिद्रा, अकारण भय, पारिवारिक अथवा सामाजिक हिंसा, चिड़चिड़ापन अथवा अन्य कारणों से जूझ रहे हैं। एकाकीपन बढ़ने से वे ज्यादा आक्रामक और विध्वंसक सोच की तरफ बढ़ने लगे हैं। मोबाइल व कथित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बह रहे नीले जहर से किशोर अराजक यौन व्यवहार एवं हिंसक प्रवृत्तियों की तरफ उन्मुख हुए हैं। किशोरों को समझाने वाला कोई नहीं है कि यह रास्ता आत्मघात का है। आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड व ब्रिटेन जैसे देश किशोरों को मोबाइल से दूर रखने हेतु कानून बना रहे हैं। हमारे देश में भी शीर्ष अदालत ने समय-समय पर ऐसी घटनाओं पर तल्ख टिप्पणियां की हैं। क्या इन दर्दनाक घटनाओं से हमारे अभिभावकों, समाज-निर्माताओं एवं हमारे सत्ताधीशों की आंख खुलेगी? बच्चों से जुड़ी हिंसा की इन वीभत्स एवं त्रासद घटनाओं से जिन्दगी सहम गयी है। हमें मानवीय मूल्यों के लिहाज से भी विकास एवं नयी समाज-व्यवस्था की परख करनी होगी। बच्चों के भीतर हिंसा मनोरंजन की जगह ले रही है। इसी का नतीजा है कि छोटे-छोटे स्कूली बच्चे भी अपने किसी सहपाठी की हत्या तक कर रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा?

यदि एक किशोर अपराध की राह पर जाता है, तो उसमें कहीं न कहीं परिवार, समाज, शिक्षा और व्यवस्था की भी जिम्मेदारी होती है। आज आवश्यकता है एक समन्वित और संवेदनशील दृष्टिकोण की, जिसमें सरकार, समाज, परिवार और शिक्षा संस्थाएं मिलकर कार्य करें। केवल दंड से नहीं, बल्कि संवाद, संस्कार और सकारात्मक मार्गदर्शन से ही इस समस्या का स्थायी समाधान संभव है। यदि समय रहते इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह आक्रामकता आने वाली पीढ़ियों के लिए और भी गंभीर संकट का रूप ले सकती है। इसलिए यह समय चेतने का है, सोचने का है और मिलकर समाधान खोजने का है, ताकि हमारी किशोर पीढ़ी हिंसा की राह छोड़कर सृजन और संवेदना के मार्ग पर अग्रसर हो सके।

-ललित गर्ग

भ्रष्टाचार कोविड महामारी या कैंसर से भी अधिक खतरनाक बीमारी है

वैश्विक स्तरपर भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में शासन- प्रशासन की विश्वसनीयता का सबसे महत्वपूर्ण आधार जनता का विश्वास होता है।जब यह विश्वास कमजोर पड़ता है,तब केवल व्यवस्था ही नहीं,बल्कि लोकतंत्र की आत्मा भी आहत होती है। हाल ही में संसद के दोनों सदनों द्वारा इसी पृष्ठभूमि में पारित जन विश्वास (संशोधन प्रावधान) अधिनियम, 2026 एक ऐतिहासिक और संरचनात्मक सुधार के रूप में सामने आया है।यह केवल एक विधायी परिवर्तन नहीं,बल्कि शासन की सोच में बदलाव का प्रतीक है,जहां दंड आधारित नियंत्रण से हटकर विश्वास आधारित अनुपालन की दिशा में कदम बढ़ाया गया है।परंतु मेरे 45 साल के मीडिया अनुभव व 15 साल के अधिवक्ता अनुभव में शायद पहली बार हाल ही में मध्य प्रदेश के श्योपुर जिला में सामने आया बाढ़ राहत घोटाला इसी विश्वास पर एक गंभीर प्रहार था,लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि इस मामले में जिस प्रकार की कठोर और व्यापक प्रशासनिक कार्रवाई की गई,उसने पूरे देश में एक नई उम्मीद जगाई है। यह घटना केवल एक सटीक घोटाले की कहानी नहीं है, बल्कि यह उस निर्णायक मोड़ का संकेत है जहां से भारत में भ्रष्टाचार के विरुद्ध वास्तविक और प्रभावी लड़ाई की शुरुआत हो सकती है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इस पूरे मामले में सबसे सराहनीय भूमिका जिला कलेक्टर की रही, विशेष रूप से उनके द्वारा दिखाई गई दृढ़ इच्छाशक्ति की। कलेक्टर ने न केवल इस घोटाले की गहन जांच करवाई,बल्कि 18 पटवारियों के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी देकर एक स्पष्ट संदेश दिया कि भ्रष्टाचार के प्रति कोई नरमी नहीं बरती जाएगी। यह निर्णय केवल एक प्रशासनिक कार्रवाई नहीं, बल्कि एक नैतिक घोषणा थी कि अब व्यवस्था में ईमानदारी को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके साथ ही विभागीय जांच के आदेश और नौकरी से बर्खास्तगी की सिफारिश ने यह सुनिश्चित किया कि दोषियों को हर स्तर पर जवाबदेह ठहराया जाएगा। पूरे भारतवर्ष में अनेकों सरकारी कर्मचारियों पर कुछ अपवाद छोड़कर अगर हम संज्ञान लें तो एक सामाजिक पहलू भी है, जिस पर ध्यान देना आवश्यक है।अक्सर देखा जाता है कि सरकारी कर्मचारियों की जीवनशैली उनके आधिकारिक वेतन से कहीं अधिक उच्च होती है, जिससे यह संदेह उत्पन्न होता है कि अतिरिक्त आय के स्रोत क्या हैं। यदि इस दिशा में नियमित निगरानी और संपत्ति का ऑडिट किया जाए, तो भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया जा सकता है। श्योपुर की घटना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि अब केवल सतही सुधारों से काम नहीं चलेगा, बल्कि गहराई में जाकर व्यवस्था को बदलना होगा। मेरा यह आर्टिकल मीडिया रिपोर्ट्स के आधार पर लिखा गया है।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार पर कार्रवाई की इस ऐतिहासिक घटना को समझने की करें तो, वर्ष 2021 में मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में आई भीषण बाढ़ ने हजारों किसानों और ग्रामीणों को प्रभावित किया। प्राकृतिक आपदा के बाद राज्य सरकार द्वारा राहत के रूप में करोड़ों रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई थी। इस राहत पैकेज में चार प्रमुख श्रेणियां थीं-फसल नुकसान, मकान क्षति, मवेशियों की हानि और अन्य सामान्य सहायता। यह राशि उन लोगों के लिए जीवनरेखा थी, जिनकी आजीविका पूरी तरह बर्बाद हो चुकी थी। लेकिन दुर्भाग्यवश, इसी संवेदनशील व्यवस्था में भ्रष्टाचार का ऐसा जाल बुना गया, जिसने न केवल पीड़ितों को उनके अधिकार से वंचित किया,बल्कि प्रशासनिक तंत्र की साख पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया।जांच में सामने आया कि लगभग 960 किसानों के लिए स्वीकृत राहत राशि में से 794 वास्तविक लाभार्थियों को दरकिनार कर दिया गया और उनकी जगह 87 अपात्र व्यक्तियों के 127 बैंक खातों में पैसा ट्रांसफर कर दिया गया।यह पूरा घोटाला करीब 5 करोड़ रुपये का था। इस संगठित भ्रष्टाचार में निचले स्तर के कर्मचारियों से लेकर उच्च अधिकारियों तक की संलिप्तता स्पष्ट रूप से सामने आई। इस मामले में तत्कालीन तहसीलदार अमिता सिंह तोमर की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही, जिनपर आरोप है कि उन्होंने बिना समुचित जांच के फर्जी लाभार्थियों को मंजूरी दी। परिणामस्वरूप उन्हें निलंबित किया गया और बाद में जेल भी भेजा गया।

साथियों बात अगर हम पूरे देश में शायद पहली बार कलेक्टर की हिम्मत और चौंकाने वाली कार्रवाई को समझने की करें तो, इस मामले का सबसे चौंकाने वाला पहलू तब सामने आया जब यह स्पष्ट हुआ कि फर्जी लाभार्थियों की सूची तैयार करने में 18 पटवारियों की सीधी भूमिका थी।पटवारी,जो ग्रामीण प्रशासन की रीढ़ माने जाते हैं और जिनका सीधा संपर्क किसानों से होता है,उन्हीं के द्वारा इस प्रकार की धोखाधड़ी ने पूरे सिस्टम की जड़ों को हिला दिया। इन पटवारियों ने न केवल फर्जी सर्वे तैयार किए, बल्कि अपने रिश्तेदारों और परिचितों के खातों में सरकारी धन ट्रांसफर करवा दिया। यह केवल भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि सामाजिक नैतिकता और सरकारी जिम्मेदारी का खुला उल्लंघन था।

साथियों बात अगर हम इस प्रकरण की पूरे भारत ही नहीं वैश्विक स्तरपर गूँज की करें तो, इस कार्रवाई का प्रभाव केवल मध्य प्रदेश तक सीमित नहीं रहा,बल्कि पूरे देश के प्रशासनिक तंत्र में एक हलचल पैदा कर दी। पहली बार ऐसा देखने को मिला कि एक ही तहसील के इतने बड़े पैमाने पर पटवारियों के खिलाफ एक साथ कार्रवाई की गई हो। यह घटना उन लाखों ईमानदार सरकारी कर्मचारियों के लिए भी प्रेरणा है, जो व्यवस्था में सुधार लाना चाहते हैं, लेकिन अक्सर दबाव और भय के कारण चुप रहते हैं।भ्रष्टाचार को यदि एक बीमारी माना जाए, तो यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि यह कोविड महामारी या कैंसर से भी अधिक खतरनाक है, क्योंकि यह धीरे-धीरे पूरे तंत्र को अंदर से खोखला कर देता है इस बीमारी का सबसे बड़ा कारण केवल व्यक्तिगत लालच नहीं, बल्कि सामूहिक मिलीभगत है, जिसमें निचले स्तर से लेकर उच्च अधिकारियों तक एक श्रृंखला बन जाती है। श्योपुर का मामला इसी सच्चाई को उजागर करता है कि जब तक इस पूरी श्रृंखला को तोड़ा नहीं जाएगा, तब तक भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण संभव नहीं है।

साथियों बात अगर हम पूरे भारत में कलेक्टरों द्वारा स्वत संज्ञान लेकर इस प्रकार की कार्रवाई को प्राथमिकता देने की करें तो, इस संदर्भ में सभी राज्यों के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि वे इस मामले से सबक लें और अपने-अपने क्षेत्रों में इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई करें। सबसे पहला कदम डिजिटल सत्यापन की दिशा में होना चाहिए। राहत राशि और अन्य सरकारी योजनाओं के वितरण में आधार-लिंक्ड बैंक खातों का उपयोगअनिवार्य किया जाना चाहिए और लाभार्थियों की सूची को सार्वजनिक पोर्टल पर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और फर्जीवाड़े की संभावना कम होगी।दूसरा महत्वपूर्ण उपाय स्वतंत्र एजेंसियों द्वारा थर्ड पार्टी ऑडिट है। जब तक जांच पूरी तरह निष्पक्ष और बाहरी एजेंसी द्वारा नहीं की जाएगी, तब तक आंतरिक मिलीभगत के कारण सच्चाई सामने आना कठिन रहेगा। श्योपुर मामले में भी जब ऑडिट हुआ, तभी यह घोटाला उजागर हो पाया।तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण पहलू है कठोर जवाबदेही। केवल निलंबन या स्थानांतरण से भ्रष्टाचार नहीं रुकता, बल्कि इसके लिए सख्त कानूनी कार्रवाई आवश्यक है। श्योपुर में जिस प्रकार से अभियोजन की मंजूरी दी गई और गिरफ्तारी की प्रक्रिया शुरू हुई, वह एक आदर्श उदाहरण है। इससे यह संदेश जाता है कि भ्रष्टाचार करने वालों को केवल प्रशासनिक दंड ही नहीं, बल्कि कानूनी परिणाम भी भुगतने होंगे। इसके अतिरिक्त ग्राम सभाओं के माध्यम से लाभार्थियों की सूची का सत्यापन भी एक प्रभावी उपाय हो सकता है। स्थानीय स्तर पर लोगों को शामिल करने सेपारदर्शिता बढ़ती है और गलत लाभार्थियों की पहचान आसानी से हो सकती है। यह लोकतंत्र के विकेंद्रीकरण की भावना के अनुरूप भी है।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि श्योपुर बाढ़ राहत घोटाला और उस पर हुई कार्रवाई भारत के प्रशासनिक इतिहास में एक मील का पत्थर है। यह केवल एक जिले की घटना नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए एक चेतावनी और एक अवसर दोनों है। चेतावनी इसलिए कि यदि भ्रष्टाचार को समय रहते नहीं रोका गया, तो यह व्यवस्था को पूरी तरह खोखला कर देगा, और अवसर इसलिए कि यदि इसी प्रकार की सख्त और निष्पक्ष कार्रवाई देशभर में की जाए,तो एक स्वच्छ और पारदर्शी प्रशासन की स्थापना संभव है।आज आवश्यकता इस बात की है कि हर राज्य, हर जिला और हर तहसील इस घटना से प्रेरणा ले और अपने स्तर पर सुधार की प्रक्रिया शुरू करे। यदि ऐसा होता है, तो वह दिन दूर नहीं जब भारत वास्तव में एक भ्रष्टाचार-मुक्त राष्ट्र के रूप में विश्व के सामने उदाहरण प्रस्तुत करेगा।

- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

आस्था का बाज़ारीकरण- वीआईपी दर्शन और आम श्रद्धालु की उपेक्षा पर एक गंभीर सवाल

- डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत जैसे देश में, जहाँ धर्म और आस्था केवल व्यक्तिगत विश्वास का विषय नहीं बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, वहाँ मंदिरों और तीर्थ स्थलों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। ये स्थान सदियों से समानता, शांति, और आध्यात्मिक संतुलन के प्रतीक माने जाते रहे हैं। भगवान के दरबार में सब बराबर हैं—यह वाक्य केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि भारतीय समाज की गहरी मान्यता रहा है। लेकिन बीते कुछ वर्षों में इस मान्यता पर प्रश्नचिह्न लगते दिखाई दे रहे हैं।

देश के कई प्रमुख मंदिरों और तीर्थ स्थलों पर वीआईपी दर्शन, विशेष पूजन-अभिषेक और आरती के नाम पर भारी शुल्क वसूले जा रहे हैं। इन सेवाओं के बदले श्रद्धालुओं को लंबी कतारों से मुक्ति, कम समय में दर्शन, और अधिक सुविधाजनक अनुभव दिया जाता है। पहली नजर में यह व्यवस्था एक विकल्प के रूप में दिखाई देती है, लेकिन जब इसका असर आम श्रद्धालुओं के अनुभव पर पड़ता है, तब यह एक गंभीर सामाजिक समस्या बन जाती है।

आज स्थिति यह है कि एक ओर वे लोग हैं जो अतिरिक्त पैसे देकर कुछ ही मिनटों में आराम से दर्शन कर लेते हैं, वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में आम लोग घंटों, कभी-कभी पूरे दिन, कतारों में खड़े रहते हैं। इस दौरान उन्हें भीड़, धक्का-मुक्की, बदतमीजी और कई बार मारपीट जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है। यह अनुभव केवल असुविधाजनक नहीं, बल्कि अपमानजनक भी होता है—विशेषकर तब जब व्यक्ति अपनी आस्था और श्रद्धा के साथ वहां पहुंचा हो।

यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या आस्था भी अब एक 卐प्रीमियम सेवा卐 बनती जा रही है? क्या भगवान के दर्शन के लिए भी आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव होना चाहिए? यह स्थिति केवल धार्मिक स्थलों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज में बढ़ती असमानता का प्रतिबिंब भी है। राशन की दुकानों से लेकर गैस सिलेंडर की लाइन तक, और अब मंदिरों तक—मिडल क्लास और आम आदमी के हिस्से में अक्सर अव्यवस्था और संघर्ष ही आता है।

वीआईपी संस्कृति के पक्ष में तर्क दिया जाता है कि इससे मंदिरों को अतिरिक्त राजस्व मिलता है, जिससे उनकी व्यवस्था और सुविधाओं को बेहतर बनाया जा सकता है। यह तर्क कुछ हद तक सही भी है। बड़े मंदिरों में रोजाना लाखों श्रद्धालु आते हैं, जिनकी व्यवस्था करना आसान नहीं होता। ऐसे में यदि कुछ लोग अतिरिक्त शुल्क देकर अलग व्यवस्था चाहते हैं, तो उससे प्राप्त धन का उपयोग सार्वजनिक सुविधाओं में किया जा सकता है।

लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब यह व्यवस्था असंतुलित हो जाती है। जब वीआईपी सुविधाएं इतनी अधिक हो जाती हैं कि आम श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध संसाधन और समय कम पड़ने लगते हैं, तब यह एक प्रकार का अन्याय बन जाता है। कई बार देखा गया है कि वीआईपी दर्शन के लिए सामान्य कतारों को रोका जाता है, जिससे आम लोगों का इंतजार और बढ़ जाता है। इससे असंतोष और आक्रोश पैदा होना स्वाभाविक है।

इसके अलावा, मंदिरों में कार्यरत कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों का व्यवहार भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। कई मामलों में आम श्रद्धालुओं के साथ कठोर और अपमानजनक व्यवहार किया जाता है, जबकि वीआईपी लोगों के साथ अत्यधिक विनम्रता दिखाई जाती है। यह दोहरा व्यवहार समाज में पहले से मौजूद वर्ग विभाजन को और गहरा करता है।

धार्मिक स्थलों की मूल भावना पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। मंदिर केवल पूजा का स्थान नहीं होते, बल्कि वे मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन के केंद्र होते हैं। जब वहां पहुंचने वाला व्यक्ति अव्यवस्था, भीड़ और भेदभाव का सामना करता है, तो उसकी आध्यात्मिक अनुभूति प्रभावित होती है। यह अनुभव उसे निराश और हताश कर सकता है।

इस समस्या का समाधान आसान नहीं है, लेकिन असंभव भी नहीं। सबसे पहले, मंदिर प्रशासन को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वीआईपी सेवाओं की संख्या और प्रभाव सीमित रहे। इन सेवाओं का उद्देश्य केवल अतिरिक्त सुविधा प्रदान करना होना चाहिए, न कि आम श्रद्धालुओं के अधिकारों को कम करना।

दूसरा, भीड़ प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा सकता है। ऑनलाइन बुकिंग, टाइम स्लॉट सिस्टम, और डिजिटल कतार प्रबंधन जैसे उपायों से भीड़ को बेहतर तरीके से नियंत्रित किया जा सकता है। इससे सभी श्रद्धालुओं को एक व्यवस्थित और सम्मानजनक अनुभव मिल सकता है।

तीसरा, कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों को संवेदनशीलता और शिष्टाचार का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। हर श्रद्धालु, चाहे वह वीआईपी हो या आम व्यक्ति, सम्मान का पात्र है। यह भावना केवल नीतियों में नहीं, बल्कि व्यवहार में भी दिखाई देनी चाहिए।

चौथा, सरकार और संबंधित ट्रस्टों को इस मुद्दे पर स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाने चाहिए। धार्मिक स्थलों पर समानता और पारदर्शिता सुनिश्चित करना केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी है।

अंतत:, यह भी जरूरी है कि समाज स्वयं इस मुद्दे पर जागरूक हो। जब तक लोग इस असमानता को सामान्य मानते रहेंगे, तब तक इसमें बदलाव आना कठिन है। आस्था का अर्थ केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि समानता, करुणा और न्याय जैसे मूल्यों को अपनाना भी है।

आज समय आ गया है कि हम यह सोचें कि हम किस दिशा में जा रहे हैं। क्या हम ऐसे समाज की ओर बढ़ रहे हैं जहाँ भगवान के दर्शन भी पैसे और पहुँच के आधार पर तय होंगे? या हम उस मूल भावना को बचाए रखेंगे, जिसमें हर व्यक्ति को समान अधिकार और सम्मान प्राप्त हो?

मंदिरों की पवित्रता केवल उनकी भव्यता या व्यवस्था से नहीं, बल्कि वहां मिलने वाले अनुभव से तय होती है। यदि वह अनुभव भेदभाव और असमानता से भरा होगा, तो आस्था की नींव कमजोर पड़ जाएगी। इसलिए यह जरूरी है कि हम इस मुद्दे को गंभीरता से लें और मिलकर एक ऐसा वातावरण बनाएं, जहाँ हर श्रद्धालु को यह महसूस हो कि वह वास्तव में भगवान के दरबार में है—जहाँ सब बराबर हैं।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। ऊपरी स्तरों पर मुनाफा वसूली से शनिवार को दलहनों में चना घटाकर बोला गया। उड़द व मूंग में मजबूती बनी। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन मजबूत नज़र आया। किराना जिंसों में काजू मजबूती पर रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में ऊपरी स्तरों पर मुनाफा वसूली से बाजार मंदी के रहे। चना कांटेवाला अच्छे मालों में 5500-5650 रू. प्रति क्विंटल पर आ गया। उड़द व मूंग में टिकाव रहा। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन में मजबूती बनी। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4125-4175, खोपरा गोला 350-400, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 270-280, बेस्ट 280-300, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 250-380, सौंफ बारिक 220-380, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 490-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2450-2500, (160) 2700-2750, (200) 2600-2650, (250) 2300-2400

तेल- सींगदाना 1730-1750, मुम्बई 1750-1760, राजकोट तेलिया 2690, सोया साल्वेंट 1465-1470, सोया रिफाइंड 1520-1530, कपास्या 1450, धूलिया 1440, कड़ी 1450,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1700, मुम्बई पाम 1480, मुम्बई सोया 1550,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3725 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7200-7300, रायडा 6200-6300, सोयाबीन 5600, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5500-5650, एवरेज 5550-5600, विशाल 5600-5650, महाराष्ट्र विशाल 5650-5675, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6000-6100, एवरेज 5600-5700, मूंग गर्मी बेस्ट 7700-8000, मूंग बोल्ड 8200-8400, एवरेज 6500-6700, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 7100-7200, हल्की 7000-7200, महाराष्ट्र सफेद 7600-7800, महाराष्ट्र लाल 8000-8200, कर्नाटक 8100-8400, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2300-2400, लोकवन एवरेज 2400-2650, बेस्ट 2800-3100, मालवराज 2300-2560, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1600-1850, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3200, सेला 3500-3700, परमल 3300-3500, दुबराज 4500-5600, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम रही। दोनों कीमती धातुओं में बाजार कमोवेश बने रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 238500, चॉंदी (99) 238000, टंच 237900, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 152200,

चार्जर खरीदते समय ऐसे बचें नकली प्रोडक्ट से, आर-नंबर बन सकता है सुरक्षा की गारंटी

मुंबई। एजेंसी। आजकल ज्यादातर स्मार्टफोन कंपनियां अपने बॉक्स से चार्जर हटाने लगी हैं, जिसके कारण उपभोक्ताओं को अलग से चार्जर खरीदना पड़ता है। ऐसे में बाजार में नकली और घटिया क्वालिटी के चार्जरों की भरमार हो गई है। लेकिन एक छोटा सा 'आर-नंबर' कोड आपकी सुरक्षा और फोन दोनों को बड़े खतरे से बचा सकता है। अगर आप अपने चार्जर को ध्यान से देखें, तो उसके पीछे 'आर' से शुरू होने वाला एक कोड (जैसे आर-एक्सएक्सएक्स) और बीआईएस लोगो दिखाई देता है। यह कोड ब्यूरो आफ इंडियन स्टैंडर्ड (बीआईएस) द्वारा जारी किया जाता है, जो यह प्रमाणित करता है कि उत्पाद भारत सरकार के सुरक्षा मानकों पर खरा उतरा है। यह रजिस्ट्रेशन नंबर बताता है कि चार्जर को ओवरहीटिंग, शॉर्ट सर्किट और हाई-वोल्टेज जैसी समस्याओं के लिए टेस्ट किया गया है।

वैश्विक घटनाओं के बीच बाजार मे रहा भारी उतार-चढ़ाव, अंत में मजबूत रिकवरी

मुंबई। एजेंसी। इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में जबरदस्त उतार-चढ़ाव देखने को मिला। पूरे हफ्ते बाजार की दिशा घरेलू कारकों से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय घटनाओं और भू-राजनीतिक तनावों से तय होती रही। पश्चिम एशिया में संघर्ष बढ़ने की आशंका, कच्चे तेल की कीमतों में तेज बदलाव और वैश्विक बाजारों के संकेतों ने निवेशकों की धारणा को लगातार प्रभावित किया। सप्ताह की शुरुआत गिरावट के साथ हुई, लेकिन बीच-बीच में आई तेज रिकवरी ने बाजार को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। आरबीआई की मौद्रिक नीति, अंतरराष्ट्रीय सीजफायर की खबरें और कच्चे तेल में नरमी ने निवेशकों का भरोसा मजबूत किया। कुल मिलाकर यह सप्ताह हाई वोलैटिलिटी और तेज सेंटिमेंट स्विंग्स का रहा। सप्ताह की शुरुआत में वैश्विक तनाव के कारण बाजार पर दबाव देखा गया। पश्चिम एशिया में युद्ध के विस्तार की आशंका और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने

निवेशकों को सतर्क कर दिया। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में गिरावट दर्ज की गई, हालांकि दिन के मध्य में खरीदारी लौटने से बाजार हरे निशान पर आ गया। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1ः15 बजे तक बढ़त के साथ कारोबार करता दिखा और बाद में मजबूत बढ़त के साथ बंद हुआ। वहीं ?निफ्टी 50 भी सकारात्मक स्तरों पर बंद हुआ। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन बाजार में 800 अंकों से अधिक की गिरावट देखी गई, जहां निफ्टी 22,800 के नीचे चला गया। हालांकि इसके बाद वैश्विक संकेतों में सुधार और कच्चे तेल में गिरावट से बाजार में तेजी लौट आई। आईटी सेक्टर में खरीदारी ने भी रिकवरी को समर्थन दिया। सबसे बड़ा उछाल तब देखने को मिला जब अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर की खबरें आईं। इस सकारात्मक विकास ने वैश्विक तनाव कम किया और भारतीय बाजार में भारी खरीदारी देखने को मिली। सेंसेक्स में लगभग 3,000 अंकों की तेज रैली दर्ज की गई और निफ्टी भी 24,000 के स्तर के करीब पहुंच गया।

अमेरिका-ईरान तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और संभावित शांति वार्ता से पहले वैश्विक कच्चे तेल बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। शनिवार को होने वाली अहम बातचीत से पहले तेल की कीमतों में एक बार फिर गिरावट दर्ज की गई है। निवेशकों को उम्मीद है कि यदि बातचीत सकारात्मक रहती है तो वैश्विक आपूर्ति सामान्य हो सकती है और कीमतों में और नरमी आ सकती है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी है। डब्ल्यूटीआई क्रूड लगभग 2 डॉलर से अधिक टूटकर 95.63 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है, जबकि ब्रेंट क्रूड भी गिरकर करीब 95.20 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा है। यह गिरावट ऐसे समय आई है जब बाजार अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली उच्च स्तरीय बातचीत पर नजर बनाए हुए है। इससे पहले, जब सीजफायर की घोषणा से जुड़ी खबरें सामने आई थीं, तब कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 16 प्रतिशत की भारी गिरावट देखी गई थी, जो पिछले छह वर्षों में सबसे बड़ी गिरावट मानी जा रही है। हालांकि राजनीतिक स्तर पर बयानबाजी तेज है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि समझौता नहीं हुआ तो अमेरिका और कड़ा रुख अपना सकता है। साथ ही उन्होंने बातचीत को ईरान के लिए 卐गोल्डन चांस卐 बताया है। बाजार की नजर अब स्ट्रे आफ होर्मुज पर टिकी हुई है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है। यदि यह समुद्री मार्ग सुरक्षित और खुला रहता है तो आपूर्ति स्थिर रह सकती है, जिससे कीमतों में राहत मिल सकती है। लेकिन अगर तनाव बढ़ा और मार्ग बाधित हुआ तो तेल की कीमतें फिर से 100 डॉलर प्रति बैरल के पार जा सकती हैं।

जेपी एसोसिएट्स अधिग्रहण विवाद में अदाणी समूह को संस्थापक का समर्थन

नई दिल्ली। एजेंसी। कर्ज के भारी बोझ से जूझ रही जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) के अधिग्रहण को लेकर बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। कंपनी के संस्थापक जयप्रकाश गौड़ ने अदाणी समूह के पक्ष में अपना समर्थन जताया है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब प्रतिद्वंद्वी वेदांता लिमिटेड इस अधिग्रहण प्रक्रिया को अदालत में चुनौती दे रही है। संस्थापक जेपी गौड़ ने स्पष्ट किया है कि कॉमिटी ऑफ क्रेडिटर्स (सीओसी) और रेजोल्यूशन प्रोफेशनल द्वारा संचालित दिवाला समाधान प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी रही है। उनके अनुसार, बहुमत के आधार पर लिया गया निर्णय सभी हितधारकों के लिए स्वीकार्य होना चाहिए। गौरतलब है कि पिछले वर्ष नवंबर में सीओसी ने लगभग 90 प्रतिशत वोटिंग के साथ अदाणी इंटरप्राइजेस लिमिटेड की 14,535 करोड़ रुपये की बोली को मंजूरी दी थी। इस प्रक्रिया में वेदांता लिमिटेड और डालमिया समूह ने भी भाग लिया था। बाद में 17 मार्च को एनसीएलटी की इलाहाबाद बेंच ने भी इस बोली को मंजूरी दे दी। हालांकि वेदांता ने 17,926 करोड़ रुपये की ऊंची बोली लगाई थी और अब उसने इस फैसले को एनसीएलएटी में चुनौती दी है। वेदांता का दावा है कि उन्हें पहले अनौपचारिक रूप से समर्थन मिला था, जिसे बाद में बिना कारण बदला गया। इसके बावजूद, संस्थापक जयप्रकाश गौड़ का कहना है कि वह सीओसी के निर्णय का सम्मान करते हैं और उन्हें विश्वास है कि गौतम अडानी के नेतृत्व में जेपी एसोसिएट्स नई दिशा में आगे बढ़ेगी। उन्होंने वेदांता की भागीदारी के लिए भी आभार जताया। जेपी पर लगभग 57,185 करोड़ रुपये के कर्ज के डिफॉल्ट के बाद जून 2024 में कॉरपोरेट इनसॉल्वेंसी रेजोल्यूशन प्रक्रिया शुरू हुई थी। कंपनी के पास रियल एस्टेट टाउनशिप, होटल, कमर्शियल प्रॉपर्टी और सीमेंट प्लांट जैसी कई बड़ी संपत्तियां मौजूद हैं।

मेष- आज का दिन आपके लिए मंगलमय रहेगा। संतान की परीक्षा के परिणाम आपको खुशी देंगे और कार्यक्षेत्र में आप लोगों का दिल जीतने में सफल होंगे। परिवार में एकजुटता बनी रहेगी और आय में वृद्धि से मन प्रसन्न रहेगा। हालांकि किसी परिवार सदस्य की सेहत आपको चिंता दे सकती है और मित्र निवेश को लेकर सुझाव दे सकते हैं। करियर में अच्छे मौके बनेंगे. व्यापार में भी स्थिति मजबूत रहेगी. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा और सभी का सहयोग मिलेगा. आप अपनी बात खुलकर रख पाएंगे।

वृषभ- आज का दिन उन्नति की राह पर बढ़ने का रहेगा। परिवार के लिए लिए गए निर्णय पर कभी-कभी पछतावा हो सकता है। किसी से बिना सोचे-समझे वादा न करें और वाणी में संयम रखें। रहन-सहन सुधारने की कोशिश करेंगे और मन की कोई इच्छा पूरी होने से प्रसन्नता का ठिकाना नहीं रहेगा। करियर और व्यापार में बेहतर प्रदर्शन करेंगे. आर्थिक स्थिति मजबूत होगी. परिवार में सुखद माहौल रहेगा. आप समझदारी और मेहनत से काम करेंगे।

मिथुन- आज का दिन मिलाजुला रहेगा। मेहनत का फल मिलेगा और बिजनेस में पार्टनर पर नजर रखना जरूरी होगा। निवेश करते समय सावधानी बरतें। रुके हुए काम पूरे होंगे। राजनीति में कदम रखने वालों को सतर्क रहना होगा, क्योंकि लोग आपकी छवि को चुनौती दे सकते हैं। कुछ उलझनें आ सकती हैं, लेकिन समझदारी से हल निकाल पाएंगे. लेन-देन में सावधानी रखें. निवेश और विदेश से जुड़े मामलों में सक्रिय रहेंगे।

कर्क- आज नई प्रॉपर्टी की खरीदारी लाभदायक होगी। कार्यक्षेत्र में मनपसंद काम मिलेगा और संतान के साथ पिकनिक की योजना बन सकती है। उधार लिया हुआ धन वापस लिया जा सकेगा। माता-पिता की सेहत पर थोड़ा ध्यान दें और परिवार में भाई-बहनों से चल रही खटपट का समाधान निकालेंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी बातों का असर दिखेगा. जीवन स्तर में सुधार होगा. नए लोगों से मुलाकात होगी और लाभ के अवसर मिलेंगे।

सिंह- आज का दिन धन-धान्य में वृद्धि लेकर आएगा। घर में नया वाहन लाना संभव है। जीवनसाथी आपके कामों में सहयोग देंगे। पिताजी से कार्यों पर बातचीत लाभकारी रहेगी। किसी काम को लेकर संशय है तो उसमें जल्दबाजी न करें। परिवार में नए मेहमान का आगमन खुशी लेकर आएगा। योजनाओं को आगे बढ़ाने में सफलता मिलेगी. करियर में संतुलन रहेगा. स्वास्थ्य पर ध्यान देना होगा. कुछ चिंताएं रह सकती हैं, लेकिन प्रयासों से सफलता मिलेगी।

कन्या- आज सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। कामों को कल पर न टालें और बॉस के सुझाव पर अमल करें। घर का रिनोवेशन शुरू हो सकता है और मांगलिक कार्यक्रम की तैयारियाँ चल सकती हैं। धार्मिक कार्यों में मन लगेगा और पुराने मित्र से मिलने की खुशी होगी। करियर और व्यापार में सफलता मिलेगी. रिश्तों में मजबूती आएगी. यात्रा के योग बनेंगे और मित्रों का साथ मिलेगा।

तुला- आज सोच-समझकर निर्णय लेने का दिन है। विद्यार्थी विदेश पढ़ाई के अवसर पा सकते हैं। सरकारी मामलों में लापरवाही से बचें। धन-धान्य में वृद्धि से मन प्रसन्न रहेगा। योजना बनाकर काम करें और दिखावे में न फंसें, नहीं तो समस्याएं बढ़ सकती हैं।

वृश्चिक- आज अचानक लाभ का दिन है। प्रॉपर्टी डील से अच्छा मुनाफा होगा और बिजनेस में बदलाव लाभदायक रहेंगे। माताजी से किसी बात को लेकर खटपट हो सकती है। वाहन सावधानी से चलाएं और अटका हुआ धन मिलने की पूरी संभावना है। कामकाज में सफलता मिलेगी. संपर्क मजबूत होंगे और नए अवसर मिलेंगे।

धनु- आज का दिन मौज-मस्ती भरा रहेगा। मित्र से सलाह लें और बिजनेस पार्टनरशिप लाभदायक रहेगी। जीवनसाथी नई नौकरी प्राप्त कर सकते हैं। परिवार में पार्टी का आयोजन माहौल खुशनुमा करेगा। घूमने-फिरने के दौरान महत्वपूर्ण जानकारी मिलेगी और विरोधी की बातों में न फंसें। बचत और निवेश पर ध्यान देंगे. धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

मकर- आज लेन-देन में समझदारी दिखाएं। आय और व्यय में संतुलन बनाए रखें। सहयोगी की बुरी बात से मन परेशान हो सकता है, लेकिन काम पर फोकस बनाए रखें। उन्नति के रास्ते पर बढ़ेंगे। शारीरिक समस्या है तो टेस्ट कराएं। आज अनुशासन जरूरी रहेगा. कामकाज में जिम्मेदारियां बढ़ेंगी. रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी।

कुंभ- आज का दिन बढ़िया रहेगा। अच्छे सोच का लाभ उठाएं और राजनीति में नया काम शुरू कर सकते हैं। आय-व्यय में संतुलन रखें। सहयोगी की बुरी बात से मन विचलित न हो और विरोधी की बातों में न आएं। परिवार में किए गए वादे पूरे करें। कार्यक्षेत्र में प्रगति होगी. रिश्तों में सुधार आएगा और सहयोग मिलेगा।

मीन- आज मन में काम को लेकर उथल-पुथल रहेगी, जिससे काम में देरी हो सकती है। कार्यक्षेत्र में झूठा आरोप लग सकता है। विद्यार्थी पढ़ाई में लापरवाही न करें। संतान से किए वादे पूरे करें। पुराना कर्ज चुका सकेंगे और धन-धान्य में वृद्धि होगी। करियर में सफलता मिलेगी. नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी और कार्यक्षमता में सुधार होगा।

शब्दजाल- 8227

शब्दजाल में करीना कपूर की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

ऐ	म	मा	अ	शो	का	म	न	ह	क	रा
हा	त	सू	ह	री	ल	जी	स	ल	का	ज
चु	वी	रा	द	अं	फ्यु	त	र	म	ल	टी.
प	र	दा	ज	ल	क	जी	ओ	मु	व	त
चु	अ	न	ष	ल	म	मी	छ	झे	सी	ला
प	मी	ज	स	जि	स्वा	क	प	कु	गु	श
के	ह	बु	न	टी	म	मी	टे	छ	हा	ण
न	पू	सु	पा	बी	पं.	सौ	ल	क	ना	स
मों	रे	क	सू	ह	ग	ने	ने	हा	न	त
आ	प	बे	व	फा	दी	र	ह	ना	क	थ
दो	स्ती	न	प	द	न	इ	ह	है	ह	धी

ऐतराज, अशोका, चुप चुप के, दोस्ती, बेवफा, तलाश, अजनबी, मुझे कुछ कहना है, रीफ्युजी, ओमकारा.

शब्दजाल - 8226 का हल

अ	व	र	नो	ए	व्री	स	प	ला	नी	का
धु	है	क	ज	इं	डे	ने	ह	इं	म	ल
म	क्या	दि	ल	ने	क	हा	ड	सा	प	नि
हु	रा	ल	मा	ज	ल	स	रा	न	इ	ही
को	ई	मे	रे	दि	ल	से	पु	छे	क	नि
द	जे	कि	र	क	पा	का	म	न	रि	या
शी	मा	दे	प्या	व	था	य	अ	म	क	ती
द	दे	श	रे	न	प	य	यु	घु	व	ला
स	दि	ल	मो	ले	दा	र	जा	वा	वी	दे
क्षि	ज	ति	ह	हि	द	ह	मा	द	ल	र
त	र	सु	न	मा	स्व	रा	ज	त	र	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 7171

बायें से दायें:-

१. अशोककुमार, नूतन, धर्मेन्द्र की 'ओ जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
४. गोविंदा, शिल्पा शेट्टी की 'स्पॉप दैट मेरी मर्जी' गीत वाली फिल्म-४
७. 'आज गालो मुस्कुरालो' गीत वाली राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की फिल्म-३
८. फिल्म 'कभी कभीण' में ऋषिकपूर के साथ किस की जोड़ी थी-३
१०. १९७१ में आई अमिताभ, योगिता बाली का एक फिल्म-४
१३. 'कभी शाम ढले' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-३
१७. 'शादी के लिये रजामंद' गीत वाली फिल्म-२
१९. सैफ अली, काजोल की फिल्म-३
२१. अनिलधवन, नीतू सिंह की 'तेरी गलियों में ना' गीतवाली फिल्म-३
२३. 'तु मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-२
२४. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
२५. अनिलकपूर, माधुरी की 'खत लिखना है' गीतवाली फिल्म-२
२७. राजीव, डिम्पल की फिल्म-२
२८. संजयदत्त, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की फिल्म-२
३०. 'तसवीर तेरी दिल में' गीत वाली देवआनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
३२. फिल्म 'हम तो मुहब्बत करेगा' में बॉबी देओल के किरदार का नाम-२
३४. 'देखें भी तो क्या' गीत वाली फिल्म-२
३५. 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३६. दिलीपकुमार, वैजयंतीमाला की 'तेरे हुस्न की क्या' गीत वाली फिल्म-३
३७. फिल्म 'अलग-अलग' में राजेश खन्ना की नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'तेरे नैना मेरे नेनों की' गीत वाली फिल्म-३
२. फिल्म 'खुदगर्ज' में नायिका कौन थी-३
३. अनिलकपूर, माधुरी नम्रता की फिल्म-३
५. 'सैंया दिल में आना रे' गीतवाली फिल्म-३
६. फिल्म 'बारूद' में अक्षय की नायिका-३
९. बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
१०. 'जरा तसवीर से तू' गीत वाली फिल्म-४
११. 'एक दूजे के लिए' में कमल हासन के किरदार का क्या नाम था-२
१२. फिल्म 'चोर मचाए शोर' में नायक-२
१४. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'शीशा हो या दिल हो' गीत वाली फिल्म-२
१६. सुनील शेट्टी, सोनाली की 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
२०. 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२३. फिल्म 'निकाह' की नायिका-३
२४. राज कपूर, नर्गिस की 'दम भर जो उधर' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'जब ना माना दिल' गीत वाली कमल सदाना, काजोल की फिल्म-३
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'मेरा पिया' गीत वाली माधुरी की फिल्म-३
३३. विक्रम, लक्ष्मी की 'दिल क्या करे जब किसी को' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7170

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

13 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मीन में	मेष	05.49 बजे से
चंद्र	कुंभ में	वृष	07.29 बजे से
मंगल	मीन में	मिथुन	09.27 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	11.40 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	13.56 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.08 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.19 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	20.34 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	22.50 बजे से
राहुकाल		मकर	00.55 बजे से
7.30 से 9.00		कुंभ	02.41 बजे से
बजे तक		मीन	04.14 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 103 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** एकादशी 01.09 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** धनिष्ठा 16.04 बजे को समाप्त। **योग** शुभ 17.17 बजे को समाप्त। **करण** बव 13.19 बजे तदनन्तर बालव 01.09 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 08° 58'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872678
जूलियन दिन 2461143.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल **तारीख** 24
विशेष वरूथिनी एकादशी, वल्लभाचार्य जयंती, जलियॉवाला बाग दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः अधूरा ज्ञान

काशी के एक आश्रम में शिक्षा पूरी करने के बाद एक शिष्य वहां के राजा के पास गया और कहा, राजन् मैंने अपनी शिक्षा पूरी कर ली है और अब मैं समस्त शास्त्रों का ज्ञाता हूं। आप मुझे अपना गुरु बना लें। मैं आपको भागवत सहित सभी धर्मशास्त्रों की दीक्षा दूंगा। राजा ने कहा, वत्स, मैं भागवत के रहस्यों का मर्म तो समझना चाहता हूं लेकिन मेरे विचार से आप अभी इतने पारंगत नहीं हुए हैं कि आप मुझे दीक्षा दे सकें। मेरी राय में आपको अभी और अध्ययन की आवश्यकता है। उसके बाद आपको गुरु बना कर मुझे खुशी होगी। यह सुनकर विद्वान ब्राह्मण को बहुत आश्चर्य हुआ। उसने सोचा कि राजा ने बिना परीक्षा किए ही मेरी विद्वता पर उंगली उठाई है। निराश होकर वह लौट आया। उसने यह बात अपने गुरु से कही। गुरु ने कहा, राजा ने अवश्य कोई कमी देखी होगी, तभी ऐसा कहा है। वह आश्रम में रहकर फिर से अध्ययन करने लगा। थोड़े दिन के बाद पुनः राजा के पास जाकर उसने गुरु बनने की इच्छा जताई। इस बार भी राजा ने कहा, वत्स अभी आपका ज्ञान अधूरा है। इस बार भी विद्वान ब्राह्मण निराश होकर लौट आया और फिर से धर्म ग्रंथों का अध्ययन करने लगा। इस बार उसे भागवत तथा अन्य शास्त्रों का गूढ़ अर्थ समझ में आ गया। अब उसके मन से राजा का गुरु बनने की इच्छा खत्म हो गई। वह फिर राजा के पास नहीं गया। थोड़े दिन के बाद राजा स्वयं ब्राह्मण के पास आए और कहा, मुनिवर, मेरा विचार है कि अब आप भागवत का गूढ़ अर्थ समझ गए हैं। अब मुझे आपका शिष्य बन कर खुशी होगी। शिष्य ने कहा, राजन, आपकी बात सच थी। मैं हर बार अधूरा ज्ञान लेकर आपको अपना शिष्य बनाने की इच्छा करता था। अब मुझे शास्त्रों का गूढ़ अर्थ समझ में आ गया है। इसलिए अब आपका गुरु बनने की मेरी इच्छा भी खत्म हो गई है। अब तक अधूरा ज्ञान लेकर स्वार्थवश आपके पास आता था। अब मुझे ज्ञान हो गया है कि ज्ञान बेचने की वस्तु नहीं है। वह लोगों तक पहुंचाने की चीज है।

सूडोकु नवताल- 7480

★☆☆☆☆ सरल

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भर जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7479 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8695

बाएँ से दाएँ

1. जंगल की आग-4
4. अयोग्य, नालायक-4
6. बंदर का खेल दिखाने वाला-3
8. तैयार होना-3
9. जीभ, जिव्हा-3
11. पाश, फंदा, -2
13. नामकरण करना-2,3
15. मेरा(सं.-2)
16. खाद्य सामग्री-3
18. तहत-3
19. कक्ष, रूम-3
20. भरोसा, विश्वास-4
22. सचेत, होशियार-4

ऊपर से नीचे

1. दागी, धब्बेवाला-4
2. गीलापन, तर होना-2
3. दुनिया, जगत-3
4. अदा, हाव-भाव-5
5. भरा हुआ-4
7. टपकना, गिरना-3
10. नाम रखना-5
12. एकमत-4
14. भक्षक, विनाशकारी-3
17. खारा, क्षारीय-4
18. वन, जंगल-3
21. लाश, मुर्दा, मृतक-4

शब्द पहेली -8694 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

पात्रता परीक्षा के विरोध में शिक्षकों ने रैली निकालकर मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। लांजी। शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता को लेकर देशभर में शिक्षकों के बीच नाराजगी और विरोध का माहौल लगातार गहराता जा रहा है। कई राज्यों में शिक्षक संगठन इसे अपने हक़ और वाजिब मांगों के खिलाफ मानते हुए मुखर विरोध जता रहे हैं। इसी कड़ी में जिले की लांजी तहसील में भी अध्यापक-शिक्षक संयुक्त मोर्चा ने एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद की। शिक्षकों का कहना है कि वर्षों से सेवा दे रहे कर्मियों पर दोबारा परीक्षा का दबाव डालना नाइंसाफी है, जिससे वे मानसिक दबाव और असमंजस की स्थिति में हैं। अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा, विकासखंड लांजी जिला बालाघाट के बैनर तले समस्त शिक्षक संगठनों ने शनिवार को रैली निकालकर एसडीएम कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में शिक्षक पात्रता परीक्षा को अनिवार्य बनाए जाने के हालिया आदेशों को तत्काल निरस्त करने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई। ज्ञापन के अनुसार, आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल द्वारा 2 मार्च 2026 एवं आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग द्वारा

28 मार्च 2026 को जारी आदेशों से प्रदेश के नॉन-टीईटी शिक्षकों को परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य किया गया है, जिससे शिक्षक वर्ग में भारी असंतोष और बेचैनी व्याप्त है। मोर्चा ने मांग की है कि इन आदेशों को तुरंत रद्द किया जाए तथा राज्य शासन की ओर से माननीय सर्वोच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर की जाए, ताकि शिक्षकों के हितों की हिफाज़त हो सके। इसके साथ ही नवीन शैक्षिक संवर्ग के शिक्षकों की लंबे समय से लंबित मांग को दोहराते हुए सेवा अवधि की गणना प्रथम नियुक्ति दिनांक से किए जाने की मांग भी रखी गई। शिक्षकों का कहना है कि इससे पेंशन, ग्रेच्युटी, अवकाश नगदीकरण एवं पदोन्नति जैसे वैधानिक लाभ सुनिश्चित हो सकेंगे। शिक्षक संघ ज्ञापन सौंपने से पहले बीआरसी कार्यालय से सैकड़ों शिक्षकों की रैली निकाली गई, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंची। इस दौरान शिक्षकों ने एकजुटता का परिचय देते हुए अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की। गौरतलब है कि इससे पूर्व 8 मार्च को भी हजारों शिक्षकों ने जिला मुख्यालय में भी बालाघाट कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा था। शिक्षकों द्वारा किए जा रहे लगातार विरोध से साफ है कि टीईटी अनिवार्यता का मुद्दा अब व्यापक आंदोलन का रूप लेता जा रहा है और यदि समय रहते इस पर संजीदगी से गौर नहीं किया गया, तो यह आंदोलन और भी तेज हो सकता है। उक्त प्रदर्शन में आजाद अध्यापक संघ, राज्य शिक्षा संघ, प्रांतीय शिक्षक संघ, मध्यप्रदेश कर्मचारी कांग्रेस, मध्यप्रदेश शिक्षक संघ, अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा, मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ, शासकीय शिक्षक संघ के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य गणो के द्वारा उपस्थित होकर ज्ञापन सौंपा गया।

बोलेगांव के सरकारी स्कूल में तोड़-फोड़

कक्षा में लगी स्मार्ट टीवी को पत्थर और शराब की बोतलों से तोड़ा

पद्मेश न्यूज। लांजी। ग्राम बोलेगांव में स्थित सांदीपनि शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय (माध्यमिक विभाग, कैंपस-2) में तोड़-फोड़ की घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। 8 अप्रैल के रात्रि में अज्ञात व्यक्तियों ने स्कूल की कक्षा 8वीं के कमरे की खिड़की का एक पल्ले को तोड़ कर कमरे में लगी सरकारी संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाया। 9 अप्रैल 2026 की प्रातः 10 बजे जब शिक्षक, विद्यार्थी और स्टाफ स्कूल पहुंचे तो उन्होंने देखा कि कक्षा में लगे स्मार्ट टीवी/स्मार्ट बोर्ड को पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। साथ ही कक्षा की एक खिड़की का पल्ला भी गायब था।

प्राचार्य बी आर गुरदे ने पुलिस में शिकायत करते हुए बताया कि बदमाशों ने खिड़की का एक पल्ला तोड़कर शराब की खाली बोतलें तथा पत्थर फेंक-फेंककर स्मार्ट बोर्ड को जानबूझकर तोड़ दिया। घटनास्थल पर शराब की कई खाली बोतलें और पत्थर बिखरे पड़े मिले, जिससे साफ संकेत मिलता है कि यह नशेड़ियों द्वारा की गई शरारत है। इस घटना से स्कूल की सरकारी संपत्ति को काफी नुकसान पहुंचा है, जिसके कारण शैक्षणिक कार्य भी प्रभावित हो रहा है। प्राचार्य बी आर गुरदे ने थाना लाजी में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। विद्यालय प्रबंधन और स्थानीय नागरिकों ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। उन्होंने मांग की है कि सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले असामाजिक तत्वों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोहराई न जाएं।

विद्याभारती बाल भाऊ देवरस सरस्वती शिशु मंदिर कारंजा ने प्रारंभ किया सीबीएसई पाठ्यक्रम

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम कारंजा में संचालित विद्याभारती बाल भाऊ देवरस सरस्वती शिशु मंदिर आवासीय विद्यालय कारंजा विद्यालय में शिक्षण कार्य हेतु सीबीएसई पाठ्यक्रम के पुस्तकों द्वारा पठन पाठन का कार्य कराया जाऐगा। जिससे भैया बहनों के सर्वांगीण विकास विकास में सहायक होगा, उक्त अवसर पर विद्यालय समिति के अध्यक्ष लालाराम नंदनवार, व्यवस्थापक सचिन अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्यामराव राखड़े, उपाध्याय डॉ देवेश ऐड़े, मंशाराम बिलथरे , प्राचार्य चुन्नीलाल बोपचे सहित समस्त आचार्य परिवार एवं भैया बहनों के उपस्थिति में (एसीईआरटी) आधारित सी बी एस ई पाठ्यक्रम के पुस्तकों का श्री गणेश किया गया। उक्त अवसर पर उपाध्याय डॉ. देवेश ऐड़े द्वारा भैया बहनों को अवगत कराया कि यह पाठ्यक्रम देश के किसी भी कोने में रहने वाले प्रतिभागी को प्रतियोगी परीक्षाओं में इस पाठ्यक्रम का लाभ मिलता रहेगा। श्यामराव राखड़े कोषाध्यक्ष ने कहा कि यह पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अन्तर्गत गतिविधि आधारित आनंददायी एवं खेल खेल में शिक्षण पर आधारित सहायक शिक्षण सामाग्री के माध्यम से पढ़ाने पर जोर दिया गया है जिससे छात्र छात्राओं में रटने की अपेक्षा समझने में सहायक सिद्ध होगा। अंत में प्राचार्य चुन्नीलाल बोपचे द्वारा सभी अतिथियों का आभार व्यक्त कर सीबीएसई पाठ्यक्रम के विषय में छात्र छात्राओं आवश्यक एवं उपयोगी जानकारी से अवगत कराया गया।

घोटी (नन्दोरा) में धूमधाम से मनाई महात्मा ज्योतिबा फुले जी की जयंती

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम घोटी नन्दोरा में 11 अप्रैल 2026 को क्रांतिसूर्य महात्मा ज्योतिबा फुले जी की जयंती बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर गांववासियों ने महान समाजसुधारक महात्मा फुले के जीवन, विचारों और योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में लांजी-किरनपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजकुमार करहिे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने महात्मा ज्योतिबा फुले जी को श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि फुले जी ने शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में जो क्रांतिकारी कार्य किए, वे आज भी प्रासंगिक हैं। विधायक जी ने स्थानीय लोगों से फुले जी के विचारों को अपनाकर समाज में समानता और भाईचारे को बढ़ावा देने की अपील की। इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य दुलीचंद राजनीरे, घोटी के सरपंच श्रीचंद कामड़े, भारतीय जनता पार्टी मण्डल लांजी के महामंत्री तुकाराम बारेकर सहित सेवकराम जी आसटकर, तिलकचंद कौशल, रवि चौधरी, मृत्युंजय पांचे, पीतमलाल सोनवाने, लखाराम वाघाडे, टी सी पांचे, उदेलाल वाघाडे, अशोक मानकर, सूरज दीन गुप्ता, दिनेश रंधाये, दुर्गेश रंधाये, प्यारेलाल दादरे, परमेश्वर नागफांसे सहित ग्रामीणजन बड़ी संख्या में शामिल हुए और महात्मा फुले जी की जयंती को यादगार बनाने में अपना योगदान दिया। इस आयोजन के दौरान महात्मा ज्योतिबा फुले जी के सामाजिक सुधार, दलित-शोषित वर्गों के उत्थान, लड़कियों की शिक्षा और जाति-व्यवस्था के खिलाफ उनके संघर्ष की चर्चा की गई। उपस्थित जनों ने फुले जी के आदर्शों को अपने दैनिक जीवन में अपनाने और समाज को शिक्षित, जागरूक तथा समानता पर आधारित बनाने का संकल्प

छात्र छात्राओं ने पक्षियों के लिए बांधे जल पात्र

पद्मेश न्यूज। लांजी। वर्तमान में बढ़ती गर्मी और जल संकट के बीच पक्षियों के संरक्षण के लिए जन अभियान परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखंड लांजी के समाज कार्य में स्नातक एवं स्नातकोत्तर के छात्र छात्राओं के द्वारा सेक्टर 01 लांजी में अपने प्रयोगशाला ग्रामों एवं वार्ड में पक्षियों के लिए पेयजल की व्यवस्था करते हुए ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के अनेकों स्थानों पर सकोरे (जल पात्र) लगाने का सराहनीय कार्य निरन्तर संचालित है। छात्र छात्राओं के इस पुनीत कार्य से अनेकों युवाओं को प्रेरणा देने का भी कार्य किया जा रहा है उक्त कार्य उन्होंने विकासखण्ड समन्वयक संतोष नगपुरे एवं परामर्शदाता संदीप रामटेककर के मार्गदर्शन में संपन्न किया। इस दौरान विभिन्न स्थानों, पेड़ों एवं घरों के आसपास पक्षियों के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की गई। इसी क्रम में छात्रा वैशाली बनवारी ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण में पक्षियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, इसलिए उनका संरक्षण बेहद आवश्यक है। लगातार बढ़ते तापमान के कारण जल के अभाव में कई पक्षियों की मृत्यु हो जाती है, जिसे रोकने के लिए यह एक छोटा लेकिन प्रभावी प्रयास है।

छात्र छात्राओं ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि हर व्यक्ति अपने घर की छत या पेड़ों पर पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करे, ताकि इस भीषण गर्मी में परिंदों को राहत मिल सके। यह पहल न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सकारात्मक कदम है, बल्कि समाज में जागरूकता फैलाने का भी प्रेरणादायक उदाहरण बन रही है।

लांजी में "पद्मेश"

इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें

Mo. 8319969927

4 दिवसीय समानता पर्व शुरु, महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती से अंबेडकर जयंती तक रोजाना होंगे आयोजन

सार्वजनिक समिति ने नगर में निकाली मोटरसाइकिल रैली

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शनिवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसीलो व ग्रामीण अंचलों में शिक्षा के अग्रदूत राष्ट्रपिता महात्मा ज्योतिबा फुले की 199 वी जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई।जहां जयंती विशेष पर जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कर महात्मा ज्योतिबा फुले को याद किया गया। इसी कड़ी में नगर में प्रतिवर्ष की तरहा इस वर्ष भी महात्मा ज्योतिबाफुले एंव बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर सार्वजनिक जयंती समारोह समिति बालाघाट द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा ज्योतिबाफुले जी की जयंती उत्साह पूर्वक मनाई गई। जिसके साथ ही जन्म जयंती पर 11 से 14 अप्रैल तक आयोजित 4 दिवसीय समानता पर्व की शुरुवात हो गई।जहां जयंती विशेष के अवसर पर सामाजिक बंधु अम्बेडकर चौक में एकत्र हुए, जिन्होंने झंडा वंदन कर महात्मा ज्योतिबा फुले के छायाचित्र पर माल्यापर्ण किया।वही छायाचित्र समीप मोमबत्ती जलाकर उन्हें याद किया गया।जिनके समाज मे दिए गए योगदान को याद करते हुए, उपस्थितजनों ने उन्हें श्राद्धाजंली दी वही महात्मा ज्योतिबा राव फुले की जय जयकार कर डा भीमराव अंबेडकर और महात्मा ज्योतिबाफुले की शान में नारे लगाए,जिसके उपरांत नगर के अंबेडकर चौक से सरेखा चौक तक मोटरसाइकिल रैली निकाली गई।जहा माल्यार्पण सहित अन्य कार्यक्रम सम्पन्न कराए गए तो वही 11 अप्रैल शनिवार की शाम करीब 7 बजे नगर के अंबेडकर चौक में मंचीय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।जिसमें स्थानीय व बाहर से आए विभिन्न वक्ताओ ने दिन विशेष पर अपने विचार व्यक्त किए,वहीं सामाजिक बंधुओ को विभिन्न विषयों पर संबोधित कर समाज संगठन को मजबूत बनाने व सभी को मिलजुलकर संगठित रहने की बात कही गई।इसके अलावा नगर में समानता पर्व पर रोजाना आयोजित इस 4 दिवसीय कार्यक्रमो में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेने और कार्यक्रम को सफल बनाने की भी अपील की।

समता भवन में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन आज

शनिवार 11 अप्रैल से शुरू इस 4 दिवसीय समानता पर्व के दौरान आज रविवार 12 अप्रैल को पंचशील बौद्ध विहार समता भवन बूढ़ी में बहुजन महापुरुषों के जीवन व आंदोलन पर सामान्य ज्ञान परीक्षा का आयोजन किया जाएगा ,तो वही चित्रकला, मेहंदी, रंगोली, गीत, कविता, भाषण, फैंसी ड्रेस सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों के आयोजन सुबह से देर शाम तक संपन्न कराए जाएंगे।वही विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कारो का वितरण कर देर शाम कार्यक्रमों का समापन किया जाएगा।

आतिशबाजी कर मनाई जाएगी बाबा साहेब की जयंती

सार्वजनिक जयंती समारोह समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि कल सोमवार 13 अप्रैल को शाम 4 बजे आंबेडकर चौक से मोटर साइकिल रैली निकाली जाएगी, जो अंबेडकर चौक से हनुमान चौक ,वहां से बाईपास रोड होते हुए संविधान चौक, वहां से बस स्टैंड रानी अवंती बाई चौक, वहां से बिरसा मुंडा चौक , जय स्तंभ चौक जाएगी।जहां जय स्तंभ चौक से होकर यह रैली सीधे अंबेडकर चौक पहुंचेगी। जहां इस रैली का समापन किया जाएगा।जिसके बाद शाम 07 बजे से बहुजन महापुरुषों पर आधारित गीतों पर नवरंग लावनी एवं आर्केष्ट्रा का आयोजन स्थानीय उत्कृष्ट स्कूल मैदान में किया जाएगा। जिसके बाद रात के 12 बजते ही व 14 अप्रैल के शुरु होते ही भव्य आतिशबाजी कर, बाबा साहेब आंबेडकर की जयंती मनाई जाएगी।जिसके बाद 14 अप्रैल दिन मंगलवार सुबह 8 बजे विभिन्न स्थानों से झांकिया व रैलियां स्थानीय आंबेडकर चौक पहुंचेगी। यहां पर बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर, सामूहिक बुद्ध वंदना पूज्य भंते धम्मशिखर द्वारा की जाएगी। इसके उपरांत आल इंडिया समता सैनिक एवं समता सैनिक दल द्वारा मार्चपास्ट कर ,सलामी दी जाएगी।जिसके बाद विभिन्न वार्डों से आई झांकियो एवं रैली का स्वागत वंदन किया जाएगा और प्रात करीब 10 बजे बाबासाहेब आंबेडकर चौक से भव्य रैली नगर भ्रमण के लिए निकलेगी, जो नगर के विभिन्न मार्गो का भ्रमण करते हुए वापस डॉ. अंबेडकर चौक पहुँचेगी।जहां इस रैली का समापन किया जाएगा।तो वही नगर के उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में भोजनदान कार्यक्रम संपन्न कराया जाएगा।वहीं 14 अप्रैल शाम 7 बजे से नगर के उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में मंचीय कार्यक्रम कराए जाएंगे। इसके उपरांत मिशनरी कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।जिसमें बालाघाट सहित विभिन्न जगहों से आने वाले कवि अपनी विभिन्न रचनाओं की प्रस्तुति देंगे। जिसका देर रात समापन किया जाएगा।

14 अप्रैल तक रोजाना सम्पन्न कराए जाएंगे विभिन्न कार्यक्रम- पंकज

महात्मा फूले एवं बाबा साहेब आंबेडकर जयंती समारोह को लेकर सार्वजनिक जयंती समारोह समिति के अध्यक्ष पंकज डोंगरे ने बताया कि इस वर्ष जयंती समारोह को समानता पर्व के रुप में मनाया जा रहा है।जिसकी शुरुवात आज शनिवार 11 अप्रैल से की जा चुकी हैं,आज सामाजिक क्रांति के जनक राष्ट्रपिता ज्योतिबा फूले की जयंती, समारोह पूर्वक मनाई गई है। इसके तहत नगर के अंबेडकर चौक से सुबह 9:15 बजे सामाजिक बन्धुओ द्वारा भव्य बाइक रैली निकाली गई यह रैली डॉ. अंबेडकर चौक से हनुमान चौक होते हुए सरेखा चौक पहुंची, जहां पर महात्मा फुले की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर, जयकारे लगाए गए। वही ज्योतिबा राव फुले की जीवनी पर प्रकाश डालकर उनके बताए हुए मार्ग पर चलने का लिया संकल्प है।वही शाम को भी अंबेडकर चौक में मंचीय कार्यक्रम कर प्रथम दिवस आयोजित कार्यक्रम सम्पन्न कराए गए है।कार्यक्रमों यह दौर 14 अप्रैल देर रात तक जारी रहेंगे।

किरनापुर हिर्री निवासी प्रदीप सेन ने हासिल की पीएचडी उपाधि, ग्राम मे हर्ष का माहौल

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। बालाघाट जिले के किरनापुर तहसील के अन्तर्गत हिरी ग्रामवासी प्रदीप सेन ने अपनी शैक्षणिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए राजनीति विज्ञान विषय में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है इस उपलब्धि से उनके माता-पिता कुॅवरचन्द सेन उमा सेन भाई कुलदीप सेन ,पढ़ाई के सफर में साथ देने वाले गुरु एवं स्काउट मास्टर मकबूल मोहम्मद कुरेशी शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय किरनापुर के प्राचार्य अनिता तारन, शिक्षक सुरेन्द्र चित्रीव, घनश्याम रामटेके, धनराज पट्टावी, वन्दना पटले एवं समस्त स्टाफ तथा समस्त ग्रामवासियों में खुशी का माहौल है ।उन्होंने कहा कि आपकी कड़ी मेहनत,लग्न और समर्पण रंग लाई है यह उपलब्धि आपके उज्जवल भविष्य कि शुरुआत है आप भविष्य में भी इसी तरह सफलता कि नई ऊंचाइयों को छुते रहे आपका यह शोध समाज में सकारात्मक योगदान देगा आपने यह साबित कर दिया

कि समर्पण से कुछ भी हासिल किया जा सकता है ।प्रदीप सेन ने अपना शोध कार्य जबलपुर विधानसभा चुनाव 2023 एवम् आम चुनाव 2024 मे सोशल मीडिया कि भुमिका विषय पर सफलतापूर्वक संपन्न किया उनके शोध में वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में सोशल मीडिया के प्रभाव का गहन विश्लेषण किया गया है जिसे विशेषज्ञों द्वारा सहराया गया अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, रिसर्च गाइड प्रोफेसर रंजना मिश्रा, प्रेरणा देने वाले शिक्षक मकबूल मोहम्मद कुरेशी एवं मित्रों को दिया जिनके सहयोग एवं मार्गदर्शन से यह उपलब्धि संभव हो सकी। विदित हो कि शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय किरनापुर से अपनी विधालयीन शिक्षा पुर्ण की तथा इसी विद्यालय से मकबूल मोहम्मद कुरेशी स्काउट मास्टर के कुशल मार्गनिर्देशन में 2005 में स्काउट गाइड राज्य पुरस्कार भुतपुर्व राज्यपाल महामहिम राज्यपाल बलराम जाखड़ एवं 2007मे राष्ट्रपति अवार्ड भुतपुर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय महामहिम एपीजे अब्दुल कलाम के हस्ते प्राप्त किया हुआ था। प्रदीप सेन की इस उपलब्धि पर समस्त ग्रामवासियों में खुशी कि लहर व्याप्त है उन्होंने कहा कि आप भी इसी तरह कामयाबी कि मंजलि कि ओर बढ़ते रहिए।

विश्व होम्योपैथिक दिवस पर हर्षोल्लास के साथ मनाई गई डॉ सैमुअल हैनिमैन जी की जयंती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी होम्योपैथी चिकित्सक संघ बालाघाट द्वारा 10 अप्रैल को विश्व होम्योपैथिक दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।होम्योपैथी के जनक डॉ सैमुअल हैनिमैन जयंती अवसर पर मनाए गए होम्योपैथिक दिवस पर संघ द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ परेश उपलप एवं कार्यक्रम में अध्यक्ष के रूप में राष्ट्रीय स्वयं संघ के जिला प्रमुख वैभव कश्यप उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. सैमुअल हैनिमैन के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर मां सरस्वती की वंदना के साथ किया गया। कार्यक्रम में आए अतिथियों का स्वागत करते हुए संगठन के अध्यक्ष डॉ वीरेंद्र दीक्षित द्वारा होम्योपैथिक चिकित्सकों को फील्ड में आने वाली परेशानियों से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को अवगत कराते हुए अपने चिकित्सीय अनुभव को सभी चिकित्सकों के साथ साझा किया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में उपस्थित जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र के जिला प्रमुख राजा राम चक्रवर्ती ने स्वयं एवं

स्वयं के परिवार को होम्योपैथिक दवाइयां से होने वाले स्वास्थ्य लाभ के विषय में अपने अनुभवों को साझा किया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. परेश उपलप ने होम्योपैथी चिकित्सकों को पंजीयन सहित किसी भी प्रकार की क्लीनिक संचालन में होने वाली परेशानियां पर शीघ्र कार्रवाई करने का आश्वासन देते हुए कहा कि कोविड जैसे समय में आपके द्वारा जनता के लिए किए गए निस्वार्थ कार्य बहुत ही सराहनी है साथ ही होम्योपैथी के चिकित्सकों के सामने बालाघाट में दूरस्थ अंचलों में निशुल्क स्वास्थ्य कैंप का आयोजन करने का सुझाव दिया।जिसमें सभी चिकित्सकों ने एक स्वर में इस सुझाव पर अपनी सहमति प्रदान की कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रमुख वैभव कश्यप ने कहा की होम्योपैथिक चिकित्सकों के द्वारा कम संसाधनों एवं कम लागत में उच्च गुणवत्ता की चिकित्सा सेवा देना ईश्वरी सेवा के समान है।उनके द्वारा बालाघाट में होम्योपैथी के क्षेत्र में हुई निरंतर वृद्धि को रेखांकित किया गया।कार्यक्रम में राजन भारद्वाज के द्वारा निकट भविष्य में थायराइड जैसी बीमारियों पर निशुल्क होम्योपैथी का कैंप आयोजन किए जाने का सुझाव दिया गया, जिस पर चिकित्सक संघ ने सर्वसम्मति से इसका समर्थन करते हुए शीघ्र ही मेगा कैंप लगाने पर सहयोग करने की बात कही। आयोजित कार्यक्रम के दौरान डॉ एमके शुक्ला, डॉ भुनेश भारद्वाज, डॉ राजेश रणदीवे, डॉ रवि श्रीवास, डॉ राजेश पारधी, डॉ ज्वेनिल पटले, नवीन सोनवाने, डॉ जितेंद्र भंडारकर, डॉ प्रमोद बिसेन, डीआर भरने, नितेश कोरे, डॉ रवि कवाडे, डॉ रश्मि श्रीवास, डॉ सविता पालीवाल, डॉ पायल एवं डॉ अंबिका अरोड़ा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन डॉ जेपी सुनहरी के द्वारा आए हुए अतिथियों का आभार प्रदर्शन के साथ हुआ,कार्यक्रम का सफल संचालन संगठन के सचिव डॉ सुशांत शुक्ला एवं डॉ प्रभात घुले के द्वारा किया गया।

नाव हादसा : पंजाब प्रशासन की टीम ने किया घटनास्थल का निरीक्षण, घायलों का जाना हाल

मथुरा। मथुरा में यमुना नदी में हुए नाव हादसे के बाद हालात गंभीर हैं। शनिवार को पंजाब से प्रशासन की एक टीम वृंदावन पहुंची, जहां उन्होंने हादसा स्थल का निरीक्षण किया और घायलों का हाल जाना। साथ ही लापता लोगों के लिए चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन की स्थिति भी देखी। पंजाब से आए तहसीलदार ने बताया कि उनकी टीम यहां अपने क्षेत्र के लोगों की मदद के लिए पहुंची है। उन्होंने कहा कि जो लोग अस्पताल में भर्ती हैं, उनकी देखभाल करना उनकी पहली प्राथमिकता है। अगर किसी भी तरह की जरूरत होगी तो प्रशासन हरसंभव मदद करेगा।

उन्होंने कहा कि स्थानीय अधिकारियों से बातचीत की है, लेकिन फिलहाल फोकस घायलों के इलाज और उनकी स्थिति सुधारने पर है। बता दें यह हादसा शुक्रवार दोपहर वृंदावन के केसी घाट पर हुआ था, जब श्रद्धालुओं से भरी एक नाव अचानक पलट गई। इस हादसे में 11 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। जान गंवाने वालों में लुधियाना का एक ही परिवार शामिल है, जिसने अपने 7 सदस्यों को इस हादसे में खो दिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अब तक 20 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित बचा लिया है, जिसमें कुछ लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, लेकिन अभी भी कुछ लोग लापता बताए जा रहे हैं। उनकी तलाश की जा रही है। सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर मौजूद हैं और राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। इसके अलावा स्थानीय गोताखोरों की भी मदद ली जा रही है।

शोषित,पीड़ित समाज मे शिक्षा की अलख जगाने मे फूले दंपति का रहा अविस्मरणीय योगदान

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। महान समाज सुधारक एवं शिक्षा क्रांति के जनक ज्योतिबा राव फूले की 199 वीं जयंती जगह जगह बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास से मनाई गई। किरनापुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम केशा मे मरार माली समाज स्थाई ग्रामीण शाखा अध्यक्ष दल्लूजी पांचें की अध्यक्षता में प्रात: समय मे सर्वप्रथम महात्मा ज्योतिबा फुले एवं राष्ट्रमाता सावित्री बाई फुले की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजन किया गया। तत्पश्चात् ग्राम के बुजुर्गों एवं वरिष्ठ नागरिकों स्वागत सम्मान किया गया। इस दौरान अतिथि वक्ताओं द्वारा ज्योतिबा फुले एवं माता सावित्री बाई फुले के संघर्षमय जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए बताया कि फूले जी ने शिक्षा के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान देते हुए कार्य किए हैं। खासकर महिलाओ को शिक्षित करने के लिए अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ा। हम सभी को फूले दंपति के आदर्शों से प्रेरित होकर कार्य करना चाहिए जिससे समाज का हर वर्ग अपने हक अधिकारों के लिए आगे बढ़ सके। और समाज में सभी को बराबरी मिल सके। इस अवसर पर नन्हें नन्हे बच्चों द्वारा महात्मा ज्योतिबा फुले एवं माता सावित्री बाई फुले के जीवन चरित्र पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। जिसे

उपस्थित जनसमुदाय द्वारा खूब सराहा गया। वही आयोजित सहभोज कार्यक्रम के दौरान खीर पुड़ी का वितरण किया गया। तथा ग्रामीणजनो के मनोरंजन हेतु शानदार शायरी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने मे मरार माली समाज स्थाई ग्रामीण शाखा अध्यक्ष दल्लूजी पांचें, उपाध्यक्ष भागचंद मानेश्वर, ग्राम अध्यक्ष धनीराम पांचे, सचिव सनतलाल पांचे, उपाध्यक्ष रामसाय मानेश्वर, कलीराम मानेश्वर, पुष्पा पांचे, कोषाध्यक्ष धनराज नागेश्वर, सहसचिव सोनेलाल पांचे, अरविन्द खरे, नीता पांचे, कार्यकारिणी सदस्य देवाराम खरे, सुरेन्द्र मानेश्वर, अशोक मानेश्वर, रामाजी मानेश्वर, धनीराम मानेश्वर, वीरेन्द्र पांचें, जगलाल पांचे, रीना खरे, मीना मानेश्वर, शशि पांचें, सीमा खरे, रतनीन पांचें एवं वालेंटियर किरपाल चौधरी सहित समस्त ग्रामीणों का सराहनीय सहयोग रहा।

महाविद्यालय मे डॉ.भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार स्वर्गीय दिलीप भटेरे शासकीय महाविद्यालय, किरनापुर में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के अंतर्गत डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में दिनांक 09 अप्रैल 2026 से 10 अप्रैल 2026 तक विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ दिनांक 09 अप्रैल 2026 को साप्ताहिक दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर डॉ.भीमराव अंबेडकर के जीवन प्रसंगों पर एक व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुनीता जैन द्वारा की गई। अपने उद्बोधन में उन्होंने डॉ. अंबेडकर के विचारों, उनके संघर्षमय जीवन तथा भारतीय समाज के निर्माण में उनके योगदान को विस्तार से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का प्रभावी मंच संचालन डॉ. धनेंद्र बंसोड़ दवारा किया गया। इस आयोजन के प्रभारी डॉ. पल्लवी रिनाहिते रहीं, जिन्होंने कार्यक्रम के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में डॉ. डालेश कुमार विजयवार द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया, जिसमें उन्होंने सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं सहभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।इसके पश्चात दिनांक 10 अप्रैल 2026 को डॉ. अंबेडकर के जीवन वृत्त पर आधारित एक वीडियो क्लिपिंग का प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन एवं प्रस्तुति श्री पंकज वाहने (कार्यक्रम प्रभारी) द्वारा की गई। इस वीडियो के माध्यम से विद्यार्थियों को डॉ. अंबेडकर के जीवन, उनके संघर्ष, शिक्षा के प्रति समर्पण एवं सामाजिक सुधारों के प्रति उनके योगदान की प्रेरणादायक जानकारी प्राप्त हुई। इस प्रकार, दो दिवसीय इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों एवं उपस्थित जनों को डॉ. भीमराव अंबेडकर के आदर्शों, विचारों एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्व से अवगत कराया गया। कार्यक्रम अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायक रहा।

हिंदू जागरण मंच का बयान...जो महिजा फौजिया का 'मुंह काला' करेगी, उसे 50 हजार का इनाम

इंदौर। इंदौर में 卐वंदे मातरम्卐 को लेकर शुरू हुआ विवाद अब राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर जोर पकड़ रहा है। यह विवाद 8 अप्रैल को इंदौर नगर निगम के बजट सत्र के दौरान शुरू हुआ, जब आरोप लगा कि कांग्रेस पार्षद फौजिया शेख अलीम वंदे मातरम गाए जाने के समय सदन में मौजूद नहीं थीं। इस पर भाजपा पार्षद सुरेश कुरवाड़े ने टिप्पणी की, इसके जवाब में फौजिया ने कहा कि वंदे मातरम् गाना अनिवार्य नहीं है और यह व्यक्तिगत इच्छा का विषय है। इस बयान के बाद सभापति ने उन्हें सदन से बाहर किया, जिसके बाद विवाद और बढ़ गया। मामले ने तब और तूल पकड़ लिया जब हिंदू जागरण मंच के जिला संयोजक सुमित हार्डिया ने विवादित पोस्ट जारी किया। उन्होंने घोषणा की कि जो भी महिला फौजिया का 卐मुंह काला卐 करेगी, उस महिला को 51 हजार रुपये का इनाम दिया जाएगा। इस बयान के सामने आने के बाद शहर का माहौल तनावपूर्ण हो गया और राजनीतिक प्रतिक्रियाएं तेज हो गईं। इस बीच कांग्रेस पार्षद रुबीना इकबाल खान का बयान भी विवाद का कारण बना। उन्होंने जबरन वंदे मातरम् गवाने का विरोध कर तीखी प्रतिक्रिया दी, जिससे कांग्रेस के भीतर भी मतभेद उजागर हो गए। विवाद के बढ़ने पर भाजपा ने दोनों कांग्रेस पार्षदों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए प्रशासन और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। वहीं कांग्रेस शहर अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने रुबीना इकबाल के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए प्रस्ताव भोपाल भेज दिया है। साथ ही कांग्रेस ने अपने कार्यक्रमों में वंदे मातरम् गाना अनिवार्य करने का निर्णय लिया है। इस पूरे घटनाक्रम ने न केवल राजनीतिक माहौल को गर्माया है, बल्कि सामाजिक तनाव भी बढ़ा दिया है। प्रशासन के लिए स्थिति को संभालना अब एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है।

शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि:द स्कूल ऑफ पैंसी फ्लावर्स को जोनल स्तर पर शिक्षा अवार्ड

पद्मेश न्यूज। चांगोटोला। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द स्कूल ऑफ पैंसी फ्लावर्स को स्थ्रष्ठ तह्श्रह्लश्च द्वारा आयोजित लीड शिक्षा अवार्ड में जोनल स्तर पर सम्मानित किया गया। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में देशभर के लीड ग्रुप से संचालित हजारों विद्यालयों ने भाग लिया, जिनमें विद्यालय ने अपने उत्कृष्ट कार्य के बल पर विशेष स्थान प्राप्त किया।

यह अवार्ड तीन श्रेणियों—नेशनल लेवल, जोनल लेवल एवं स्टेट लेवल—में प्रदान किया गया। द स्कूल ऑफ पैंसी फ्लावर्स को वेस्ट ज़ोन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर जोनल लेवल शिक्षा अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस वेस्ट ज़ोन में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, महाराष्ट्र और गुजरात राज्यों को शामिल किया गया था।

यह सम्मान समारोह महाराष्ट्र के पुणे शहर स्थित शेरेटन होटल में आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर श्री हरीश नाग, प्रिंसिपल श्रीमती श्यामली नाग तथा को-ऑर्डिनेटर अलवीरा शाह को मंच पर यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में यह अवार्ड सुमीत मेहता (ष्टश्वह्ल एवं सह-संस्थापक, लीड ग्रुप), लोलक बेबी (नेशनल हेड - अकैडमिक इम्प्लीमेंटेशन), चित्तरंजन मिश्रा (ज़ोनल हेड - कस्टमर सक्सेस एवं ग्रोथ) तथा कृष्णा चैतन्य (ज़ोनल हेड - अकैडमिक इम्प्लीमेंटेशन) द्वारा प्रदान किया गया।

इस शिक्षा अवार्ड के लिए चयन के प्रमुख मापदंडों में 80 प्रतिशत से अधिक श्रेष्ठ क्रियान्वयन, उत्कृष्ट कक्षा अवलोकन, लेसन प्लान की सुदृढ़ तैयारी तथा लीड ग्रुप अकैडमी में कोर्स पूर्णता शामिल रहे। इन सभी मानकों पर विद्यालय ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए यह उपलब्धि हासिल की।इ विद्यालय की इस सफलता में सीनियर अकैडमिक एडवाइजर सौरभ पांडेय एवं कस्टमर सक्सेस एंड ग्रोथ मैनेजर माहेनूर खान के मार्गदर्शन का विशेष योगदान रहा, जिनके निर्देशन में विद्यालय निरंतर उत्कृष्टता की ओर अग्रसर रहा है।

इसके साथ ही विद्यालय के समस्त शिक्षकों एवं स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा। को-ऑर्डिनेटर संतराम सोनवाने सहित शिक्षकों—चंद्रप्रभा ठाकरे, वनिता बिसेन, तनवीर शाह, वलिता तरवरे, गीता उइके, ओमेश्वरी ठाकरे, आस्था ठाकरे, शेख आफरीन, मुस्कान नामदेव, सानिया शाह, एजाज कुरैशी, राहुल नाग, मंजूलता रुसी , मीनाक्षी बिसेन, माही ग्वालवंशी, पूजा हनवते, शीतल ठाकरे, नुसरत शाह, विद्या बिसेन, कल्याणी चौरसिया, अंजू लता शिववंशी के समर्पण, मेहनत और उत्कृष्ट शिक्षण कार्य के कारण यह सफलता संभव हो पाई।

विद्यालय प्रबंधन ने इस उपलब्धि को पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बताया है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के संयुक्त प्रयास का परिणाम है। साथ ही भविष्य में भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर नए आयाम स्थापित करने का संकल्प व्यक्त किया गया। यह उपलब्धि न केवल विद्यालय के लिए, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणादायक है और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के बीच मुकाबला आज

मुंबई। आईपीएल -2026 में रविवार शाम को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस (स्ढ्ढ) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (ऋष्क्क) से होगा मुकाबला होगा। आईपीएल की दो सबसे पॉपुलर टीमों के बीच अब तक कुल 34 मुक़ाबले हुए हैं, जिसमें स्ढ्ढ 19-15 से आगे है। हालांकि 2021 से हुए सात मुक़ाबलों में ऋष्क्क की टीम ने पांच मुक़ाबले जीते हैं, जबकि स्ढ्ढ को सिर्फ़ दो में ही जीत हासिल की है। वानखेड़े में हुए 12 मुक़ाबलों में मेज़बान स्ढ्ढ 8-4 से आगे है।

यह मुक़ाबला ना सिर्फ़ दो पॉपुलर टीमों बल्कि लीग के दो सबसे सफल दिग्गज खिलाड़ियों के बीच भी होगा। ऋष्क्क और स्ढ्ढ के बीच हुए मैचों में विराट कोहली 922, जबकि रोहित शर्मा 629 रन बना चुके हैं। पिछली छह पारियों में कोहली ने स्ढ्ढ के ख़िलाफ़ चार बार 40+ का स्कोर खड़ा किया है, जबकि वानखेड़े में रोहित, ऋष्क्क के ख़िलाफ़ चार अर्धशतक लगा चुके हैं।

जॉश हेज़लवुड, रोहित को सात पारियों में सिर्फ़ एक बार आउट कर पाए हैं, हालांकि रोहित का उनके ख़िलाफ़ स्ट्राइक रेट सिर्फ़ 116 का है। वहीं भुवनेश्वर कुमार भी रोहित को 16 पारियों में सिर्फ़ एक बार आउट किया है, जबकि रोहित उन पर 136 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं। वहीं अगर कोहली की बात की जाए तो जसप्रीत बुमराह ने उन्हें पांच बार आउट तो किया है, लेकिन इसके लिए उन्होंने 17 पारियां ले ली हैं और 149 के स्ट्राइक रेट से रन ख़र्च किए हैं। ट्रेंट बोल्ट तो कोहली को 13 पारियों में सिर्फ़ एक बार आउट कर पाए हैं। मिचेल सैंटनर और हार्दिक पंड्या ने कोहली को 2-2 बार आउट तो किया है, लेकिन इसके लिए क्रमश: नौ और 10 पारियां ली हैं। वहीं दीपक चाहर और शार्दुल ठाकुर उन्हें सिर्फ़ एक-एक ही बार आउट कर पाए हैं।

डेथ ओवरों (17 से 20) में स्ढ्ढ के निचले क्रम का सामना भुवनेश्वर कुमार से हो सकता है। भुवनेश्वर तिलक वर्मा और हार्दिक पंड्या दोनों को ढ्ढक्क में दो-दो बार आउट कर चुके हैं। हालांकि चार पारियों में दो बार आउट होने वाले तिलक उन पर 173 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं। वहीं दूसरी ओर बुमराह के सामने ऋष्क्क के लिए स्ढ्ढ के पूर्व फ़िनिशर टिम डेविड होंगे। ढ्ढक्क 2025 से डेविड डेथ ओवरों में 237 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं और हर तीसरी गेंद को बाउंड्री पार भेजते हैं। हालांकि बुमराह इसी दौरान डेथ ओवरों में सिर्फ़ 7.8 की इकॉनमी से रन देते हुए 15 के स्ट्राइक रेट से छह विकेट झटक चुके हैं। ऐसे में बुमराह बनाम डेविड मुक़ाबला भी दिलचस्प होगा।

इस मुक़ाबले में दो भाईयों की भिड़ंत भी देखना दिलचस्प होगा। एक समय स्ढ्ढ का अहम हिस्सा रहे क्रुणाल पंड्या पिछले साल अपने प्लेयर ऑफ़ द फ़ाइनल के प्रदर्शन से ऋष्क्क को उनका पहला ख़िताब दिला चुके हैं। क्रुणाल ने स्ढ्ढ के ख़िलाफ़ सात पारियों में 72 रन बनाने के साथ-साथ आठ विकेट भी लिए हैं। वहीं हार्दिक पंड्या ऋष्क्क के ख़िलाफ़ 164 के स्ट्राइक रेट से 18 पारियों में 361 रन बना चुके हैं, साथ ही सात विकेट भी लिया है। हार्दिक ने क्रुणाल की गेंदबाज़ी का पांच पारियों में सामना किया है और उनके ख़िलाफ़ 31 गेंदों में एक बार आउट होते हुए सिर्फ़ 29 रन ही बना पाए हैं।

आईपीएल में खरीददार न मिलने पर राइली रुसो का बड़ा बयान, आईपीएल को बताया फिल्म

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के विस्फोटक बल्लेबाज राइली रुसो ने आईपीएल को लेकर एक विवादास्पद बयान दिया है, जिसमें उन्होंने इस लीग को क्रिकेट कम और फिल्म ज्यादा बताया है, जबकि पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की जमकर तारीफ की है। यह बयान तब आया है जब आईपीएल 2026 की नीलामी में उन्हें कोई खरीददार नहीं मिला और उन्होंने खुद इस साल नीलामी के लिए अपना नाम नहीं भेजा था। रुसो का यह रुख क्रिकेट प्रेमियों के बीच चर्चा का विषय बन गया है, खासकर उनके आईपीएल के साथ पुराने जुड़ाव को देखते हुए। राइली रुसो का आईपीएल से रिश्ता पुराना रहा है। उन्होंने 2014 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के साथ अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वह दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स जैसी टीमों का भी हिस्सा रहे। हालांकि, वह इस लीग में कभी अपनी छाप नहीं छोड़ पाए और उनका प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा। आईपीएल 2023 में दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें 4.60 करोड़ रुपये में खरीदा था, जबकि आईपीएल 2024 में पंजाब किंग्स ने उन पर 8 करोड़ रुपये खर्च किए थे। बावजूद इसके, खराब प्रदर्शन के चलते पंजाब किंग्स ने

उन्हें रिलीज कर दिया, और इसके बाद उन्हें अगले साल की नीलामी में कोई खरीददार नहीं मिला। अब वह पीएसएल में क्वेटा ग्लेडिएटर्स के लिए खेल रहे हैं। रुसो ने आईपीएल और पीएसएल की तुलना करते हुए कहा, दोनों लीग के अपने-अपने फायदे और नुकसान हैं। आईपीएल एक बहुत लंबा टूर्नामेंट है, जबकि पीएसएल एक ज्यादा छोटा टूर्नामेंट है, जहाँ मुकाबला कहीं ज्यादा कड़ा होता है। उन्होंने आईपीएल पर तंज कसते हुए कहा, जाहिर है, आईपीएल को पूरे बॉलीवुड का समर्थन हासिल है, इसलिए यह असल क्रिकेट से ज्यादा एक फिल्म जैसा लगता है। यह टिप्पणी आईपीएल के ग्लैमर और उसके व्यापक प्रचार-प्रसार पर एक सीधा हमला है। उनके आईपीएल रिकॉर्ड की बात करें तो, रुसो ने कुल 22 मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 23.65 की औसत से 473 रन बनाए हैं। इन आंकड़ों में कोई शतक शामिल नहीं है, और केवल कुछ ही अर्धशतक हैं, जो दर्शाता है कि वह आईपीएल में बड़े स्कोर बनाने में संघर्ष करते रहे हैं। एक समय आईपीएल टीमों द्वारा उन पर भारी-भरकम रकम खर्च की जा रही थी, तब उन्हें इस रंगारंग लीग से कोई दिक्कत नहीं थी। लेकिन जब उनकी परफॉर्मेंस में गिरावट आई और टीमों ने उनसे दूरी बनाना शुरू कर दी, तो उनका यह बयान सामने आया है, जो उनकी निराशा को उजागर करता है और क्रिकेट जगत में एक नई बहस छेड़ सकता है।

ऑरेंज कैप वैभव सूर्यवंशी को, पर्पल कैप रवि बिश्नोई के नाम

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 16वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने शुक्रवार 10 अप्रैल को डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को छह विकेट से हराकर अपनी लगातार चौथी जीत दर्ज की। जयपुर में खेले गए इस रोमांचक मैच में आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए बोर्ड पर 201 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था, जिसे मेजबान राजस्थान ने दो ओवर शेष रहते हुए ही सफलतापूर्वक हासिल कर लिया। राजस्थान की इस शानदार जीत के सूत्रधार युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और ध्रुव जुरेल रहे, जिन्होंने अपनी ताबड़तोड़ अर्धशतकीय पारियों से टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचाया। मैच के हीरो युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी रहे, जिन्होंने महज 26 गेंदों पर 8 चौकों और 7 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 78 रनों की तूफानी पारी खेली। इस धमाकेदार प्रदर्शन के साथ ही वैभव ने आईपीएल 2026 की ऑरेंज कैप पर कब्जा जमाया और टूर्नामेंट में 200 रन का आंकड़ा छूने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। अभी तक चार मैचों में उनके बल्ले से 50 की औसत और 266.67 के हैरतअंगेज स्ट्राइक रेट के साथ कुल 200 रन निकल चुके हैं। वैभव के साथ ध्रुव जुरेल ने भी 43 गेंदों पर 81 रनों की नाबाद पारी खेलकर टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जुरेल की इस पारी ने उन्हें आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-5 बल्लेबाजों में जगह दिलाई। दिलचस्प बात यह है कि अब इस लिस्ट के टॉप-3 में राजस्थान रॉयल्स के ही खिलाड़ी शामिल हैं, जिसमें वैभव सूर्यवंशी (200), यशस्वी जायसवाल (183) और ध्रुव जुरेल (176) शामिल हैं। इनके अलावा दिल्ली कैपिटल्स के समीर रिजवी (160) और कोलकाता नाइट राइडर्स के अंगकृश रघुवंशी (155) भी टॉप-5 में शामिल हैं। आरसीबी की ओर से कप्तान रजत पाटीदार ने 40 गेंदों पर सर्वाधिक 63 रन बनाए, जबकि विराट कोहली ने भी 200 के स्ट्राइक रेट से 32 रनों की तेजतर्रार पारी खेली। पाटीदार 142 रनों के साथ सातवें और कोहली 129 रनों के साथ आठवें पायदान पर हैं। ऑरेंज कैप की तरह ही, पर्पल कैप भी इस समय राजस्थान रॉयल्स के नाम है, जिसे युवा लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने अपने नाम किया है। बिश्नोई ने अभी तक चार मैचों में 9 विकेट चटकाए हैं और बेंगलुरु के खिलाफ भी उन्होंने दो महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए।

जीटी के सामने एलएसजी की घरेलू पिच पर अग्निपरीक्षा : नए सितारे संग वापसी की चुनौती

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को अपने घरेलू मैदान एकाना क्रिकेट स्टेडियम पर निराशाजनक रिकॉर्ड को पीछे छोड़कर गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ रविवार को होने वाले मुकाबले में वापसी करनी होगी। इस महत्वपूर्ण मैच से पहले, एलएसजी के पास मुकुल चौधरी के रूप में एक नया सितारा उभरा है, जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी से सबका ध्यान खींचा है, लेकिन घरेलू मैदान पर खराब प्रदर्शन एक बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है। दोनों टीमों ने अपने पिछले दोनों मैच जीते हैं, जिससे उनका मनोबल बढ़ा हुआ है।

गुजरात टाइटंस ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ एक रन की रोमांचक जीत दर्ज कर अपना खाता खोला था, जबकि एलएसजी ने सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ उनके मैदानों पर प्रभावशाली जीत हासिल की थी। हालांकि, एलएसजी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में लगातार संघर्ष कर रहा है। उसे अपने घरेलू मैदान को एक मजबूत गढ़ बनाना है तो खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

घरेलू मैदान पर एलएसजी का प्रदर्शन वाकई चिंताजनक रहा है। पिछले सत्र में, टीम ने यहां खेले गए आठ में से छह मैच हारे थे, जिसमें लगातार पांच हार शामिल थीं। यही वजह थी कि वे पिछले साल अंक तालिका में सातवें स्थान पर रहे। कुल मिलाकर, उन्होंने इस मैदान पर खेले गए 22 मैचों में से केवल नौ में ही जीत हासिल की है। मौजूदा सत्र में भी, घरेलू मैदान पर उनका पहला मैच निराशाजनक रहा, जहां दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें 141 रन पर आउट करके छह विकेट से जीत दर्ज की थी। यह एलएसजी का इस सत्र में घरेलू मैदान पर दूसरा मैच होगा, और वे यहां अपने जीत के रिकॉर्ड को सुधारने के लिए बेताब होंगे।

एलएसजी के लिए केकेआर के खिलाफ पिछला मैच विशेष रूप से यादगार रहा, जब 21 वर्षीय राजस्थानी बल्लेबाज मुकुल चौधरी एक नए फिनिशर के रूप में उभरे। उन्होंने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की, जिसमें उनके आदर्श महेंद्र सिंह धोनी का पसंदीदा हेलीकॉप्टर शॉट भी शामिल था, जिससे उन्होंने क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा। आयुष बडोनी की फॉर्म में वापसी, जिन्होंने केकेआर के खिलाफ अर्धशतक लगाया, एलएसजी के लिए एक और सकारात्मक पहलू है, जो उनके बल्लेबाजी क्रम को मजबूत करता है।

यह मैच दोपहर में खेला जाएगा, और एकाना की धीमी पिच पर गुजरात के अनुभवी स्पिनरों राशिद खान और वाशिंगटन सुंदर का सामना करना आसान नहीं होगा। राशिद ने दिल्ली के खिलाफ 17 रन देकर तीन विकेट लिए थे और अपनी टीम की एक रन से जीत में अहम भूमिका निभाई थी। एलएसजी को अपनी घरेलू जमीन पर जीत की राह पर लौटने के लिए गुजरात के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण का सामना करते हुए बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

टीम इस प्रकार हैं-

लखनऊ सुपर जायंट्स- ऋषभ पंत (कप्तान), मिचेल मार्श, एडन मार्क्रम, हिम्मत सिंह, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, मुकुल चौधरी, अक्षत रघुवंशी, जोश इंग्लिस, निकोलस पूरन, अब्दुल समद, शाहबाज़ अहमद, अर्शिन कुलकर्णी, आयुष बडोनी, मोहम्मद शमी, अवेश खान, एम सिद्धार्थ, दिग्वेश सिंह, आकाश सिंह, प्रिंस यादव, अर्जुन तेंदुलकर, एनरिक नोर्किया, नमन तिवारी, मयंक यादव, मोहसिन खान.

गुजरात टाइटंस - शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, ग्लेन फिलिप्स, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, अशोक शर्मा, प्रसिद्ध कृष्णा.

मैच शुरू होने का समय- दोपहर 3.30 बजे.

अगस्ता मास्टर्स में मैकलरॉय की ऐतिहासिक बढ़त : ग्रीन जैकेट की ओर मजबूत कदम

नई दिल्ली । अगस्ता मास्टर्स 2026 में आयरलैंड के स्टार गोल्फर रोरी मैकलरॉय ने हाफवे स्टेज पर एक अविश्वसनीय प्रदर्शन करते हुए 6 शॉट की विशाल बढ़त बना ली है, जिससे वह ग्रीन जैकेट के प्रबल दावेदार के रूप में उभरे हैं। मैकलरॉय ने दूसरे राउंड में 7-अंडर 65 का शानदार स्कोर दर्ज किया, जिससे उनका कुल स्कोर 12-अंडर 132 हो गया और उन्होंने बाकी खिलाड़ियों को काफी पीछे छोड़ दिया।

दूसरे राउंड में मैकलरॉय का खेल खासकर आखिरी सात होल्स में देखने लायक था, जहां उन्होंने छह बर्डी लगाकर मुकाबले का रुख पूरी तरह बदल दिया। यह 6 शॉट की बढ़त मास्टर्स इतिहास की सबसे बड़ी हाफवे लीड में से एक है, जो उनके मौजूदा असाधारण फॉर्म और दबाव में शांत रहने की क्षमता को दर्शाती है। कुछ खराब टी शॉट्स के बावजूद, नॉर्दर्न आयरिश खिलाड़ी ने स्मार्ट लेअप और सटीक शॉर्ट गेम के दम पर खुद को संभाला और लगातार अपने स्कोर में सुधार किया। संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर अमेरिका के पैट्रिक रीड और सैम बर्न्स 6-अंडर के स्कोर के साथ हैं। रीड ने 69 का स्कोर किया, लेकिन आखिरी होल पर बोगी ने उन्हें और पीछे धकेल दिया, जबकि बर्न्स ने अंतिम होल्स में बर्डी लगाकर वापसी की। भारतीय गोल्फर अक्षय भाटिया के लिए टूर्नामेंट निराशाजनक रहा। पहले राउंड में 73 के बाद अच्छी शुरुआत के बावजूद, बैक नाइन में तीन डबल बोगी ने उनके स्कोर को बिगाड़ दिया और वह कट से चूक गए। एरॉन राय ने लगातार बोगी के बावजूद 1-ओवर स्कोर के साथ 32वें स्थान पर कट पार किया। जस्टिन रोज़, शेन लोरी और टॉमी फ्लीटवुड 5-अंडर के साथ अभी भी रेस में हैं, लेकिन मैकलरॉय से काफी पीछे हैं। ब्रायसन डीचैम्बे का प्रदर्शन भी उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा और वह ट्रिपल बोगी के चलते टूर्नामेंट से बाहर हो गए। दो राउंड बाकी रहते हुए, मैकलरॉय अपनी मौजूदा लय और बड़ी बढ़त के साथ एक और मेजर खिताब जीतने के बेहद करीब नजर आ रहे हैं।

राशिद खान को विजय दहिया का अभूतपूर्व समर्थन : चैंपियन को बदलने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस (जीटी) के सहायक कोच विजय दहिया ने अपने अनुभवी हरफनमौला खिलाड़ी राशिद खान का जोरदार समर्थन करते हुए कहा है कि चैंपियन खिलाड़ियों को खराब दौर में अपने खेल में बड़े बदलाव की आवश्यकता नहीं होती। टी20 क्रिकेट में दुनिया के सबसे खतरनाक स्पिनरों में शुमार राशिद खान का पिछला आईपीएल सीजन (2023) उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था, जहां उन्होंने 15 मैचों में सिर्फ नौ विकेट लिए। इसके अतिरिक्त, पीठ की सर्जरी के बाद 2024 का सत्र भी उनके लिए लय हासिल करने के संघर्ष से भरा रहा है। हालांकि, हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ रोमांचक जीत में उन्होंने अपनी वापसी के मजबूत संकेत दिए, जहां उन्होंने समीर रिजवी, अक्षर पटेल और नितीश राणा जैसे महत्वपूर्ण बल्लेबाजों के विकेट चटकाए। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ आगामी मुकाबले से पहले मीडिया से बात करते हुए दहिया ने कहा, राशिद जैसे खिलाड़ियों को अपने खेल में कोई नई चीज जोड़ने की जरूरत नहीं है। जब आप लंबे समय से खेल रहे होते हैं, तो यह आसान नहीं होता। राशिद एक चैंपियन गेंदबाज हैं। भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज ने जोर देकर कहा कि राशिद ने हर देश, हर लीग और हर परिस्थिति में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। उन्होंने बताया कि उनसे उम्मीदें स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती हैं, और यदि उनका कोई सामान्य सीजन भी रहता है, तो लोगों को लगता है कि उन्होंने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। दहिया ने इस बात पर भी जोर दिया कि राशिद हमेशा गेंद, बल्ले और क्षेत्ररक्षण - हर विभाग में अपना शत-प्रतिशत योगदान देते हैं। इसके साथ ही, विजय दहिया ने लखनऊ सुपर जायंट्स के युवा बल्लेबाज मुकुल चौधरी की भी प्रशंसा की, जिन्होंने पिछले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ दबाव में शानदार छक्कों की बारिश करते हुए टीम को तीन विकेट से जीत दिलाई थी।

अभिषेक शर्मा का आईपीएल में ऐतिहासिक धमाका : 20 गेंद से कम में पांचवीं फिफ्टी का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। मुल्लांपुर में सनराइजर्स हैदराबाद के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने शनिवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ एक आतिशी अर्धशतकीय पारी खेलकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इतिहास में एक नया रिकॉर्ड स्थापित कर दिया। इस धुआंधार पारी के दौरान, अभिषेक ने सिर्फ 18 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, और इसी के साथ वह आईपीएल के इतिहास में 20 गेंदों के अंदर पांच बार अर्धशतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने पावरप्ले में पंजाब किंग्स के गेंदबाजों की जमकर धुनाई करते हुए विपक्षी टीम के आक्रमण को पूरी तरह से तहस-नहस कर दिया। अभिषेक ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए विजयकुमार के ओवर में चौथी गेंद पर छक्का लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। यह उनका पांचवां ऐसा अर्धशतक था जो उन्होंने 20 गेंदों या उससे कम में जड़ा; इससे पहले उन्होंने 16 गेंद, 18 गेंद और दो बार 19 गेंदों में अर्धशतक पूरे किए थे, जो उनकी लगातार विस्फोटक क्षमता का प्रमाण है। पंजाब के गेंदबाजों के खिलाफ उनकी मारक क्षमता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने अर्शदीप सिंह के एक ओवर में 24 रन बटोरे, जिसमें दो चौके और दो छक्के शामिल थे। इसके बाद उन्होंने विजयकुमार के ओवर में भी 24 रन जड़े, जिसमें चार गगनचुंबी छक्के शामिल थे। अभिषेक की इस तूफानी पारी का अंत नौवें ओवर में शशांक सिंह ने किया, जब वह 28 गेंद में पांच चौकों और आठ छक्कों की मदद से 74 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसी ओवर में शशांक ने उनके सलामी जोड़ीदार ट्रेविस हेड को भी अपना शिकार बनाया। हेड ने भी 23 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए 38 रन की तेजतर्रार पारी खेली। ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा के बीच पहले विकेट के लिए महज 49 गेंदों में 120 रनों की धमाकेदार साझेदारी हुई, जिसने सनराइजर्स हैदराबाद को एक विशाल स्कोर की मजबूत नींव प्रदान की। अभिषेक और हेड की शानदार शुरुआत के बाद, हेनरिक क्लासेन ने 33 गेंदों में 39 रन और कप्तान ईशान किशन ने 17 गेंदों में 27 रन बनाकर टीम के स्कोर को आगे बढ़ाया। इन योगदानों की बदौलत सनराइजर्स हैदराबाद ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 219 रन का एक विशाल स्कोर खड़ा किया। पंजाब किंग्स के लिए शशांक सिंह और अर्शदीप सिंह ने दो-दो विकेट लिए, जबकि जेवियर बार्टलेट को एक सफलता मिली।

आईएसएल 2025-26 : एफसी गोवा ने ओडिशा एफसी को 3-1 से रौंदा, दूसरे हाफ में दिखाया दम

नई दिल्ली । इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2025-26 में एफसी गोवा ने एक शानदार प्रदर्शन करते हुए जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में ओडिशा एफसी को 3-1 से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ एफसी गोवा ने अपनी घरेलू ज़मीन पर अपने प्रशंसकों के सामने अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया, खासकर दूसरे हाफ में टीम ने ज़बरदस्त आक्रामक खेल दिखाया। इस रोमांचक मुकाबले में एफसी गोवा के लिए एक बेहद खास पल भी आया, जब स्थानीय और युवा गोलकीपर बॉब जैक्सन राज ने अपना डेब्यू किया। उन्होंने अपनी पहली पेशेवर उपस्थिति में शानदार संयम और आत्मविश्वास का प्रदर्शन करते हुए गोलपोस्ट के बीच अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और टीम के लिए एक भरोसेमंद दीवार बने रहे।

मैच के पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। एफसी गोवा ने बॉल पज़ेशन में बढ़त बनाए रखी, लेकिन ओडिशा एफसी की संगठित डिफेंस ने उन्हें गोल करने से रोके रखा। हाफ टाइम तक स्कोर 0-0 पर रहा, जिससे दोनों टीमें अगले 45 मिनट के लिए अपनी रणनीतियों पर विचार करने को मजबूर हुईं।

दूसरे हाफ की शुरुआत होते ही एफसी गोवा ने अपनी आक्रामकता में इज़ाफा किया और मैच में तेज़ी लाई। इसका परिणाम 62वें मिनट में देखने को मिला जब डेजान ने आयुष के एक बेहतरीन पास पर कुशलता से गेंद को गोल पोस्ट में धकेल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इस गोल ने टीम का आत्मविश्वास बढ़ाया और प्रशंसकों में उत्साह भर दिया। बढ़त मिलने के बाद एफसी गोवा ने अपने खेल को और भी धारदार बनाया। 81वें मिनट में पोल ने एक शानदार फ्री-किक के ज़रिए ओडिशा एफसी के गोलकीपर को छकाते हुए टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया। यह गोल मैच का निर्णायक पल साबित हुआ, जिसने ओडिशा की वापसी की सभी उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

मैच के अंतिम क्षणों में भी एफसी गोवा का दबदबा बरकरार रहा। इंजरी टाइम (90+4 मिनट) में अब्दुल रबीह पर हुए फाउल के बाद मिली पेनल्टी को ब्रिसन ने गोल में बदलकर स्कोर 3-0 कर दिया। हालांकि, ओडिशा एफसी ने 90+7 मिनट में एक सांत्वना गोल ज़रूर किया, लेकिन तब तक जीत एफसी गोवा के नाम लिखी जा चुकी थी।

कार्यालय नगरपालिका परिषद, बालाघाट
जिला-बालाघाट म.प्र.
Tel no.07632-241377 ईमेल- cmobalaghat@mpurban.gov.in

क्रमाक / सा.प्र. / स्थापना शाखा / वेतन कटौती / 2026/499 बालाघाट तारीख-10/04/2026

आदेश

मध्यप्रदेश शासन की अत्ति महत्तपूर्ण योजना मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में योजना शाखा के द्वारा दिनोंक-11/04/2026 को आयोजित सामुहिक विवाह कार्यक्रम में श्री दीपक विठले सिटी मिशन मैनेजर एवं श्री अमित पुसाई सहायक ग्रेड-3 को विवाह कार्यक्रम में कार्य दायित्व सौपे गये थे कितु आपको सौपे गये दायित्वों एवं कार्यक्रम में उपस्थित न होना यह आपका कृत्य घोर लापरवाही की श्रेणी में आता है। साथ ही साथ प्राय: यह देखा जाता है. कि उच्चाधिकारीयों द्वारा दिये गये निर्देशों का पालन नहीं किया गया जा रहा है। जो कि अत्यंत ही खेद एवं लापरवाही को घोतक है ।

यह कृत्य आपका मध्यप्रदेश नगरपालिका अधिनियम-1961, सेवा भर्ती तथा शर्ते नियमों के साथ साथ विपरित श्रेणी में आता है । अत: इस माह होने वाली वेतन से आपका 03 दिवस का वेतन तत्काल काटा जाता है । आदेश तत्तकाल प्रभावशील होगें ।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद बालाघाट
जिला-बालाघाट म.प्र.

कार्यालय नगरपालिका परिषद, बालाघाट
जिला-बालाघाट म.प्र.
Tel no.07632-241377 ईमेल- cmobalaghat@mpurban.gov.in

क्रमाक / सा.प्र. / स्थापना शाखा / वेतन कटौती / 2026/501 बालाघाट तारीख-10/04/2026

आदेश

मुख्य कार्यपालन अधिकारी नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा आज दिनाँक 10/04/2026 को स्वच्छता सर्वेक्षण-2026 के अंतर्गत शासन आदेश अनुसार नगरपालिका परिषद बालाघाट सीमाक्षेत्रान्तर्गत आने वाले वार्डों का निरीक्षण किया गया है। महोदय के निरीक्षण में पाया गया है, कि होटल ग्रेड कमल के सामने एवं अन्य वार्डों में भी अत्यधिक गंदगी एवं कमरों को ढेर लगा हुआ है । आपको शहर में साफ सफाई व्यवस्था सुदृढ किये जाने हेतु स्वास्थ्य शाखा के द्वारा आपको दायित्व सौपा गया था । कितु आपके द्वारा सफाई में घोर लापरवाही बरती जा रही है साथ ही साथं उच्चाधिकारीयों द्वारा दिये गये निर्देशों का पालन नही किया गया जा रहा है । जो कि अत्यंत ही खेद एवं लापरवाही को घोतक है।

यह कृत्य आपका मध्यप्रदेश नगरपालिका अधिनियम-1961, सेवा भर्ती तथा शर्ते नियमों के साथ साथ विपरित श्रेणी में आता है। अत: श्री सरवन मोगरे सफाई संरक्षक नगरपालिका परिषद बालाघाट का इस माह होने वाली वेतन से आपका 03 दिवस का वेतन तत्काल काटा जाता है। आदेश तत्तकाल प्रभावशील होगें ।

(मान.मुख्य.कार्य.यंत्री. महोदय द्वारा अनुमोदित)

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद बालाघाट
जिला-बालाघाट म.प्र.

4 मई को बंगाल में होगा बदलाव, सत्ता में आते ही आयुष्मान योजना करेंगे शुरू- मोदी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पूर्वी बर्दवान के कटवा में शनिवार को पीएम नरेंद्र मोदी ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में इस बार मेरी चुनावी रैलियों में आम लोगों की भीड़ और जन उत्साह का ऐसा नजारा पहले कभी गुजरात में भी नहीं नजर आता था। पीएम मोदी ने कहा कि गुजरात में भी, मैं चाहकर भी दोपहर 12 बजे इस तरह की रैली आयोजित नहीं कर सकता था। आप लोग यहां हर बार सभाएं आयोजित करते हैं। मैं प्रभावित हूं। इससे यह स्पष्ट है कि 4 मई के बाद पश्चिम बंगाल में बदलाव आने वाला है।

उन्होंने कहा कि अगर इस बार पश्चिम बंगाल में बीजेपी सत्ता में आती है, तो नई सरकार एक श्वेत पत्र जारी करेगी जिसमें राज्य में टीमएमसी के पिछले 15 सालों के शासनकाल के दौरान हुए भ्रष्टाचार के मामलों का विस्तृत विवरण होगा। उन्होंने कहा की टीएमसी पहले से ही घबराई हुई है। इसीलिए वे प्रचार कर रहे हैं कि बीजेपी के सत्ता में आने पर राज्य की सभी कल्याणकारी योजनाएं बंद कर दी जाएंगी। मैं गारंटी देता हूं कि एक भी कल्याणकारी योजना बंद नहीं होगी। केवल टीएमसी नेताओं के भ्रष्टाचार और लूट के अड्डे बंद किए जाएंगे।

पीएम मोदी घोषणा की कि यदि इस बार पश्चिम बंगाल में बीजेपी सत्ता में आती है, तो नए मुख्यमंत्री के नेतृत्व में गठित पहला मंत्रिमंडल राज्य में आयुष्मान भारत योजना को लागू करने की अनुमति देने वाला प्रस्ताव पारित करेगा। उन्होंने कहा कि यहां टीएमसी सरकार ने आयुष्मान भारत योजना को लागू न होने देकर लंबे समय तक राज्य के लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित रखा लेकिन बीजेपी सरकार के आने से इस सुविधा का भी लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि नई बीजेपी सरकार न केवल घुसपैठियों के

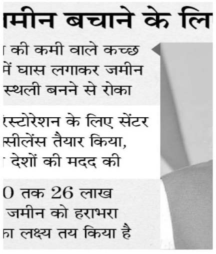

खिलाफ कार्रवाई करेगी बल्कि उन लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई करेगी जिन्होंने उनके लिए फर्जी पहचान पत्र बनवाकर उन्हें पश्चिम बंगाल में बसने में मदद की थी।

उन्होंने कहा कि बीजेपी ने संकल्प लिया है कि वह बंगाल को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। उन्होंने हाल ही में जारी घोषणापत्र का जिक्र करते हुए कहा कि इसमें दी गई छह गारंटियों को लागू करने का स्पष्ट रोडमैप है। पीएम मोदी ने कहा कि मोदी की गारंटी टीएमसी के भय के राज को खत्म कर जनता में भरोसा स्थापित करने की है। उन्होंने राज्य में कानून-व्यवस्था और विकास के मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए बदलाव की जरूरत पर जोर दिया। पीएम मोदी मुर्शिदाबाद भी जाएंगे, जहां वे हालिया हिंसा में मारे गए लोगों के परिजनों से मुलाकात करेंगे। बता दें विधानसभा चुनाव दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को होंगे और परिणाम 4 मई को घोषित किए जाएंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वहीं असम में भी चुनावी प्रक्रिया जारी है। श्रीभूमि जिले के करीमगंज (उत्तर) विधानसभा क्षेत्र के 239-बेबीलैंड हाई इंग्लिश स्कूल मतदान केंद्र पर शनिवार को पुनर्मतदान जारी है। 9 अप्रैल को यहां बीजेपी और कांग्रेस समर्थकों के बीच झड़प के बाद चुनाव आयोग ने दोबारा मतदान का आदेश दिया था। प्रशासन ने मतदान केंद्र पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं ताकि प्रक्रिया निष्पक्ष और शांतिपूर्ण संपन्न हो सके। पश्चिम बंगाल और असम में जारी इन राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच चुनावी माहौल गरमाया हुआ है और सभी दल अपनी-अपनी रणनीतियों के साथ मैदान में डटे हैं।

लाश के साथ 4 महीने रहा पिता

मेरठ। मेरठ में एक पिता बेटी की लाश के साथ 4 महीने तक घर में रहा। लाश बुरी तरह से सड़ चुकी थी। बेटी टीचर थी, उसके साथ रहने की जिद में पिता उससे अलग नहीं होना चाहता था। वह लाश की बदबू छिपाने के उस पर परफ्यूम स्प्रे करता रहा। लडक़ी की पूरी बॉडी कंकाल बन चुकी थी, सिर्फ पैर ही बचा था। घटना का पता उस समय चला जब घर पर रिश्तेदार पहुंचे। बदबू आने पर कॉल करके पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घर के एक कमरे से लाश बरामद की। बॉडी की हालत इतनी बदतर हो चुकी थी कि रिश्तेदार से लेकर पुलिस वाले और पड़ोसी उसे देख नहीं पा रहे थे। मामला सदर बाजार के तेली मोहल्ले का है। मूलरूप से बंगाल के रहने वाले उदय भानु बिस्वास (76) काशी में शिक्षा विभाग में कार्यरत थे। बोर्ड ऑफिस में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तैनात थे। 2010 में रिटायर हुए थे।

पीएम के पहुंचने से पहले दून में दबोचा गया आईएसआई का मोहरा, दिल्ली दहलाने की थी तैयारी!

देहरादून,। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी 14 अप्रैल को प्रस्तावित देहरादून दौरे से ठीक पहले उत्तराखंड एसटीएफ ने एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया है। ऑपरेशन प्रहार के तहत कार्रवाई करते हुए सुरक्षा बलों ने प्रेमनगर इलाके से आईएसआई से जुड़े एक खतरनाक एजेंट को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान 29 वर्षीय विक्रांत कश्यप के रूप में हुई है, जो झाझरा का निवासी है। चौंकाने वाली बात यह है कि वह देहरादून में गाड़ियों की धुलाई का काम करता था, ताकि किसी को उस पर शक न हो, जबकि पर्दे के पीछे वह सीधे पाकिस्तानी आतंकियों के संपर्क में था। एसटीएफ की जांच में खुलासा हुआ है कि विक्रांत तहरीक-ए-तालिबान हिंदुस्तान नामक नए आतंकी संगठन की जड़ें मजबूत कर रहा था। वह पाकिस्तान में बैठे आईएसआई एजेंट और खूंखार आतंकी शहजाद भट्टी के साथ लगातार संपर्क में था। एसटीएफ ने उसके पास से एक .32 बोर की इटालियन मार्क पिस्टल, सात जिंदा कारतूस और एक स्प्रे पेंट बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, विक्रांत पिछले एक महीने से रडार पर था। वह पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या का बदला लेने वाले भड़काऊ सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस आतंकी नेटवर्क के जाल में फंसा था।

आतंकी संगठन का मुख्य मकसद देहरादून से लेकर दिल्ली तक स्लीपर सेल की फौज खड़ी करना था। जांच में यह भी सामने आया है कि पाकिस्तान में बैठे उसके आका अक्सर उससे पूछते थे कि दिल्ली की दूरी कितनी है, जो राजधानी में किसी बड़ी वारदात की साजिश की ओर इशारा करता है। विक्रांत ने देहरादून के कई महत्वपूर्ण केंद्रीय, सैन्य और पुलिस संस्थानों के संवेदनशील वीडियो और लोकेशन पाकिस्तान भेज दिए थे। गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में यह भी पता चला है कि संगठन ने उसे दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों में धमाके करने या दहशत फैलाने की जिम्मेदारी सौंपी थी। फिलहाल, सुरक्षा एजेंसियां उसके पूरे नेटवर्क को खंगाल रही हैं और यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि इस साजिश में उसके साथ और कौन-कौन लोग शामिल थे। प्रधानमंत्री के दौरे से ऐन पहले हुई इस गिरफ्तारी ने सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक चौकन्ना कर दिया है।

नागपुर में संघ के मुख्यालय पहुंचे आरएसएस प्रमुख भागवत से मिले धुरंधर 2 : द रिवेंज के हमजा

नागपुर। बॉलीवुड सुपरस्टार रणवीर सिंह इन दिनों अपनी फिल्म धुरंधर 2ः द रिवेंज की सक्सेस को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस के हर बड़े रिकॉर्ड को तोड़ दिया। अब इस बड़ी जीत के बीच रणवीर सिंह नागपुर पहुंचे, जहां उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत से मुलाकात की। अभिनेता रणवीर इस दौरान सफेद कुर्ता-पायजामा पहने दिखाई दिए। उनकी इस यात्रा और आरएसएस ऑफिस की तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, रणवीर शाम करीब 4 बजे नागपुर के डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरे। वहां से सीधे महल इलाके में स्थित संघ के मुख्यालय पहुंचे। रणवीर ने संघ मुख्यालय में लगभग डेढ़ घंटा बिताया। इस दौरान उन्होंने भागवत से मुलाकात कर फिल्म धुरंधर 2 के बारे में भी विस्तार से चर्चा की। मुलाकात के साथ-साथ रणवीर ने संघ के कामकाज, उनकी सेवा योजनाओं और जमीनी स्तर पर किए जा रहे काम के बारे में जानकारी ली। मुख्यालय के बाद रणवीर रेशिमबाग स्थित डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर भी पहुंचे। वहां उन्होंने आरएसएस के संस्थापक डॉ. के.बी. हेडगेवार और सरसंघचालक एम.एस. गोलवलकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं इस बीच जहां एक ओर फिल्म सफलता के झंडे गाड़ रही है, वहीं दूसरी तरफ कुछ लोग प्रोपेगेंडा बताकर आलोचना भी कर रहे हैं। इस लेकर बीते दिनों फिल्ममेकर संदीप रेड्डी वांगा ने कड़ा जवाब दिया था। वांगा ने फिल्म का बचाव कर लिखा कि कुछ लोग जानबूझकर सच को प्रोपेगैंडा का नाम दे रहे हैं।

1 अणे मार्ग दो दशकों से नीतीश के शासन का केंद्र रहा अब हो रहा खाली

सांसद बनने के बाद नीतीश कुमार का नया ठिकाना सर्कुलर रोड बंगला होगा

पटना,। बिहार सीएम नीतीश कुमार के राज्यसभा सांसद बनने के बाद अब उनके आधिकारिक आवास के खाली होने के वीडियो सामने आए हैं। शनिवार से ही सीएम का सामान धीरे-धीरे 7 सर्कुलर रोड स्थित बंगले में भेजा जा रहा है। ये वही बंगला है जो पूर्व सीएम के तौर पर उनके लिए तैयार किया गया है। सामान की ये शिफ्टिंग इस बात का संकेत है कि नीतीश कुमार 14 अप्रैल को सीएम पद से अपना इस्तीफा सौंप सकते हैं। इस प्रशासनिक और व्यक्तिगत हलचल ने पटना के राजनीतिक तापमान को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि नीतीश कुमार संविधान 14 अप्रैल को अपने पद से त्यागपत्र दे सकते हैं। इस तारीख को चुनने के पीछे कई सियासी मायने भी निकाले जा रहे हैं। इस्तीफे की औपचारिकता पूरी होते ही वे सीएम आवास खाली कर देंगे, जिसकी तैयारी सामान की शिफ्टिंग के रूप में शुरू हो चुकी है। नीतीश कुमार का नया ठिकाना अब 7 सर्कुलर रोड होगा। पिछले कुछ दिनों से इस बंगले में युद्ध स्तर पर रेनोवेशन और साज-सज्जा का काम चल रहा था। खुद नीतीश ने कुछ समय पहले वहां जाकर काम की प्रगति का जायजा लिया था।

भारत का सबसे बड़ा दुश्मन चीन...कमतर आंकना ठीक नहीं

नई दिल्ली। भारत का अगर कोई सबसे बड़ा दुश्मन है, तब वह चीन ही है। हमारी सैन्य शक्ति की तुलना भी चीन होती है। इसके बाद भारत के पूर्व उप राष्ट्रपति हामिद अंसारी का एक बयान सुर्खियों में आ गया है। वे भारत के पूर्व विदेश मंत्री कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद से बातचीत करते दिख रहे हैं। इस बातचीत में अंसारी कहते हैं कि चीन की अनदेखी नहीं की जा सकती। वह भारत से कई गुना ज्यादा शक्तिशाली है फिर चाहे बात सेना की हो या फिर आर्थिक क्षेत्र की। हम वास्तविकताओं को अनदेखा नहीं कर सकते।

चर्चा के दौरान पूर्व उप राष्टपति अंसारी ने कहा कि चीन हमारा पड़ोसी है और बड़ा पड़ोसी देश है और चीन को कमतर नहीं आंकना ठीक नहीं है। चीन न सिर्फ भू भाग में बल्कि जनसंख्या के हिसाब से भी काफी बड़ा देश है। वह विकसित भी है। वह हमसे कई गुना शक्तिशाली है। जब हम चीन की बात करते हैं, तब हमें कोई नया ही रास्ता ढूंढना होगा।

अंसारी ने 1961 में भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) में शामिल होकर बगदाद, रबात, जेद्दा और ब्रुसेल्स में भारतीय मिशनों में सेवा की। संयुक्त अरब अमीरात में राजदूत रहे (1976-1979), ऑस्ट्रेलिया में उच्चायुक्त (1985-1989), अफगानिस्तान में राजदूत (1989-1990), ईरान में राजदूत (1990-1992), संयुक्त राष्ट्र में स्थायी प्रतिनिधि, (1993-1995),सऊदी अरब में राजदूत (1995-1999), अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ के कुलपति (2000-2002) रहे है। वहीं खुर्शीद सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ अधिवक्ता हैं।

महिला आरक्षण संशोधन जल्द पास कराना चाहती है सरकार ताकि चुनाव में फायदा उठा सके-खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सरकार महिला आरक्षण संशोधन और लोकसभा में सीटें बढ़ाने की बिल जल्दबाजी में ला रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान संसद सत्र बुलाना अचार संहिता का उल्लंघन है। बिल को जल्द पास कराना चाहती है सरकार, ताकि आने वाले विधानसभा चुनावों में इसका फायदा ले सके।

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

सड़क के साइड शोल्डर के अभाव में हादसा बाइक सवार युवक गंभीर घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर समीप ग्रामीण थाना नवेगांव अंतर्गत ग्राम गोंगलाई के पास एक सड़क हादसा सामने आया है। इस हादसे में मोटरसाइकिल सवार युवक नितेश पिता डेलचंद टेम्भरे 35 वर्ष गोंगलई निवासी गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे

जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना 10 अप्रैल की शाम लगभग 6 बजे की है। नितेश टेमरे नवेगांव से अपने घर गोंगलाई की ओर मोटरसाइकिल से लौट रहा था। इसी दौरान गोंगलाई के समीप सड़क पर साइड शोल्डर ठीक से भरा न होने के कारण उसकी बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई और वह सड़क पर गिर पड़ा।हादसा होते देख आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर युवक की मदद की और एंबुलेंस के माध्यम से उसे जिला अस्पताल पहुंचाया। दुर्घटना में युवक के हाथ, पैर और सिर पर गंभीर चोटें आई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि सड़क के किनारे साइड शोल्डर सही तरीके से भरे होते तो यह हादसा टल सकता था। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द सड़क के साइड शोल्डर को दुरुस्त कराया जाए ताकि भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

नारी शक्ति वंदन पर भाजपा की प्रेस वार्ता

33 प्रतिशत आरक्षण पर महिलाओं से संवाद, लेकिन स्थानीय मुद्दों पर चुप्पी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के उद्देश्य से प्रस्तावित नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर भारतीय जनता पार्टी द्वारा स्थानीय भाजपा कार्यालय में 11 अप्रैल को दोपहर 12 बजे प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इस दौरान सांसद भारती पारधी, रामकिशोर कावरे की उपस्थिति में विभिन्न वर्गों में कार्यरत महिलाओं की राय जानी गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया और अपने विचार साझा किए। प्रेस वार्ता के दौरान सांसद ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि केंद्र सरकार जल्द ही इस महत्वपूर्ण अधिनियम को पारित करने की दिशा में कदम बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि इस बिल के माध्यम से महिलाओं को राजनीति में अधिक प्रतिनिधित्व मिलेगा, जिससे निर्णय प्रक्रिया में उनकी भागीदारी बढ़ेगी। उन्होंने यह भी बताया कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार 16 से 18 अप्रैल तक तीन दिवसीय विशेष सत्र आयोजित करने जा रही है, जिसमें इस विधेयक को लेकर चर्चा और आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। महिलाओं को राजनीति में अधिक प्रतिनिधित्व देने के उद्देश्य से केन्द्र सरकार द्वारा प्रस्तावित नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर स्थानीय भाजपा कार्यालय में प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इस दौरान सांसद भारती पारधी ने जानकारी देते हुए बताया कि केन्द्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार 16 से 18 अप्रैल तक संसद के विशेष सत्र में इस विधेयक को प्रस्तुत करने जा रही है। उन्होंने कहा कि इस अधिनियम के लागू होने से संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण

मिलेगा, जिससे उन्हें राजनीतिक क्षेत्र में अधिक अवसर और भागीदारी सुनिश्चित हो सकेगी। प्रेस वार्ता में उपस्थित महिला प्रतिनिधियों ने भी इस प्रस्तावित कानून का समर्थन करते हुए अपने विचार रखे। महिला चिकित्सक डॉ. अर्चना शुक्ला ने कहा कि यदि महिलाएं बड़ी संख्या में संसद और विधानसभाओं तक पहुंचेंगी, तो वे महिला स्वास्थ्य, शिक्षा और स्वरोजगार से जुड़े मुद्दों को अधिक प्रभावी ढंग से उठा सकेंगी। इससे समाज में महिलाओं की स्थिति मजबूत होगी और वे आत्मनिर्भर बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेंगी। अधिवक्ता साधना शुक्ला ने इसे महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया। उनका कहना था कि लंबे समय से महिलाओं को राजनीति में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिल पाया है, ऐसे में यह अधिनियम देश की आधी आबादी को उसका अधिकार दिलाने का माध्यम बनेगा। शिक्षाविद लता एलकर, अलका चौधरी ने कहा कि महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से समाज में संतुलन स्थापित होगा और निर्णय प्रक्रिया में विविधता आएगी, जिससे नीतियां अधिक समावेशी बनेंगी। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा बिसेन, प्राचार्य अलका चौधरी, समाजसेवी मीना चावड़ा, शिक्षिका अमिता गुप्ता, जिला पंचायत सदस्य अनुपमा नेताम, मधु शुक्ला तथा नगरपालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर सहित अन्य महिलाओं ने भी अधिनियम का समर्थन करते हुए इसे महिलाओं के लिए सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

वार्ता में उठे सवालों पर नहीं मिला स्पष्ट जवाब

प्रेस वार्ता के दौरान महिला सशक्तिकरण को लेकर किए जा रहे दावों के बीच कुछ महत्वपूर्ण सवाल भी सामने आए। पत्रकारों ने पूछा कि जहां एक ओर सरकार महिलाओं को राजनीति में आगे बढ़ाने और उन्हें 33 प्रतिशत आरक्षण देने की बात कर रही है, वहीं स्थानीय स्तर पर नगर पालिका में हाल ही में किए गए मनोनीत पार्षदों में किसी भी महिला को स्थान नहीं दिया गया। इस सवाल पर मंच पर मौजूद जनप्रतिनिधियों द्वारा कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया, जिससे उपस्थित लोगों में चर्चा का विषय बन गया। इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 25 में महिलाओं द्वारा शराब दुकान के विरोध में चल रहे आंदोलन को लेकर भी सवाल उठाए गए। पत्रकारों ने जानना चाहा कि इस संवेदनशील मुद्दे पर सांसद भारती पारधी और भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे का क्या रुख है, लेकिन इस विषय पर भी कोई टिप्पणी नहीं की गई। इन दोनों मुद्दों पर चुप्पी के चलते स्थानीय स्तर पर यह चर्चा तेज हो गई है कि जहां एक ओर महिला सशक्तिकरण को लेकर बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, वहीं जमीनी स्तर पर इसकी प्रभावशीलता अभी सीमित नजर आ रही है।

कीटनाशक दवाई के प्रभाव में आने से बेहोश एक युवक की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खेत में कीटनाशक दवाई का छिड़काव करते समय कीटनाशक दवाई के प्रभाव में आने से गंभीर एक युवक की जिला अस्पताल लाते समय मौत हो गई। मृतक युवक राकेश पिता देवेंद्र पटले वर्ष ग्राम बीसापुर थाना कटंगी निवासी है। जिला अस्पताल पुलिस ने प्रारंभिक कार्रवाई करते हुए इस युवक का शव जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राकेश खेती किसानी के अलावा प्राइवेट प्रैक्टिस भी करता था। जिसके परिवार में मां एक भाई और एक बहन है। बहन की शादी हो चुकी है और छोटा भाई शुभम पटले पढ़ाई

कर रहा है। इन दिनो खेत में रबी की फसल लगाई गई है। 11 अप्रैल को सुबह राकेश अपने खेत कीटनाशक दवाई का छिड़काव करने के लिए गया था किंतु वह दोपहर में घर वापस नहीं आया। खेत पड़ोसी ने उसे खेत के कुए के पास बेहोशी की हालत में पड़े हुई देखें और उसके परिवार वालों को बताएं। राकेश को उसके परिजनों ने घर लाने के बाद कटंगी का अस्पताल में भर्ती किए थे। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था। किंतु शाम 6ः00 बजे जब राकेश को जिला अस्पताल लाया गया तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। संभावना व्यक्त की गई है कि खेत में कीटनाशक दवाई का छिड़काव करते समय राकेश कीटनाशक दवाई के प्रभाव में आने से बेहोश हो गया। जिसकी जिला अस्पताल लाते समय रास्ते में मौत हो गई। जिला अस्पताल पुलिस ने मोके की प्रारंभिक कार्रवाई करने के बाद राकेश का शव जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिए हैं। जिसका पोस्टमार्टम 12 अप्रैल को किया जाएगा।

एलपीजी उपभोक्ताओं की 01 से 31 मार्च 2026 तक की गई बुकिंग निरस्त

पुनः बुकिंग कराने की अपील

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के समस्त एलपीजी गैस उपभोक्ताओं को सूचित किया गया है कि नवीन वित्तीय सत्र 2026-27 लागू होने के कारण तकनीकी प्रक्रियाओं में बदलाव किए गए हैं। गैस एजेंसियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार 01 मार्च से 31 मार्च 2026 के बीच की गई अधिकांश गैस रिफिल बुकिंग सत्र परिवर्तन के चलते स्वतः निरस्त हो गई हैं। जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी आर के ठाकुर ने बताया कि ऐसे सभी उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि जिन्होंने उक्त अवधि अर्थात 01से 31 मार्च 2026 की अवधि में गैस बुकिंग कराई थी, लेकिन अभी तक सिलेंडर प्राप्त नहीं हुआ है, वे अपनी संबंधित गैस एजेंसी, मोबाइल ऐप या अन्य माध्यमों से पुनः बुकिंग कराएं। इसके साथ ही यह भी बताया गया है कि जिन उपभोक्ताओं की ई-केवाईसी पूर्ण नहीं है, उन्हें आगामी समय में गैस रिफिल बुकिंग में परेशानी हो सकती है। इसलिए सभी हितग्राही शीघ्र अपनी ई-केवाईसी प्रक्रिया पूर्ण कर लें। जिला आपूर्ति अधिकारी श्री ठाकुर ने बताया कि नई व्यवस्था के तहत अब गैस सिलेंडर की डिलीवरी के समय ओटीपी अनिवार्य कर दिया गया है। जिन उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबर अपडेट नहीं हैं, वे तत्काल अपनी गैस एजेंसी में संपर्क कर नंबर अपडेट कराएं, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और सभी गैस एजेंसियों द्वारा निरंतर सिलेंडर वितरण किया जा रहा है। उपभोक्ताओं को प्राथमिकता के आधार पर गैस उपलब्ध कराई जा रही है। किसी भी प्रकार की समस्या या शिकायत होने पर उपभोक्ता संबंधित एलपीजी ऑयल मार्केटिंग कंपनी की वेबसाइट पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

डंपर की चपेट में आने से साइकिल सवार छात्रा घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा थाना अंतर्गत सालेटेका मे हट्टा रोड पर एक सड़क हादसे में साइकिल सवार एक छात्रा घायल हो गई। 11 अप्रैल को दोपहर में यह हादसा उस समय हुआ, जब यह छात्रा साइकिल में स्कूल से अपने घर जा रही थी। तभी इस छात्रा को डंपर ने चपेट में ले लिया ।घायल छात्र माधुरी पिता रविंद्र कटरे 16 वर्ष ग्राम

दिगोधा निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। जानकारी के अनुसार माधुरी 3 बहने और एक भाई है। सभी अपनी दादी के साथ अपने घर ग्राम दिगोधा में रहते है। जिनके माता-पिता काम करने के लिए नागपुर गए हुए हैं। माधुरी ग्राम सालेटेका स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कक्षा 9 की छात्रा है। प्रतिदिन साइकिल से ही अपने स्कूल आना-जाना करती है। 11 अप्रैल को दोपहर में माधुरी अपने स्कूल से साइकिल में अपने घर दिगोधा जा रही थी। तभी सालेटेका से कुछ दूर हट्टा रो? में गोलाई में सामने से तेज रफ्तार से आ रहे डंपर ने साइकिल सवार छात्र माधुरी को चपेट में ले लिया । डंपर की ठोकर से माधुरी रोड किनारे फेंका गई वहीं उसकी साइकिल क्षतिग्रस्त हो गई घायल छात्रा माधुरी को प्राइवेट वाहन से ही जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया। खबर मिलते ही उसके परिवार के लोग भी जिला अस्पताल पहुंच चुके थे ।जिला अस्पताल पुलिस ने घायल छात्रा माधुरी का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्यवाही हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना हट्टा भिजवा दी है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट